राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 29 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 11, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 141 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

अनुबंध आधारित

सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी (CHO)

नियुक्ति पत्र वितरण समारोह

आवश्यक सूचना

108 — आकस्मिक स्थिति में किसी भी मरीज को एंबुलेंस द्वारा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने हेतु राज्य हेल्पलाईन नंबर **108 (टॉल फ्री)** पर कॉल करें

104 — स्वास्थ्य संबंधी किसी भी जानकारी हेतु 24x7 नि:शुल्क राज्य हेल्पलाइन नंबर **104 (टॉल फ्री)** पर कॉल करें

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

गरिमामयी उपस्थिति

श्री बन्ना गुप्ता

माननीय मंत्री, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग और खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखण्ड सरकार

दिनांक: 29 अगस्त 2024 | समय : अपराह्न 12:00 बजे

स्थान : प्रोजेक्ट भवन, रांची

स्वस्थ झारखण्ड सुखी झारखण्ड

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार

हिमंता का दावा : चंपाई की जासूसी हो रही थी
दिल्ली पुलिस ने कहा : कुछ भी संदिग्ध नहीं

लगातार न्यूज नेटवर्क। रांची

असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा सरमा ने दावा किया है कि झारखंड पुलिस के दो दारोगा दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन का पीछा कर रहे थे. दोनों दारोगा को पकड़ कर दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया गया है. दोनों पुलिस की हिरासत में है. हिमंता ने समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा कि चंपाई सोरेन अभी झारखंड सरकार में मंत्री हैं. उन्होंने भाजपा में शामिल होने का निर्णय लिया है. जब तक वे इस्तीफा नहीं देते हैं, तब तक वो मंत्री हैं. वह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भी हैं. हिमंता ने कहा कि चंपाई सोरेन एक सप्ताह पहले भी दिल्ली गये थे और वहां तीन दिन रुके थे. वहीं दूसरी बार वो 26 अगस्त को कोलकाता होते हुए दिल्ली गये थे. दोनों ही बार वह अपनी टीम के साथ होटल में रुके थे. हिमंता ने दावा किया कि झारखंड पुलिस के दो दारोगा ने दोनों बार चंपाई सोरेन का पीछा किया थे. इन दोनों को 27 अगस्त शाम को लोगों ने पकड़ा और दिल्ली पुलिस को सौंप दिया. उन्होंने दावा किया है कि दिल्ली पुलिस के समक्ष दोनों दारोगा ने स्वीकार किया है कि स्पेशल ब्रांच के प्रभारी एडीजी आईजी प्रभात कुमार के कहने पर वह दिल्ली में चंपाई सोरेन का पीछा कर रहे थे. हिमंता ने यह भी कहा किया कि चंपाई सोरेन ने इस संबंध में एफआईआर दर्ज किया है.

दिल्ली पुलिस पूछताछ के बाद दोनों एसआई को छोड़ा : उधर, पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के एक पांच सितारा होटल में ठहरे झारखंड पुलिस के एसआई से दिल्ली पुलिस ने पूछताछ की. दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि संदेह था कि ये दोनों एसआई राज्य के पूर्व सीएम चंपाई सोरेन की जासूसी कर रहे थे. दोनों को मंगलवार रात दिल्ली के चाणक्यपुरी थाने की एक टीम ने पकड़ा एवं उनसे पूछताछ की. दोनों एसआई झारखंड पुलिस की विशेष शाखा में तैनात हैं. दोनों को पांच सितारा होटल से थाने ले जाया गया और पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया. दिल्ली पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि ये दोनों अधिकारी सामान्य ड्यूटी पर दिल्ली आये थे. उनसे पूछताछ में कुछ भी अप्रत्याशित नहीं मिला, इस लिए उन्हें छोड़ दिया गया.

हिमंता ने लगाए थे ये आरोप : हिमंता आरोप लगाया कि चंपाई सोरेन पर पिछले पांच महीने से उनकी ही सरकार की पुलिस नजर रख रही थी. शर्मा ने कहा कि सोरेन के करीबी लोगों ने दिल्ली के एक होटल में झारखंड पुलिस की विशेष शाखा के दो उप निरीक्षकों (एसआई) को पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन पर नजर रखते हुए पकड़ा था. उन्होंने कहा, यह भारतीय राजनीति में नजर रखने का दुर्लभतम मामला है. हम इसे सर्वोच्च स्तर तक उठाएंगे.दोनों एसआई के अनुसार संवैधानिक पद पर बैठे एक व्यक्ति और विशेष शाखा के प्रमुख की ओर से चंपाई सोरेन पर नजर रखने के आदेश मिले थे. उन्होंने कहा कि दोनों एसआई को दिल्ली पुलिस के हवाले कर दिया गया है, जो मामले में आगे जांच कर रही है. असम के सीएम ने चंपाई सोरेन के फोन टैप कराए जाने की आशंका भी जताई और कहा कि उन्हें हनी ट्रैप करने की भी साजिश हो सकती है क्योंकि एक महिला भी दोनों एसआई के संपर्क में थी. ये हनीट्रैप का मामला भी हो सकता है. शर्मा ने चंपाई सोरेन की 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होने की घोषणा का जिक्र करते हुए कहा, चंपाई सोरेन पर भाजपा से बातचीत शुरू होने से पहले ही नजर रखी जा रही थी.

सरकार जो चाहे करा ले, मैं डरने वाला नहीं: चंपाई

रांची। पूर्व सीएम चंपाई सोरेन बुधवार को रांची पहुंचे. रांची एयरपोर्ट पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया. मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा का दामन थामने के लिए मैंने काफी सोच-समझ कर फैसला लिया है. 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे. उन्होंने कहा कि मेरे भाजपा में जाने के फैसले से सिर्फ कोल्हान में ही नहीं पूरे झारखंड की राजनीति में असर पड़ेगा. जासूसी कराए जाने के सवाल पर कहा कि सरकार जो चाहे करा ले, मैं डरनेवाला नहीं हूं. मैं सही निर्णय लिया है.

अपने ही मंत्री की जासूसी करवा रही हेमंत सरकार: बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने चंपाई प्रकरण पर राज्य सरकार पर निशाना साधा है. कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन विधानसभा चुनाव में करारी हार को देखते हुए पूरी तरह बौखला गए हैं. अलोकतांत्रिक ,असंवैधानिक निर्णय लेते हुए सत्ता का दुरुपयोग कर रहे हैं। बाबूलाल बुधवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि वे औरंगजेब जैसा व्यवहार कर रहे.

हनी ट्रैप में भी फंसाने की बनाई गई थी योजना : मरांडी ने कहा कि हाल के दिनों में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में हेमंत मंत्रिमंडल में शामिल कैबिनेट मंत्री चंपाई सोरेन की गतिविधियों, उनके झारखंड और राज्य से बाहर के दौरों पर कड़ी नजर रखने के लिए विशेष शाखा ने पुलिसकर्मियों को गुप्त तरीके से लगाया है. खबर तो यहां तक आ रही कि उन्हें हनी ट्रैप में भी फंसाने की योजना बनाई गई थी. दिल्ली पुलिस के समक्ष झारखंड स्पेशल ब्रांच के दो पुलिस कर्मियों ने इस बात को स्वीकार किया कि उन्हें चंपाई सोरेन के मूवमेंट पर नजर रखने के लिए लगाया गया है.

संभावना है कि फोन टेपिंग भी हो रहा हो : ऐसी संभावना भी है कि राज्य सरकार चंपाई सोरेन सहित कई अन्य नेताओं की फोन टेपिंग भी करवा रही हो. राज्य के न्यायाधीश गण पर भी निगरानी रखी जा रही है. ऐसी स्थिति में यह राज्य के लिए अत्यंत गंभीर और चिंतनीय है. आज राज्य में अपराधी मस्त हैं. जेल से रंगदारी मांगी जा रही.

जासूसी की जांच राज्य के सिटिंग जज से कराई जाए : आज न्यायालय द्वारा सरकार की पुलिस प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर गंभीर टिप्पणी और निर्देश मिल रहे लेकिन राज्य सरकार अपने अहंकार में पूरी तरह डूबी हुई है. मरांडी ने राज्य सरकार से मांग करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा कराए जा रहे अवैध तरीके से खुफियागिरी ,जासूसी की जांच राज्य के सिटिंग जज से कराई जाए. एडीजी स्पेशल ब्रांच को अविलंब निलंबित किया जाए.

सीएम हेमंत सोरेन को अपने नेता-विधायकों और मंत्रियों पर भरोसा नहीं : शिवराज

रांची। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है. उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि सीएम हेमंत सोरेन को सोरेन परिवार के अलावा अपने नेताओं, विधायकों और मंत्रियों पर भी भरोसा नहीं है. चंपाई सोरेन झामुमो के वरिष्ठतम नेता हैं, वे झामुमो के संस्थापक सदस्य भी हैं. लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन उन्हें अपमानित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं. अपनी ही पार्टी के इतने बड़े नेता को साजिश के तहत मुख्यमंत्री पद से हटाना और झटपट स्वयं सीएम की कुर्सी पर बैठ जाना, ये आदिवासी समुदाय के एक बड़े नेता का घोर अपमान है.

▼ ब्रीफ खबरें

सनसनीखेज व संविधान विरोधी कृत्य : बाउरी

रांची। नेता प्रतिपक्ष अमर भाउरी ने कहा है कि पांच महीने से चंपाई सोरेन के ऊपर सर्विलांस लगा हुआ था. यह आश्चर्यचकित करने वाला मामला है. वह मुख्यमंत्री रहे हैं, वर्तमान सरकार में मंत्री हैं. ट्वीट कर लिखा है कि क्या झारखंड में एक परिवार संविधान व संस्थानों से भी बड़ा हो गया है. चंपाई सोरेन की अपनी ही सरकार पिछले कई महीनों से जासूसी कर रही थी. स्पेशल ब्रांच के दो अधिकारियों को चंपाई सोरेन जी का पीछा करते दिल्ली पुलिस ने दिल्ली में पकड़ा है. जिन्होंने उच्च अधिकारियों व राजनेता के निर्देश पर ऐसा करने की बात कबूली है.

जनता का आशीर्वाद ही मेरी हिम्मत : हेमंत

रांची। जनता का आशीर्वाद ही मेरी हिम्मत और मेरी ताकत है. उक्त बात सीएम हेमंत सोरेन ने एक्स पर पोस्ट कर कही. उन्होंने इस पोस्ट में भाजपा पर तंज भी कसा . हेमंत सोरेन ने कहा कि भाजपा के षड्यंत्र, साजिश और तमाशों को राज्य में सरकार बनने के बाद से मैं देख रहा हूं. हर बार ईस्ट इंडिया कंपनी के इन वंशजों को करारा जवाब भी दिया है. इन्होंने मुझे तोड़ने की कोशिश की, इनसे हो न सका. मुझे झुकाने की कोशिश की, झारखंड को झुकाने की कोशिश की, इनसे हो न सका. झारखंड की करोड़ों जनता का भरोसा और उम्मीद मुझे हर षड्यंत्र और साजिशों से लड़ने की ताकत देता है.

पीएम मोदी से मिल कर लिया मार्गदर्शनः मरांडी

रांची। झारखडं भाजपा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी. इस मुलाकात में क्या बात हुई इस पर बुधवार को मीडिया के सवालों का उन्होंने जबाव दिया. बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पीएम मोदी से झारखंड की राजनीति के बारे में चर्चा हुई. बाबूलाल मरांडी ने कहा, झारखंड की राजनीति पर पीएम नरेंद्र मोदी से मार्गदर्शन लिया. अब हम काम में लग जाएंगे. उसके बाद जब वो चुनाव प्रचार के समय आएंगे तब आगे देखेंगे. उनके साथ झारखंड और देश की ताजा राजनीतिक स्थिति पर विचार किया. राज्य के हालात पर चर्चा की.

रक्षा राज्यमंत्री ने ऑपरेशन चांडिल में शामिल नौसेना दल को सम्मानित किया

सेना सिर्फ युद्ध ही नहीं, देश की हर परिस्थिति में खड़ी रहती है : संजय सेठ

- भारतीय नौसेना दल ने अद्वितीय कर्तव्यनिष्ठता का दिया परिचय

संवाददाता। रांची

चांडिल डैम में नौसेना द्वारा सफल रेस्क्यू ऑपरेशन कर लौट रहे जवानों को केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने सम्मानित किया. इस अवसर पर रक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि हमें अपने नौ सैनिकों की वीरता और साहस पर गर्व है, जिन्होंने चांडिल डैम में लबालब भरे पानी में कठिन परिश्रम से दो लापता पायलट के साथ लापता एयरक्राफ्ट को खोज कर बाहर निकाला. मौसम अनुकूल नहीं होने के बावजूद नौसेना के जवानों के अथक प्रयास से यह ऑपरेशन सफल रहा. हमारी

सेना सिर्फ युद्ध के लिए नहीं होती, वह हर परिस्थिति में देश की सेवा के लिए होती है. इंडियन नेवी ने एक बार फिर से यह प्रमाणित किया है. रक्षा राज्यमंत्री ने सभी जवानों के साथ संवाद किया, नौसेना के दल से विमान और उसके लापता पायलट के शव को निकालने के लिए हुए सफल ऑपरेशन के अनुभवों को सुना. इस पूरे घटनाक्रम में इन वीर जवानों ने जो धैर्य, वीरता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया है, वह अद्वितीय है, इन जवानों का हौसला बढ़ाकर, इनसे मिलकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं.

ऑपरेशन चांडिल में शामिल जवान : कमांडर जन्मेजय सिंह, लेफ्टिनेंट राजीव कुमार पटेल, राजवीर सिंह सैनी, एमसीपीओ द्वितीय सीडी आकाश सिंह, एलएससीडी प्रदीप कुमार खैरवा, एलएससीडी शुभम थांगे, एसईए सीडी अभिनव सिंह, एसईए आई सीडी, रिंकू चाहर, एसईए आई सीडी अमरदीप, एसईए आई सीडी गुरप्रीत सिंह, एसईए आई सीडी ओंकार सिंह, एसईए प्रथम सीडी मुकुल, एसईए II सीडी शिवम केवट, एसईए द्वितीय सीडी युवराज, एसईए II सीडी रोहित कुमार, एसईए II सीडीटीम एचएसयू कमांडर वरुण गुप्ता, सोनू कुमार, पीओ (एचवाई) सागर, एलएस (एचवाई) रोहित, एलएसएचवाई ए रमेश.

ग्रामीण विकास मंत्री ने पोस्ट की सीएम की तस्वीर, खाते दिखे मूढ़ी-घुघनी

झारखंडी दोना में मूढ़ी-घुघनी की ताकत भाजपा का सफाया तय : इरफान अंसारी

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी का एक्स पर एक पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इस पोस्ट में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झामुमो और कांग्रेस के नेताओं के साथ झारखंड की पारंपरिक मूढ़ी और घुघनी खाते दिखाई दे रहे हैं. इरफान अंसारी ने अपने पोस्ट में लिखा कि झारखंडी दोना में मूढ़ी-घुघनी की ताकत, भाजपा का सफाया तय. आगे लिखा कि बटर टोस्ट, आमलेट और कॉर्नफ्लेक्स खाने वाले जरा गौर से देखें. हम झारखंडवासी दोना में मूढ़ी, घुघनी, आलू चोप और ऊपर से प्याज-मिर्चा ही खाते हैं. जनता हमें चाहे कितने भी बड़े पद पर बैठा दे, हम अपनी सादगी, रहन-सहन

सीएम हेमंत के साथ मंत्री डॉ इरफान अंसारी.

और सभ्यता नहीं भूलते. इसलिए, भाजपा वालों, होश में आ जाओ, तुम्हारी दाल यहां नहीं गलने वाली. भाजपा का सफाया तय है. इस तस्वीर में डॉ इरफान अंसारी, दीपिका पांडेय सिंह, स्टीफेन मरांडी, कल्पना मुर्मू सोरेन, बसंत सोरेन और हफीजुल हसन अंसारी दोना में मूढ़ी-घुघनी खाते दिखाई दे रहे हैं.

अमन साहू अपने गिरोह के सुनील मीणा से दिला रहा घटना को अंजाम

सनसनी : अमन साहू गिरोह ने सोशल मीडिया पर दिखाए हथियार के जखीरे

सौरभ सिंह। रांची

जेल में बंद रहने के बाद भी अमन साहू गिरोह का उत्पात कम होने का नाम नहीं ले रहा है. एक बार फिर अमन साहू गिरोह ने पुलिस को खुली चुनौती दी है. गिरोह ने सोशल मीडिया पर हथियार के जखीरे के साथ एक वीडियो पोस्ट किया है. यह वीडियो अमन साहू नाम के फेसबुक अकाउंट से अपलोड किया गया है. इस वीडियो के जरिये झारखंड और छत्तीसगढ़ पुलिस को खुली चुनौती दी गयी है. वीडियो में कहा गया है कि जेल में बंद मेरे किसी आदमी को कुछ हुआ तो इसका जिम्मेवार पुलिस खुद होगी और इसका अंजाम बुरा होगा. बता दें कि अमन साहू वर्तमान में चाईबासा जेल में बंद है. अमन साहू गैंग का सुनील मीणा को गिरफ्तार करना झारखंड पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है. सुनील मीणा मूल रूप से राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले घडसाना के नयी मंडी का रहने वाला है. सुनील, लॉरेंस बिश्नोई गैंग के विश्वस्त लोगों में भी रह चुका है. वर्क वीजा पर भारत से मलेशिया गया

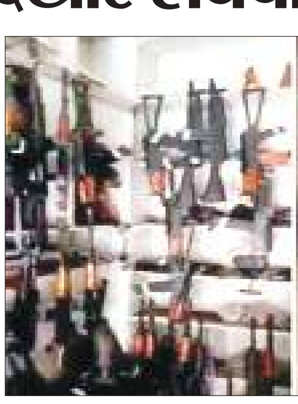

ढाई साल में अमन साहू को नौ जेलों में किया गया शिफ्ट

- 29 अक्टूबर 2021 को रांची से पाकुड़ जेल
- 13 अप्रैल 2022 को गिरिडीह जेल
- 23 जुलाई 2022 को मंडल कारा सिमडेगा
- 17 सितंबर 2022 को पलामू जेल
- 24 नवंबर 2022 को दुमका जेल
- 19 अगस्त 2023 को चाईबासा जेल
- 11 अक्टूबर 2023 को पुनः पलामू जेल
- 20 जून 2024 को फिर से गिरिडीह जेल
- 21 जुलाई 2024 को फिर से चाईबासा जेल

सुनील कुआलालमपुर में रहने के दौरान लॉरेंस बिश्नोई गैंग के रोहित गोदारा, गोल्डी बरार और संपत नेहरा के जरिये लॉरेंस के संपर्क में आया और मलेशिया से ही अपराध की दुनिया में अपनी जड़े जमाने लगा. वह लॉरेंस बिश्नोई के इशारे पर राजस्थान और पंजाब के कई जिलों में हत्या, रंगदारी वसूली, फायरिंग जैसे घटनाओं को अंजाम दिलाने लगा.

लुधियाना की कंपनी के निदेशक समेत अन्य पर मामला दर्ज

संवाददाता ।रांची

खास बातें
- कंपनी के निदेशकों ने साजिश का लगाया था आरोप
- नामकुम थाना क्षेत्र के निवासी हैं संजय साहू

नामकुम थाना क्षेत्र निवासी संजय साहू ने इंटरनेशनल मार्केटिंग कारपोरेशन के निदेशक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराया है. संजय साहू नामकुम के लीची बगान निवासी महेंद्र साहू के पुत्र हैं और इंटरनेशनल मार्केटिंग कारपोरेशन में बिजनेस एसोसिएट के रूप में काम करते थे. कंपनी पंजाब के लुधियाना की है. प्राथमिकी में निदेशक राकेश कुमार, अखिल कपूर, सत्यन भाटिया और अशोक भाटिया को भी आरोपी बनाया गया है. प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि कंपनी के निदेशकों ने उनके खिलाफ साजिश कर फंसाने की साजिश रची थी.

प्राथमिकी में संजय साहू ने आरोप लगाया है कि इंटरनेशनल मार्केटिंग कॉर्पोरेशन से अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए उन्हें एडवांस के तौर पर 20 लाख रुपये दिए थे. यह राशि 22 अप्रैल 2021 को दिया गया था. इसके बदले सिक्यूरिटी के रुप में एक ब्लैंक चेक उन्होंने कंपनी को दिया था. जिस पर उनका हस्ताक्षर था. एडवांस की राशि कंपनी ने पहले ही काट लिया था. इस बीच सात सितंबर 2023 को उन्होंने कंपनी से इस्तीफा दे दिया. 21 सितंबर 2023 को कंपनी ने इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया.

संजय साहू के मुताबिक नौकरी छोड़ने के बाद कंपनी ने झूठे तथ्यों के आधार पर आठ फरवरी 2024 को लुधियाना में उनके खिलाफ केस दर्ज करा दिया. जिसमें आरोप लगाया गया कि उन्होंने 25 जनवरी 2024 को कंपनी को 20 लाख का चेक दिया, जो बाउंस कर गया है. कंपनी ने जो 20 लाख रुपया एडवांस दिया था, उसे मैंने वापस नहीं किया. जबकि केस दर्ज होने के दो माह बाद तीन अप्रैल 2024 को कंपनी ने जो नोटिस भेजा, उसमें 20 लाख रुपये का जिक्र नहीं था. संजय साहू के मुताबिक उन्होंने 25 जनवरी 2024 को कोई चेक जारी किया ही नहीं था. इस बारे में उन्होंने लुधियाना पुलिस को सारी जानकारी उपलब्ध करा दी.

अनाजों को गोदाम तक पहुंचाने पर ट्रांसपोर्टिंग पर खर्च होंगे 69.45 करोड़

आठ जिलों में अगले दो साल में गोदामों तक पहुंचेगा 11.57 लाख मीट्रिक टन अनाज

प्रमुख संवाददाता। रांची

खाद्य आपूर्ति विभाग अगले दो साल में (2024-26) राज्य के आठ जिलों के गोदामों में 11 लाख 57 हजार 640 मीट्रिक टन अनाज पहुंचा जाएगा. जिसमें चावल, गेहूं सहित अन्य अनाज शामिल हैं. इन दो साल में ट्रांसपोर्टिंग पर 600 रुपए प्रति मीट्रिक टन खर्च किया जाएगा. इस हिसाब अनाज को गोदाम तक पहुंचाने के लिए ट्रांसपोर्टिंग पर 69 करोड़ 45 लाख 84 हजार रुपए खर्च किए जाएंगे.

किस जिले में अगले दो साल में कितना अनाज जाएगा (मीट्रिक टन में)	
गढ़वा	1,45,296
बोकारो	1,68,912
चतरा	1,19,232
देवघर	1,52,208
धनबाद	2,27,928
दुमका	1,47,096
पूर्वी सिंहभूम	1,96,968

किस जिले में परिवहन में कितना होगा खर्च	
गढ़वा	8,71,77,600 रु.
बोकारो	10,13,47,200 रु.
चतरा	7,15,39,200 रु
देवघर	9,13,24,800 रु
धनबाद	13,67,56,800 रु
दुमका	8,82,57,600 रु
पूर्वी सिंहभूम	1,81,80,800 रु

निकाय चुनाव की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई पूरी

रांची। झारखंड में नगर निगम और नगर निकाय चुनाव कराने को लेकर निवर्तमान पार्षद रोशनी खलखो के मामले में सिंगल बेंच के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार की अपील पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ में हुई. बुधवार को सभी पक्षों की ओर से बहस पूरी होने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. सिंगल बेंच ने रौशनी खलखो की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को जल्द चुनाव कराने का निर्देश दिया है.

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक कल

रांची। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की समीक्षा बैठक 30 अगस्त को दिन के 11 बजे से डोरंडा स्थित केंद्रीय कार्यालय में होगी. मोर्चा के संस्थापक पुष्कर महतो ने बताया कि बैठक में 24 अगस्त को बापू वाटिका मोरहाबादी में संपन्न संकल्प सभा की समीक्षा की जाएगी. उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी आज अपने पुत्र- पुत्री के रोजी-रोजगार व नियोजन की गारंटी के लिए संघर्षरत हैं. राज्य सरकार द्वारा लगातार आंदोलनकारियों की उपेक्षा की जाती रही है, जबकि सरकार बनने से पूर्व झारखंड मुक्ति मोर्चा ने आंदोलनकारियों को पेंशन देने की घोषणा की थी. इसलिए आंदोलनकारी संकल्प सभा कर सरकार को अपनी मांगों से अवगत कराएंगे कि जेल जाने की बाध्यता समाप्त करते हुए आंदोलनकारियों को समान रूप से राजकीय मान-सम्मान अलग पहचान रोजी- रोजगार एवं नियोजन की गारंटी मिले.

क्लासिफाइड

सरगर्मी बाइक और चारपहिया वाहनों के साथ समर्थकों ने रैली निकाली

भव्य, दिव्य व विकसित पांकी बनाना मेरा लक्ष्य : विनोद

संवाददाता। रांची/ पांकी(पलामू)

समाजसेवी विनोद सिन्हा के अचानक पांकी के चुनावी समर में कूदने से राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गयी है. हालांकि सिन्हा के करीबी लोगों का कहना है कि उन्होंने पहले से पांकी को अपना कर्मक्षेत्र बनाने की घोषणा कर दी थी. अब जब झारखंड में विधानसभा चुनाव सिर पर हैं, यानि दो महीने बाद नवंबर में चुनाव कराया जा सकते हैं, ऐसे में सिन्हा की पांकी विस क्षेत्र में गतिविधियां तेज होने से पुराने राजनीतिज्ञों के माथे पर बल पड़ गया है. विनोद के चुनावी समर में कूदने से जो नेता

पांकी में सभा को संबोधित करते विनोद सिन्हा.

अबतक पांकी की राजनीति में सक्रिय तो रहे, लेकिन अपेक्षित विकास नहीं कर पाये. बुधवार को समाजसेवी विनोद सिन्हा के समर्थन में विशाल रैली निकाली गयी और जनसभा की गयी. जनसभा को संबोधित करते हुए विनोद सिन्हा ने कहा कि भव्य ,दिव्य और विकसित पांकी बनाना मेरा एक मात्र लक्ष्य है. इसके लिए मुझे आप लोगों का आशीर्वाद चाहिए. जनसभा का आयोजन पांकी ते सिंचाई विभाग मैदान में किया गया था.

उन्होंने कहा कि पलामू के पांकी में विकास जैसा होना चाहिए था, वैसा कुछ हुआ नहीं. इसके लिए अबतक के जनप्रतिनिधि जिम्मेवार हैं. पांकी को विकास के पथ पर आगे ले जाना मेरा एकमात्र लक्ष्य है. सिन्हा ने कहा- मुझे मौका मिला तो मैं पांकी की पहचान राज्य के सबसे विकसित विधानसभा के रूप में करूंगा. ये मेरा वादा है.सिन्हा ने कहा कि पांकी की जनता की मांग पर चुनावी मैदान में उतरा हूं. जनता के विश्वास पर खरा उतरने का भरपूर प्रयास करुंगा. पिछले कई दशक से पांकी की जनता यहां के जनप्रतिनिधियों के कार्यकाल से काफी नाराज हैं. इससे पूर्व 15 सौ बाइक और दो सौ चार पहिया वाहनों के साथ रैली निकली गयी.

सभा में जुटी भीड़ एक स्वर में नारे लगा रही थी- पांकी का है नारा, अबकी बार विनोद हमारा. इससे पूर्व महावीर मोड़, लेस्लीगंज, पांकी सिंचाई विभाग के मैदान में कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ विनोद सिन्हा का स्वागत किया. मौके पर इम्तियाज नजमी, शैलेन्द्र कुमार, दिनेश तिवारी, बबलू भुइयां, अश्विनी सिंह,जमशेद आलम,राजेश मिश्रा, सैयद इलियास अहमद, रामाशेकर पांडेय, बॉबी,धर्मपाल, बबलू सिंह सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

रांची, गुरुवार 29 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 11, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 141

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राष्ट्रीय खेल दिवस आज

मोदी कैबिनेट का फैसला

जमशेदपुर-पुरुलिया-आसनसोल थर्ड रेल लाइन पर मुहर

एजेंसियां। नयी दिल्ली

मोदी कैबिनेट ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 10 राज्यों में 12 नए इंडस्ट्रियल सिटी बनाने को मंजूरी दी है. इन शहरों के बनने से 10 लाख प्रत्यक्ष और 30 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने का अनुमान है. इनसे 1.52 लाख करोड़ की निवेश क्षमता भी पैदा होगी.

मोदी सरकार ने रेलवे के लिए भी कई प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कैबिनेट में हुए फैसलों की जानकारी दी. वैष्णव ने कहा, एनआईसीडीपी के तहत 28,602 करोड़ रुपए के अनुमानित निवेश से 12 नए इंडस्ट्रियल शहर बनाने की मंजूरी दी है. इसके साथ ही मोदी कैबिनेट ने रेलवे के लिए भी कई इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है. झारखंड के ईस्ट सिंहभूम से पश्चिम बंगाल के पुरुलिया और बर्दमान को जोड़ने के लिए जमशेदपुर-पुरुलिया-आसनसोल (चंदिल-अनारा-दामोदार) थर्ड लाइन बनाई जाएगी. ये रूट 121 किलोमीटर का होगा. इसमें 2, 170 करोड़ रुपये की लागत आएगी.

ओडिशा के सुंदरगढ़ से छत्तीसगढ़ के रायगढ़ को जोड़ने के लिए सरडेगा डबल लाइन भालूमुड़ा लाइन बनाई जाएगी. इस रूट की लंबाई 37 किलोमीटर होगी. इसमें 1,360 करोड़ रुपये की लागत आएगी. ओडिशा (बारगढ़, नुआपाड़ा) में बरगढ़ रोड-नवापारा रोड लाइन का निर्माण किया जाएगा. ये रूट 138 किलोमीटर का होगा. इसमें 2,926 करोड़ रुपये की लागत आएगी.

12 नई स्मार्ट सिटी और 10 लाख नई नौकरियां

कहां-कहां बनेंगे नए इंडस्ट्रियल शहर

ये इंडस्ट्रियल शहर उत्तराखंड के खुरपिया, पंजाब के राजपुरा-पटियाला, महाराष्ट्र के दिघी, केरल के पलक्कड़, उत्तर प्रदेश के आगरा और प्रयागराज, बिहार के गया, तेलंगाना के जहीराबाद, आंध्र प्रदेश के ओर्वकल और कोपर्थी, राजस्थान के जोधपुर-पाली में स्थित होंगे. इन शहरों को ग्लोबल पैरामीटर्स के आधार पर विकसित किया जाएगा. ये शहर हाइटेक इंफ्रास्ट्रक्चर लैस होंगे, जो सस्टेनेबल और मजबूत इंडस्ट्रियल ऑपरेशन का समर्थन करते हैं.

कितने एकड़ जमीन पर बनेगी इंडस्ट्रियल सिटी

उत्तराखंड के खुपरिया में 1002 एकड़, पंजाब के राजपुरा-पटियाला में 1000 एकड़, यूपी के आगरा में 1058 एकड़, प्रयागराज में 352 एकड़ में स्मार्ट सिटी बसाई जाएगी. बिहार के गया में 1,670 एकड़ में स्मार्ट सिटी बनेगी. मंत्री ने बताया कि इन सिटी की परिकल्पना 6 प्रमुख कॉरीडोर के करीब रणनीतिक रूप से की गई है. ये प्रोजेक्ट्स विनिर्माण क्षमताओं और आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देने में पहल को दर्शाती हैं. ये देश के औद्योगिक परिदृश्य को बदल देगा. इससे औद्योगिक क्षेत्र और शहरों का एक मजबूत नेटवर्क तैयार होगा, जो आर्थिक वृद्धि और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देगा.

14 नए रेलवे स्टेशन 1300 गांवों में कनेक्टिविटी

इनके साथ 14 नए स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा. इसमें नुआपाड़ा और पूर्वी सिंहभूम को कनेक्टिविटी मिलेगी. मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स से करीब 1300 गांवों और लगभग 19 लाख लोगों को कनेक्टिविटी मिलेगी. ये रूट कृषि उत्पादों, उर्वरक, कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट, चूना पत्थर आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए जरूरी हैं. क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 45 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी.

अभी आठ इंडस्ट्रियल शहरों पर चल रहा है काम

इस तरह के 8 इंडस्ट्रियल शहरों पर पहले से ही काम जारी है. बाकी 4 शहरों में भी सरकार का स्पेशल पर्पज व्हीकल रोड कनेक्टिविटी, पानी और बिजली की सप्लाई जैसे इंफ्रास्ट्रक्टर के निर्माण की प्रक्रिया में है. देश में 12 नए इंडस्ट्रियल शहरों की स्थापना के साथ इस तरह के शहरों की कुल संख्या 20 हो जाएगी. इस कदम से देश के जीडीपी में इंफ्रास्ट्रक्टर की हिस्सेदारी बढ़ाने और रोजगार सृजन में मदद मिलेगी. मंत्री ने बताया कि इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स से 10 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा. अप्रत्यक्ष रूप से 30 लाख नए रोजगार भी सृजित होंगे. केंद्रीय मंत्री के अनुसार, इसमें 1.52 लाख करोड़ रुपये का निवेश होने की संभावना है.

234 शहरों में शुरू होंगे प्राइवेट एफएम रेडियो : मोदी कैबिनेट ने 234 शहरों में 730 प्राइवेट एफएम रेडियो शुरू करने को मंजूरी दे दी है. आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस कदम से लोकल कंटेंट को बढ़ावा मिलने और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की संभावना है.

एक्ट ईस्ट पॉलिसी : पूर्वी राज्यों के लिए भी कई फैसले हुए हैं. उत्तर पूर्व में 62 गीगावॉट की हाइड्रो-इलेक्ट्रिसिटी क्षमता बढ़ेगी. इससे क्लीन एनर्जी मिलेगी. पूर्वोत्तर को इलेक्ट्रिसिटी के विकास के लिए इक्विटी समर्थन की जरूरत है. इससे वहां विकास होगा और सबके जीवन में सुधार होगा.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,500
चांदी (किलो)	86,000

ब्रीफ खबरें

जन धन योजना के 10 वर्ष पूरे होने पर प्रशंसा

नयी दिल्ली। पीएम मोदी ने जन धन योजना को सफल बनाने के लिए काम करने वाले लोगों की बुधवार को प्रशंसा की और कहा कि यह योजना वित्तीय समावेश को बढ़ावा देने में सर्वोपरि रही है. पीएम 'एक्स' पर कहा, आज एक ऐतिहासिक दिन है - जन धन योजना के 10 वर्ष पूरे हो गए हैं। सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं.

बंगाल बंद के दौरान कई जगह झड़प

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 12 घंटे का बंद आहूत करने की कोशिश में भाजपा के कार्यकर्ताओं की कई स्थानों पर बुधवार को पुलिस से झड़प हुई और राज्य में इस बंद का मिला-जुला असर देखा गया. उधर सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि भाजपा कोलकाता रेप कांड में राजनीति कर रही है.

- पेज 12 भी देखें

द्रमुक सांसद पर लगाया 908 करोड़ का जुर्माना

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को बताया कि डीएमके सांसद एस जगतरक्षकण और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ विदेशी मुद्रा नियमों के उल्लंघन से संबंधित एक मामले में 908 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है. संघीय एजेंसी ने एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया कि सितंबर 2020 में जब्त की गई 89.19 करोड़ रुपये की संपत्ति को 26 अगस्त को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत जारी एक स्थगन आदेश के बाद जब्त कर लिया गया है.

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.1	25.4
जमशेदपुर	34.0	25.0
डालटनगंज	32.8	25.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

सीएम बोले- यह वीर सिदो-कान्हू और बिरसा मुंडा की धरती है

हम डरनेवाले नहीं

संजीव मेहता। आदित्यपुर

गम्हरिया के रापचा फुटबॉल मैदान में सीएम हेमंत सोरेन बुधवार को सभा को संबोधित करते हुए.

सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया प्रखंड के रापचा फुटबॉल मैदान में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को बटन दबाकर कोल्हान की 5.75 लाख महिलाओं के खाते में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि की पहली किस्त भेजी. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अब तक सरकार राज्य की 48 लाख महिलाओं को इस योजना की पहली किस्त भेज चुकी है.

उन्होंने कहा कि हमने 200 यूनिट तक बिजली बिल माफ कर दिया है, अब पूर्व की बिजली बिल बकाया राशि को खत्म करने की भी योजना बना दी है. मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में जिस दिन से सरकार बनी उसी दिन से केंद्र की सरकार हमें गिराने में लगी है. हम आदिवासियों को भाजपा वाले बोका समझते हैं. जब मकसद में कामयाब नहीं हुए तो झूठे आरोपों में मुझे जेल भिजवाने का काम किया. जब राज्य के नेताओं से हम काबू नहीं हुए तो मध्यप्रदेश और असम से नेताओं को पदस्थापित कर षड्यंत्र रचने में लगी है. यह वीर सिदो-कान्हू, वीर बिरसा मुंडा की धरती है, यहां हर चौराहे पर वीर शहीद झारखंडी मिलेंगे, हमलोग डरने वाले नहीं हैं.

बता दें कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत 21 वर्ष से 50 वर्ष की 48 लाख से अधिक महिलाओं का निबंधन हो चुका है. 96 प्रतिशत से अधिक आवेदन को प्रशासनिक स्वीकृति दी जा चुकी है. इसके तहत हर महिला को प्रति माह एक हजार रुपये की राशि यानी सालाना 12 हजार रुपये सीधे उनके खाते में देने की योजना है. मुख्यमंत्री दिन के करीब ढाई बजे गम्हरिया रापचा फुटबॉल मैदान में कार्यक्रम स्थल पर बने हेलीपैड पर उतरे. मुख्यमंत्री को जिला पुलिस प्रशासन द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया. मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में पहुंचने पर मंच पर जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया. मौके पर विधायक कल्पना सोरेन, मंत्री दीपक बिरुआ, मंत्री बन्ना गुप्ता, मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री बेबी देवी, जोबा मांझी समेत सांसद व विधायक मौजूद रहे. सीएम ने कहा कि पूरे मंईया योजना अनवरत जारी रहेगी. उन्होंने पूर्व की भाजपा की डबल इंजन की सरकार को आड़े हाथ लिया और कहा कि उन लोगों का उत्पात देखकर ही 2019 में यहां की झारखंडी जनता ने हमें सत्तासीन किया. लेकिन गद्दी पर बैठते ही कोरोना जैसी बीमारी आ गई. कोरोना के दौरान भी हमने राज्य की जनता को मदद की. देश और विदेशों से झारखंडियों को वापस लाया. हमने राज्य के एक-एक गांव में विकास की किरण पहुंचाने के लिए आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम शुरू किया है.

बोले सीएम

- हमने राज्य की खनिज की रॉयल्टी मांगा तो जेल में डाल दिया
- भाजपा वाले हम झारखंडियों को बोका समझते हैं
- अब तक राज्य की 48 लाख महिलाओं को भेजी गई है पहली किस्त

हर घर तक पहुंचाएंगे एक लाख रुपये

सीएम ने कहा कि आज कोल्हान की पौने छह लाख महिलाओं के खाते में मेरे बटन दबाते ही पहली किस्त की राशि चली गई. हमारा लक्ष्य है प्रत्येक घर के सदस्यों के बीच कम से कम एक लाख रुपये सरकार दे जिससे वे बेहतर जीवन जी सकें. हम धर्म की राजनीति में विश्वास नहीं करते हैं हम राज्य के विकास में विश्वास रखते हैं. हमने राशन कार्ड की संख्या भी 11 लाख से 20 लाख कर दी है. हमारी योजनाएं कार्यालयों के चक्कर लगाने पर नहीं बल्कि घर जाकर पहुंचाई जा रही है. आज राज्य के 40 लाख बूढ़े बुजुर्गों को पेंशन मिल रहा है, यह आंकड़ा डबल इंजन की सरकार में महज 15 लाख था. आज इसी कड़ी में हमारी सरकार ने राज्य की 21 से 50 वर्ष तक की महिलाओं को प्रति वर्ष 12 हजार रुपये पेंशन देने की योजना बनाई. इससे पूर्व 50 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को भी पेंशन देने का काम किया.

नियुक्तियों का सिलसिला जारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में स्थापित औद्योगिक संस्थानों में 75% नियुक्तियां स्थानीय लोगों का हो इस निमित्त उनकी सरकार ने कानून बनाया है. उनकी सरकार ने अब तक एक लाख से ज्यादा युवक-यूवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने का काम कर दिखाया है. 35 से 40 हजार सरकारी नौकरियां दी गई हैं. आने वाले कुछ महीनो में लगभग और 40 हजार सरकारी नियुक्तियां प्रक्रियाधीन है. राज्य सरकार द्वारा नियुक्तियों का सिलसिला लगातार जारी है.

गरीबों के पुराने बिजली बिल होंगे माफ

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अब बिजली उपभोक्ताओं को 200 यूनिट बिजली प्रतिमाह निःशुल्क उपलब्ध करा रही है. गरीब लोगों के पुराने बिजली बिल का बकाया भी माफ किया जाएगा ताकि उनके ऊपर कोई बोझ न रहे और उन्हें 200 यूनिट मुफ्त बिजली का लाभ मिल सके. मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार राज्य के किसानों के 2 लाख रुपए तक का ऋण माफी करने का काम किया है. मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत युवक-युवतियों को विभिन्न रोजगारों से जोड़ा जा रहा है. आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका सहित कई क्षेत्रों में कार्यरत महिला-पुरुष कर्मियों के मानदेय में वृद्धि भी की गई है.

चंपाई ने झामुमो की सदस्यता और मंत्री पद से दिया इस्तीफा

दिल्ली से लौटे चंपाई सोरेन, 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे

प्रमुख संवाददाता। रांची

बुधवार को नयी दिल्ली से लौटने पर चंपाई सोरेन का समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया. उन्होंने इस दौरान सबका अभिवादन किया. **फोटो। रमीज**

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने झामुमो की प्राथमिक सदस्यता और मंत्री पद के साथ विधायकी से भी इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पत्र जारी कर इस बात की जानकारी दी. अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष को भेज दिया है. उन्होंने कहा कि आज झामुमो की प्राथमिक सदस्यता एवं सभी पदों से त्याग-पत्र दे दिया. झारखंड के आदिवासियों, मूलवासियों, दलितों, पिछड़ों एवं आम लोगों के मुद्दों को लेकर हमारा संघर्ष जारी रहेगा. इससे पहले चंपाई ने रांची एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा का दामन थामने के लिए मैंने काफी सोच-समझ कर फैसला लिया है. 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे. उन्होंने कहा कि मेरे भाजपा में जाने के फैसले से सिर्फ कोल्हान में ही नहीं पूरे झारखंड की राजनीति में असर पड़ेगा. जासूसी कराए जाने के सवाल पर कहा कि सरकार जो चाहे करा ले, मैं डरने वाला नहीं हूं. मैं सही निर्णय लिया है. झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के प्रति हमारे दिल में हमेशा आस्था बनी रहेगी.

चंपाई सोरेन ने क्या लिखा है इस्तीफा में

आदरणीय गुरु जी, जोहार !

मैं चंपाई सोरेन, झामुमो की वर्तमान कार्यशैली एवं नीतियों से विक्षुब्ध होकर, पार्टी छोड़ने को विवश हूं. अत्यंत ही दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि आप के मार्गदर्शन में जिस पार्टी का सपना हम जैसे कार्यकर्ताओं ने देखा था, एवं जिस के लिए हम लोगों ने जंगलों, पहाड़ों एवं गांवों की खाक छानी थी, आज पार्टी अपनी उस दिशा से भटक चुकी है. झामुमो मेरे लिए एक परिवार जैसा रहा एवं मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मुझे इसे छोड़ना पड़ेगा. लेकिन पिछले कुछ दिनों के घटनाक्रम की वजह से, मुझे बहुत ही पीड़ा के साथ यह कठिन निर्णय लेना पड़ा रहा है.

आपके वर्तमान स्वास्थ्य की वजह से, आप सक्रिय राजनीति से दूर हैं, तथा आपके अलावा पार्टी में ऐसा कोई फोरम नहीं है, जहां हम अपनी मन की पीड़ा को बता सकें. इस वजह से, मैं झारखंड मुक्ति मोर्चा की प्राथमिक सदस्यता एवं सभी पदों से इस्तीफा दे रहा हूं. आपके मार्गदर्शन में, झारखण्ड आंदोलन के दौरान तथा उसके बाद भी, मुझे जीवन में बहुत कुछ सीखने का अवसर प्राप्त हुआ है. आप सदैव मेरे मार्गदर्शक बने रहेंगे. अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि मेरा इस्तीफा स्वीकार करने की कृपा करें. सधन्यवाद !

प्रेम प्रकाश को मिली बेल

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

पावर ब्रोकर के नाम से मशहूर प्रेम प्रकाश को चेशायर होम रोड स्थित जमीन घोटाले मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गयी है. न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के वी विश्वनाथन की खंडपीठ ने बुधवार को प्रेम प्रकाश को जमानत दी है. इससे पहले 29 जुलाई को शीर्ष अदालत ने ईडी और प्रेम प्रकाश की ओर से बहस सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. कोर्ट ने बुधवार को अपना फैसला सुनाया. उल्लेखनीय है कि ईडी ने 25 अगस्त 2022 को प्रेम प्रकाश को गिरफ्तार किया था. इससे पहले ईडी ने प्रेम प्रकाश के हरमू स्थित शैलोदय आवास में रेड की थी. इस दौरान प्रेम प्रकाश के घर से पुलिस के दो हथियार बरामद किये गये थे. रांची के बड़गाईं अंचल के चेशायर होम रोड की जमीन की अवैध तरीके से खरीद बिक्री से जुड़े इस केस में ईडी ने रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को गिरफ्तार किया था. वह अभी भी जेल बंद हैं.

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा- हमें यह मानने में कोई झिझक नहीं है कि जब कोई आरोपी पीएमएलए के तहत हिरासत में है, उसी जांच एजेंसी को धारा 50 के तहत दिया गया बयान अस्वीकार्य है. चाहे वह किसी भी मामले में हिरासत में हो. इसका कारण यह है कि वह व्यक्ति हिरासत में है. उसी जांच एजेंसी द्वारा जांच की गई कार्यवाही के अनुसार हिरासत में लिया गया व्यक्ति ऐसा व्यक्ति नहीं है जिसे स्वतंत्र दिमाग से काम करने वाला माना जा सके. उसके खिलाफ इस तरह के बयान को स्वीकारना बेहद असुरक्षित होगा.

जमीन घोटाला मामला

सुप्रीम कोर्ट ने कहा : ईडी की हिरासत में अभियुक्त के बयान के आधार पर किसी को आरोपी बनाना मान्य नहीं

कोर्ट ने दोहराया- जमानत नियम है और जेल अपवाद

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को प्रेम प्रकाश को जमानत देते हुए फिर दोहराया- जमानत नियम है और जेल अपवाद है. कोर्ट ने कहा कि यह सिद्धांत धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आने वाले मामलों पर भी लागू होता है. बता दें कि झारखंड हाईकोर्ट ने प्रेम प्रकाश को जमानत देने से इनकार कर दिया था. सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान मनीष सिसोदिया को दी गई जमानत का भी जिक्र किया. न्यायमूर्ति बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा, मनीष सिसोदिया के फैसले पर भरोसा करते हुए हमने कहा है कि पीएमएलए में भी जमानत एक नियम है और जेल अपवाद है. किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता हमेशा नियम होती है और कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया द्वारा वंचना अपवाद होती है.

दोष साबित होता है, तो धारा 25 के तहत आएंगे

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि पीएमएलए के तहत दर्ज किए गए आरोपी द्वारा जांच अधिकारी के समक्ष दिए गए इकबालिया बयान आमतौर पर सबूत के तौर पर स्वीकार्य नहीं होंगे. शीर्ष कोर्ट ने कहा कि भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 25 के तहत इस तरह के बयानों पर रोक लागू होगी. सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हमारा मानना है कि अगर अपीलकर्ता के बयानों में दोष साबित होता है तो वो धारा 25 के तहत आएंगे. किसी बयान को सिर्फ इसलिए स्वीकार्य बनाना हास्यास्पद होगा क्योंकि वह तब एक अन्य ईसीआईआर के लिए हिरासत में था. इस तरह के बयानों को स्वीकार्य बनाना बेहद अनुचित होगा क्योंकि यह न्याय के सभी सिद्धांतों के खिलाफ होगा. प्रेम प्रकाश को जमानत देते समय सुप्रीम कोर्ट ने उनकी लंबी कैद और बड़ी संख्या में गवाहों के कारण मुकदमे में हुई देरी को ध्यान में रखा. पीठ ने यह भी माना कि प्रकाश प्रथम दृष्टया अपराध के दोषी नहीं थे और उनके द्वारा साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ करने की संभावना नहीं थी. इसलिए अदालत ने 5 लाख रुपए के बेल बांड पर उन्हें जमानत दे दी.

आक्रोश कोलकाता रेप कांड की घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का बड़ा बयान

बस, अब बहुत हुआ... परेशान और भयभीत हूं

एजेंसिया। नयी दिल्ली

कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना से पूरे देश में गुस्सा और नाराजगी का माहौल है. अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी कोलकाता की घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है.

राष्ट्रपति ने कहा कि वह घटना से निराश और भयभीत हैं. अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए राष्ट्रपति ने महिला अपराधों पर रोक का आह्वान किया और कहा कि अब बहुत हो गया, अब समय आ गया है कि भारत महिलाओं के खिलाफ अपराधों की विकृति के प्रति जाग जाए और उस मानसिकता का मुकाबला करे जो महिलाओं को कम शक्तिशाली, कम सक्षम, कम बुद्धिमान'' के रूप में देखती है. एक लेख में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, इतिहास का सामना करने से डरने वाले समाज सामूहिक भूलने की बीमारी का सहारा लेते हैं. अब समय आ गया है कि भारत इतिहास का सामना करे. महिला अपराधों पर राष्ट्रपति ने कहा कि हमें इस विकृति से व्यापक तरीके से निपटना चाहिए ताकि इसे शुरू में ही रोका जा सके. जो लोग इस तरह के विचार रखते हैं, वे महिलाओं को एक वस्तु के रूप में देखते है. अपनी बेटियों के प्रति यह हमारा दायित्व है कि हम उनके भय से मुक्ति पाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करें. राष्ट्रपति ने कहा कि ''कोई भी सभ्य समाज बेटियों और बहनों के खिलाफ इस तरह के अत्याचार की इजाजत नहीं दे सकता. देश को इस पर गुस्सा जाहिर करना ही चाहिए और मैं भी इससे गुस्से में हूं. राष्ट्रपति ने महिला सुरक्षा बस बहुत हुआ शीर्षक से लिखे लेख में पहली बार कोलकाता की घटना पर अपने विचार रखे. इस मुद्दे पर बंगाल समेत देशभर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं.

महिलाओं के खिलाफ अपराधों में हालिया वृद्धि और इस बीमारी को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए हमें ईमानदारी से मंथ करना होगा. जब मैंने यह खबर सुनी तो मैं बुरी तरह स्तब्ध और व्यथित हो गई. हताश करने वाली बात यह है कि ये केवल एक एक मामला नहीं है. पिछले साल महिला दिवस पर मैंने एक लेख में महिला सशक्तीकरण के बारे में अपने विचार और उम्मीदें साझा की थीं. महिलाओं को सशक्त बनाने में हमारी उपलब्धियों से मैं आशावादी हूं. मैं खुद को महिला सशक्तीकरण की उस यात्रा का एक उदाहरण मानती हूं.

दिल्ली के निर्भया कांड के बाद क्या बदला

मुर्मू ने कहा, जब कोलकाता में छात्र, डॉक्टर और नागरिक विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, अपराधी खुलेआम घूम रहे थे. रक्षा बंधन पर स्कूली बच्चों के एक समूह के साथ अपनी हाल की मुलाकात को याद करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने मुझसे मासूमियत से पूछा कि क्या उन्हें आश्वासन दिया जा सकता है कि भविष्य में निर्भया जैसी घटना की पुनरावृत्ति नहीं होगी. साल 2012 की घटना के बाद आक्रोशित राष्ट्र ने कई योजनाएं बनाईं और रणनीतियां बनाईं और कुछ बदलाव किए। तब से 12 वर्षों में, इसी तरह की अनगिनत त्रासदियां हुई हैं, हालांकि उनमें से केवल कुछ ने ही देश का ध्यान आकर्षित किया है.

ब्रीफ खबरें

सिख विजडम अकादमी के सदस्यों की साकची में बैठक

जमशेदपुर । सीजीपीसी द्वारा संचालित सिख विजडम अकादमी ने अब रफ्तार पकड़ ली है. इसके विस्तार का खाका तैयार किया जा रहा है. इस सिलसिले में बुधवार को सिख विजडम अकादमी के कार्यकारणी सदस्यों ने साकची स्थित कार्यालय में बैठक कर इस पर गहन विचार विमर्श किया गया. सीजीपीसी के प्रधान सरदार भगवान सिंह ने कहा कि अकादमी में पंजीकरण के लिए सभी समुदाय के छात्र-छात्राओं का स्वागत है. सभी समुदाय के छात्र इस मुहिम से जुड़कर शिक्षा का लाभ ले सकते हैं. सिख विजडम अकादमी को एक नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए व्यापक कार्य योजना तैयार करने पर अपनी-अपनी राय साझा की.

भाजपा नेता उपेंद्र सरदार ने किया डुमरिया का दौरा

डुमरिया । पोटका विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता उपेंद्र नाथ सरदार (राजू) ने बुधवार को डुमरिया प्रखंड का दौरा किया. उन्होंने भाजपा कार्यालय में नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष किशोर गिरी का स्वागत अंगवस्त्र देकर किया. इसके बाद कुमड़ाशोल, पांडुसाई आदि गांव जाकर लोगों से मिले. विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की. कहा कि भाजपा सरकार आम लोगों की हितों की रक्षा करती है. सबका साथ और सबका विकास करना ही पार्टी का संकल्प है. मौके पर सांसद प्रतिनिधि बसंत मदिना, मंडल अध्यक्ष किशोर गिरी, दिलीप पंडा, मृत्युंजय दंडपाट, विकास पानी, सुशील बारिक, सुनील साव, अवनी साव आदि उपस्थित थे.

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक घायल

घाटशिला । मुसाबनी थाना क्षेत्र के बरूनिया स्कूल के समीप आमाईनगर मुख्य सड़क पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बुधवार को डुमरिया थाना क्षेत्र के छोटाबोतला गांव निवासी मुकेश सरदार गंभीर रूप से घायल हो गया. स्थानीय लोगों की मदद से मुसाबनी शिवलाल उच्च विद्यालय के कक्षा 11वीं के छात्र समीर पातर ने घायल युवक को शिक्षक की बाइक से उठाकर घाटशिला अनुमंडल अस्पताल पहुंचा. अनुमंडल अस्पताल की चिकित्सक डॉ. कुमुदिनी सरदार ने मुकेश सरदार का प्राथमिक उपचार कर गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया. डॉ. कुमुदिनी सरदार ने बताया कि घायल के सिर पर गंभीर चोट लगी है.

सत्यनारायण मारवाड़ी मंदिर में भागवत कथा

जमशेदपुर । बिष्टुपुर सत्यनारायण मारवाड़ी मंदिर में चल रहे भागवत कथा के छठे दिन बुधवार को कथा व्यास हिमांशु महाराज ने गोपियों के साथ प्रेम की लीला और प्रेम की परीक्षा का वर्णन करते हुए भगवान कृष्ण के साथ रूकमणी विवाह की महिमा का गुणगान किया. कहा कि प्रेम की ही परीक्षा होती हैं. महारास में भगवान श्रीकृष्ण ने बांसुरी बजाकर गोपियों का आह्वान किया और महारास लीला द्वारा ही जीवात्मा परमात्मा का ही मिलन हुआ. बुधवार को जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने बांके बिहारी के दरबार में हाजिरी लगायी और झारखंड के विकास की प्रार्थना की.

AFFIDAVIT

I Rai Bandra, aged about 47 years, W/o-Purna Chandra Maharana, resident of At-A-52/6, Meghahatuburu, PO-Meghahatuburu, PS- Kiriburu, Dist-West Singhbhum, Jharkhand, do hereby solemnly affirm and declare as follows:-
1. That I am the deponent of this affidavit and a resident of the above noted address.
2. That the actual and correct name of my daughter is **SHRADDHA SRITI MAHARANA, D/O- PURNA CHANDRA MAHARANA** for all purposes and the same is recorded in her Birth Certificate vide Regn. No. B-2024 : 20-04209-000111, dtd. 27.06.2024 issued by the Registrar, Births & Deaths, Gram Panchayat, Meghahatuburu (North).
3. Thal Unique Identification Authority, Govt. of India has issued an Aadhaar Card in favour of my daughter vide No. 8150 8143 9065 in which her name is inadvertently recorded as **SHRADDHA SRITI** instead of her actual name **SHRADDHA SRITI MAHARANA.**
4. That the names **"SHRADDHA SRITI MAHARANA"** and **"SHRADDHA SRITI"** belongs to one and same person i.e the name of my minor daughter.
5. That henceforth my daughter shall be known and called as **SHRADDHA SRITI MAHARANA, D/O-PURNA CHANDRA MAHARANA** for all purposes.
6. That I swear this affidavit to produce before the concerned authority to treat & correct my daughter's name as **SHRADDHA SRITI MAHARANA, D/O - PURNA CHANDRA MAHARANA** for all purposes.
7. That the fact stated above are all true to the best of my Knowledge and belief.

Sl. NO. - 3138 Identified by me
Dt. 27.08.2024 **Advocate**

सड़क निर्माण की मिली स्वीकृति, मंगोतियो कंस्ट्रक्शन को मिला वर्क ऑर्डर

18.41 करोड़ की लागत से बनेगी खासमहल चौक से गोविंदपुर फाटक तक सड़क

- 11 वर्षों बाद जर्जर सड़क से लोगों को मिलेगी मुक्ति

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के खासमहल चौक से परसुडीह, शंकरपुर, सरजामदा, बारीगोड़ा, राहरगोड़ा, गदड़ा होते हुए गोविंदपुर रेलवे फाटक तक जाने वाली सड़क का निर्माण मंगोतिया कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड कराएगा. विभाग ने इसके लिए कंपनी को वर्क ऑर्डर भी जारी कर दिया है. बुधवार को अपने साकची स्थित कार्यालय में मीडियाकर्मियों को विधायक मंगल कालिंदी ने यह जानकारी दी.

विधायक मंगल कालिंदी

राजनीतिक लाभ लेने की मंशा नहीं

विधायक मंगल कालिंदी ने एक सवाल के जवाब में बताया कि सड़क निर्माण का श्रेय लेने की उनकी मंशा नहीं है. जनता के हित को ध्यान में रखते हुए सड़क निर्माण के लिए वे प्रयासरत थे. लोकसभा चुनाव से पहले सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाता. लेकिन प्रशासनिक व तकनीकी स्वीकृति मिलने के बाद किसी संवेदक ने निविदा नहीं डाली. इस समस्या से मुख्यमंत्री को अवगत कराया. जिसके बाद पुनः निविदा होने पर मंगोतिया कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड ने निविदा डाली. विभाग ने मंजूरी प्रदान करते हुए कंपनी को वर्क ऑर्डर जारी किया. उन्होंने कहा कि सड़क का निर्माण होने से लोगों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हो जाएगी.

विधायक ने बताया कि सड़क निर्माण की स्वीकृति दिलाने के लिए वे काफी दिनों से प्रयासरत थे. इसकी प्रशासनिक स्वीकृति होने के बाद जो भी तकनीकी समस्या थी उन्हें भी दूर कर लिया गया है. जल्द ही सड़क का शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित कर निर्माण प्रारंभ कर दिया जाएगा. सड़क का निर्माण होने से हजारों लोगों को फायदा होगा. उन्होंने बताया कि 11 वर्ष पहले झामुमो की सरकार में उक्त सड़क बनी थी. उसके बाद दूसरे दलों (आजसू-भाजपा) की सरकार रही. लेकिन किसी ने सड़क निर्माण की सुध नहीं ली. विधायक बनने के बाद उन्होंने सड़क निर्माण के लिए निरंतर प्रयास जारी रखा. इसके लिए लगातार 2021 से कई बार मुख्यमंत्री से मिले, विधानसभा में लगातार मामले को उठाया. जिसके बाद सड़क की स्वीकृति मिली. स्वीकृति मिलने के बाद संवेदक की ओर से निविदा नहीं डाली गई. जिसके कारण निर्माण में विलंब हुआ. अंततः मंगोतिया कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड ने निविदा डाली. सारी शर्तें पूरी करने के बाद विभाग ने उक्त कंपनी को वर्क ऑर्डर जारी कर दिया. विधायक ने बताया कि 18 करोड़, 41 लाख, 57 हजार 741 रुपये की लागत से सड़क का निर्माण होगा.

करनडीह चौक डेढ़ घंटे रहा जाम, परेशान हुए राहगीर

फुटपाथ का अतिक्रमण व वाहनों की पार्किंग से लगता है जाम

विशेष सहयोगी । जमशेदपुर

टाटा-हाता रोड में स्थित करनडीह चौक जाम होना मानो नियति बन गई है. अमूमन प्रतिदिन दिन में एक बार चौक पर जाम लग जाता है. कभी-कभी दो-तीन घंटे तक चौक जाम रहता है. जिसके कारण राहगीरों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. बुधवार को सुबह 11 बजे से 12:30 बजे तक चौक जाम रहा. जिसके कारण चारों ओर से वाहनों की आवाजाही ठप हो गई. सड़क जाम रहने के कारण चौक के चारो ओर वाहनों का लंबा काफिला खड़ा हो गया. लोग चाहकर भी सड़क जाम से नहीं निकल पाए. अंततः परसुडीह थाना से पुलिसकर्मियों ने आकर जाम हटवाया. जाम का मुख्य कारण करनडीह चौक पर दुकानदारों के द्वारा फुटपाथ का अतिक्रमण कर सड़क के किनारे तक दुकान लगाना है. साथ ही खरीददारी करने वाले ग्राहक अपने वाहन सड़क पर खड़ी कर देते हैं. जिसके कारण सड़क संकरी हो जाती है. ज्ञात हो कि करनडीह होकर टाटा-हाता रोड में चाईबासा, नोवामुंडी, घाटशिला, मुसाबनी आदि जगहों के वाहन चलते हैं.

सड़क जाम होने के कारण खड़े वाहन.

ट्रैफिक पुलिस की स्थायी प्रतिनियुक्ति की मांग

अक्सर चौक जाम होने का कारण वाहन चालकों की मनमानी भी है. चौक पर चारों तरफ से वाहनों का आना-जाना होता है. इस दौरान किसी वाहन चालक की गलती की वजह से धीरे-धीरे वाहन रूकते जाते हैं. जो जाम का कारण बनते हैं. स्थानीय लोगों ने बताया कि लोगों में मानवता खत्म हो गई है. मनमाने ढंग से लोग वाहन चलाते हैं. पुलिस की मौजूदगी से लोगों में भय होगा. इसलिए यहां स्थायी ट्रैफिक पुलिस की प्रतिनियुक्ति होनी चाहिए. साथ ही बीच-बीच में वाहन जांच अभियान भी चलाया जाना चाहिए. जिससे मनमाने ढंग से वाहन चलाने वालों पर लगाम लग सके. विशेष ड्राइव होने पर ही पुलिस करनडीह चौक पर वाहनों की जांच करती है. पुलिस की जांच से बचने के लिए लोगों को क्रॉस रोड का सहारा लेना पड़ता है. क्रॉस रोड जाम होने से भी चौक पर जाम लगना लाजिमी है. वैसे आमतौर पर जगह के अभाव में पुलिस नियमित रूप से वाहन जांच अभियान नहीं चलाती है.

घाटशिला में मौसमी बीमारी ने बढ़ाई लोगों की परेशानी

संवाददाता । घाटशिला

प्रखंड क्षेत्र में इन दोनों मौसमी बीमारी से लोग परेशान हैं. सरकारी अस्पताल और निजी नर्सिंग होम में ज्यादातर सर्दी खांसी और बुखार के मरीज पहुंच रहे हैं. अस्पताल एवं नर्सिंग होम में बेड लगभग भरे हुए हैं. खासकर वायरल फीवर से ग्रसित रोजाना दर्जनों मरीज चिकित्सक के पास पहुंच रहे हैं. मौसमी बुखार में मरीजों को ठीक होने में सात दिन से ज्यादा लग रहे हैं. पहले तीन से चार दिनों में मरीज ठीक हो जाते थे, लेकिन अभी वायरल फीवर होने पर सात से आठ दिन तक मरीजों को परेशान कर रहा है. बुधवार को जब घाटशिला अनुमंडल अस्पताल का जायजा लिया तो पता चला कि अस्पताल के सभी बेड मरीजों से भरे हैं. इनमें आधे से अधिक मरीज सिर्फ बुखार से ग्रसित हैं. अनुमंडल अस्पताल घाटशिला के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी आरएन सोरेन से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि पहले अस्पताल में प्रत्येक दिन 80 से 90 मरीज आते थे लेकिन मौसमी बीमारी बढ़ने के कारण मरीजों की संख्या बढ़ गई है. वर्तमान में 130 से 140 मरीज अस्पताल पहुंच रहे है.

जिसमें अधिकतर सर्दी, खांसी एवं बुखार के मरीज होते हैं. उन्होंने बताया कि अधिकतर लोगों को बुखार बारिश के पानी से भीगने के कारण हो रहा है. पहले सर्दी और फिर तेज बुखार आ रहा है जो छह सात दिनों तक लोगों को परेशान कर रहा है. अस्पताल में रक्त जांच की व्यवस्था है. लोगों को जहां तक हो बारिश के पानी से भीगने से बचना चाहिए. उन्होंने कहा कि बारिश के दिनों में गर्म पानी का सेवन करे तो बेहतर होगा. संभव हो तो तो सूप भी समय-समय पर ले सकते हैं जो गले में इंफेक्शन होने से बचायेगा. उन्होंने कहा कि अस्पताल में मौसमी बीमारी से संबंधित लगभग सभी दवा मौजूद है और बेड भी उपलब्ध है.

भाजपा की सरकार बनने पर हर जगह विकास होगा : गीता मुर्मू

आमाईनगर गांव में ग्रामीणों के साथ बैठक करते गीता मुर्मू.

- वर्तमान सरकार ने पांच वर्षों से विकास का कोई काम नहीं किया : गीता

संवाददाता । घाटशिला

भाजपा जिला मंत्री गीता मुर्मू ने बुधवार को आमाईनगर गांव का दौरा कर ग्रामीणों के साथ बैठक की. ग्रामीणों से गांव की समस्या की जानकारी ली. उन्होंने ग्रामीणों से आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की. गीता मुर्मू ने कहा कि वर्तमान सरकार ने पांच वर्षों से विकास का कोई काम नहीं किया है. इस बार भाजपा को जिताने काम करें ताकि भाजपा की सरकार बनी तो हर गांव, मुहल्ला तथा शहर में विकास का काम होगा. इसी गांव में पिछले दिन कुन्ती धीवर के पति स्व. महिन्द्रा धीवर का स्वर्गवास हो गया था. जब गीता मुर्मू को इसका पता चला तो वह अपनी पूरी टीम के साथ उनके घर पहुंच कर शोकाकुल परिवार से मिली और उनका हालचाल जाना. उन्होंने परिवार को ढाढस देते हुए दुख में साथ रहने की बात कही. मौके पर घाटशिला मंडल अध्यक्ष कौशिक कुमार, बहड़ागोड़ा के मंडल अध्यक्ष राजकुमार कर, ग्राम प्रधान नारायण धिवर, गौतम धाल, जोगन किस्कु, उषा पातर, अमृता सहाय उपस्थित थे.

हर माह होगी इसरो कार्यसमिति की बैठक

बैठक में औद्योगिक क्षेत्र की खराब सड़कों पर जताई चिंता

- चोरी, डकैती रोकने के लिए एसपी के प्रयासों की सराहना की

संवाददाता । आदित्यपुर

इंडस्ट्रियल स्टैबिलिटी एंड रिफॉर्म ऑर्गनाइजेशन (इसरो) के कार्य समिति की दूसरी बैठक बुधवार को देर शाम आदित्यपुर में हुई. इसकी अध्यक्षता अध्यक्ष रूपेश कतरियार ने की. बैठक में संगठन के कार्यकलापों पर चर्चा की गई. साथ ही प्रतिमाह कार्यसमिति की बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया. अध्यक्ष रूपेश कतरियार ने बताया कि कार्यसमिति की बैठक में औद्योगिक विकास इंडस्ट्रियल एरिया में मूलभूत सुविधाओं को बहाल करने जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया है. उद्योगों से होल्डिंग टैक्स वसूले जाने के मुद्दे पर कहा कि इंडस्ट्रियल एरिया जियाडा के अधीन है या नगर निगम को इसकी स्थिति सरकार को स्पष्ट करनी होगी. बैठक में औद्योगिक क्षेत्र की सड़कों और नालियों के साथ स्ट्रीट लाइटों की बदतर स्थिति के लिए प्रयास करने का निर्णय लिया गया. रूपेश कतरियार ने बताया कि बैठक में सरकार के 75 फीसदी स्थानीय लोगों को रोजगार देने को बेहतर बनाने पर चर्चा की गई. बताया कि इसरो द्वारा जल्द ही झारखंड सरकार के इस नियोजन नीति से उद्योगों को जोड़ने के लिए कैंप आयोजित करेगी. इसरो कार्यसमिति की बैठक में उपस्थित सदस्यों ने एसपी के प्रहरी और बीट पुलिसिंग की सराहना की. बैठक के दौरान विगत दिनों आदित्यपुर इंडस्ट्रियल एरिया में चोरी, डकैती रोकने के लिए प्रतिनिधिमंडल द्वारा सरायकेला एसपी मुकेश लुणायत से मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस प्रहरी और बीट पुलिसिंग शुरू किए जाने पर पुलिस अधीक्षक के प्रति आभार जताते हुए प्रयासों की प्रशंसा की गई. कार्य समिति बैठक में महासचिव संदीप कुमार, कोषाध्यक्ष उत्तम चौधरी, तरुण कुमार, असीम कुमार, विनय कुमार सिंह, गौतम महापात्रा रवि कुमार प्रसाद, लोकेश शर्मा, इंद्रजीत सिंह सोखी, नरेश कुमार, अमृतपाल सिंह राही, अमलेश झा, उत्तम कुमार,पंकज झा, समीर सिंह, मनोज कुमार, विकास गर्ग, चंद्रभूषण सिंह, पंकज कुमार आदि उपस्थित थे.

आदित्यपुर में बैठक करते इसरो कार्यसमिति के सदस्य.

परेशानी केंद्र ने 135 करोड़ की दी है मंजूरी, वन विभाग की जमीन पर है 13 किमी सड़क

एनओसी के चक्कर में लटका फुलडुंगरी से झांटीझरना तक सड़क निर्माण

- सड़क चौड़ीकरण के लिए ठेकेदार को फिर से लेना होगा एनओसी

संवाददाता । घाटशिला

घाटशिला प्रखंड के सबसे महत्वपूर्ण फुलडुंगरी से झांटीझरना तक सड़क निर्माण कार्य एक बार फिर अधर में लटक गया है. सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने के बाद भी सड़क का काम शुरू नहीं हुआ है. पिछले 21 अगस्त को सांसद द्वारा इसको लेकर भूमि पूजन भी किया जाना था, लेकिन वन विभाग से सड़क की स्वीकृति नहीं लिए जाने के कारण निर्माण लटक गया है. जानकारी के अनुसार फुलडुंगरी से बंगाल सीमा के झांटीझरना तक सड़क का निर्माण सेन्ट्रल रोड फंड से किया जाना है. इसको लेकर केन्द्र सरकार द्वारा 135 करोड़ रुपये की स्वीकृति

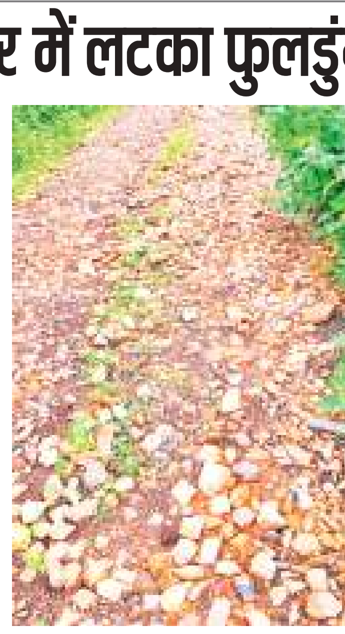
झांटीझरना जाने वाला जर्जर सड़क

भी दी की गयी है. इसमें लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से सड़क का निर्माण और 35 करोड़ रुपये जमीन अधिग्रहण के लिए दिया जायेगा. फुलडुंगरी से झांटीझरना बंगाल सीमा तक लगभग 25 किलोमीटर सड़क का निर्माण किया जाना है. इसमें 12 किलोमीटर सड़क सामान्य एवं 13 किलोमीटर सड़क फॉरेस्ट एरिया में पड़ता है. इस संबंध में वन विभाग के अधिकारी का कहना है कि अगर सड़क जो पहले से बना हुई है, उतनी ही जमीन पर निर्माण होगा तो एनओसी लेने की जरुरत नहीं है, लेकिन सड़क का चौड़ीकरण किया जायेगा तो वन विभाग की अतिरिक्त जमीन जायेगी. इसके लिए ठेकेदार को एनओसी लेना जरुरी है.

एनओसी के लिए गुजरनी होगी लंबी प्रक्रिया से ठेकेदार को कहा गया है कि सड़क के चौड़ीकरण को लेकर पहले वन विभाग से एनओसी प्राप्त करे, फिर निर्माण शुरू करे. अगर ठेकेदार द्वारा वन विभाग से एनओसी लिया जाता है तो इसमें फिर एक लंबी प्रक्रिया से गुजरनी होगी, ऐसे में सड़क का निर्माण फिर लंबे समय के लिए अटक सकता है.

हालांकि इसको लेकर रांची के ठेकेदार द्वारा एनओसी लेने के लिए वन विभाग को आवेदन देने की बात कही जा रही है, लेकिन कब एनओसी मिलेगा और कब सड़क बनेगी, यह कहना मुश्किल है. ऐसे में यह सवाल उठता है कि बिना एनओसी के ठेकेदार ने भूमि पूजन की सारी यैतारी कैसे कर ली.

हालांकि सांसद जिस दिन भूमि पूजन करने आये थे, एनओसी की बात नहीं कहा. भारत बंद की दुहाई देते हुए भूमि पूजन नहीं करने की बात कही थी. इस संबंध में पथ निर्माण विभाग के सहायक अभियंता को दूरभाष पर फोन लगाकर उनकी राय जानने का प्रयास किया गया, पर उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया.

न्यूज अपडेट

सुरों की महफिल से दी स्व. मुकेश को श्रद्धांजलि

आदित्यपुर । एक दिन बिक जाएगा माटी के मोल ...और फूल तुम्हें भेजा है खत में जैसे पुराने गीतों की प्रस्तुति के साथ सुरों की महफिल सजाकर पार्श्व गायक मुकेश को मंगलवार की देर शाम कला प्रेमियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की. यह आयोजन सांस्कृतिक संस्था परिमल ने की थी. श्रद्धाजंलि अर्पित करने वालों में अधिवक्ता ओम प्रकाश, नगर पर्षद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह अनिल वर्मा, कुमार सुबोध शरण, सुरेश धारी, दिवाकर झा, लक्ष्मण प्रसाद आदि शामिल थे. संगीतमय शाम में मुकेश के गीतों को आवाज देने वालों में स्थानीय कलाकारों में मुख्य रूप से नीलाम्बर चौधरी, गौतम गोराई, संजय स्वर्णकर, संजय गुप्ता, प्रमोद कुमार, नीतू शर्मा, संजीव, दुर्गावती मिश्रा, आरती वर्मा, खिरोद सरदार, रीति झा, रजत शरण आदि शामिल थे.

टुईलाडूंगरी में पंडाल निर्माण का हुआ भूमि पूजन

जमशेदपुर । श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमिटी टुईलाडूंगरी के बनने वाले भव्य दुर्गा पूजा पंडाल का भूमि पूजन बुधवार को संपन्न हुआ. पंडित निरंजन रथ और प्रदीप्त कुमार दास ने विधि विधान से भूमि पूजन किया. मौके पर पूजा कमिटी के मुख्य संरक्षक राजू गिरी, अध्यक्ष मिथिलेश सिंह यादव और महासचिव दिनेश कुमार ने संयुक्त रूप से पूजा अर्चना की. महासचिव दिनेश कुमार ने बताया की देश की आजादी के पहले से होने वाली यह पूजा शहर में पहले उड़िया पूजा के रूप में प्रसिद्ध थी. अब यह पंडाल शहर में अपनी भव्यता के लिए जाना जाता है. अलग अलग थीम और सामाजिक संदेश देता इस पंडाल और पूजा को देखने के लिए शहर और ग्राम के सभी कोने कोने से लोग आते है. यहां मेला भी लगता है.

पुलिया के पास गड्ढा दुर्घटना को कर रहा आमंत्रित

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के खंडामौदा से बानियाकुदर जाने वाले सड़क में पुलिया के पास बने गड्ढे से हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है. यह सड़क बहरागोड़ा माटिहाना मुख्य सड़क तथा एन एच 49 को जोड़ती है. इससे होकर कई गांवों के ग्रामीण आवागमन किया करते हैं. इसी सड़क के पुलिया के सामने बने गड्ढे के कारण कई स्कूली बच्चे तथा राहगीर गिरकर घायल हो चुके हैं. ग्रामीणों का कहना है कि रात के अंधेरे में भी भी बड़ी दुर्घटना घट सकती है. इसके लिए ग्रामीणों ने कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधि से लेकर संबंधित विभाग के अधिकारी को अवगत कराया है फिर भी इस दिशा में पहल नहीं होने पर ग्रामीण नाराज हैं.

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी का रक्तदान शिविर

बहरागोड़ा । जयप्रकाश नारायण सामुदायिक भवन परिसर में बुधवार को इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी तथा महिला कल्याण समिति बहरागोड़ा के तत्वावधान में एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. इस अवसर पर बहरागोड़ा के पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया. कुणाल षाड़ंगी ने रक्तदान करने वाले युवाओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि रक्तदान महादान और जीवनदान है. समाचार लिखे जाने तक 156 व्यक्ति रक्तदान कर चुके थेआयोजन को सफल बनाने के लिए इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी और महिला कल्याण समिति बहरागोड़ा के सदस्यों में से डॉ बिनी षाड़ंगी, रंजीत बाला, दिलीपानन्द गोस्वामी, तपन ओझा, सुदीप पटनायक, उषा गोस्वामी, श्रद्धा षाड़ंगी, हुकुम महतो आदि उपस्थित थे.

डीएवी के विद्यार्थियों ने मनाया अंतरिक्ष दिवस

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा टीपीएस डीएवी के विद्यार्थियों ने बुधवार को अंतरिक्ष दिवस मनाया. इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने चित्रों के माध्यम से अंतरिक्ष एवं अंतरिक्ष विज्ञान को दर्शाया. साथ ही मॉडल बना कर अंतरिक्ष संबंधित ज्ञान से सभी को अवगत कराया. चित्रांकन प्रतियोगिता में शुचि चक्रवर्ती, साहिल कुमार, प्रीति महापात्र, तापश कुईला, लक्ष महन्ती, हिमाद्रि महापात्र और मॉडल में देबस्मिता, नम्रता, कौस्तव, मिस्बाउल हक आदि छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया. प्राचार्य अनूप कुमार ने विद्यार्थियों को विस्तार पूर्वक अंतरिक्ष विज्ञान के महत्व एवं इस क्षेत्र की उपलब्धि के बारे में बताया. बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों एवं मॉडलो की उन्होंने तारीफ करते हुए उन्हें इस क्षेत्र में अपने भविष्य निर्माण के लिये प्रेरित किया.

अनियंत्रित ट्रेलर डिवाइडर तोड़ दूसरे लेन में घुसा

घाटशिला । घाटशिला थाना क्षेत्र के फूलपाल गांव के समीप एनएच 18 फोरलेन पर बुधवार को अनियंत्रित ट्रेलर डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरे लेन में चला गया. इससे एक लेन जाम हो गया. इस दुर्घटना में ट्रेलर का चालक बाल-बाल बच गया. सूचना मिलने पर घाटशिला पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली. इस दुर्घटना के बाद सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई. इसके बाद पुलिस ने एक लेन से वाहनों का आवागमन शुरू करा दिया. बाद में पुलिस ने क्रेन की मदद से ट्रेलर को फोरलेन से हटवा दिया. इसके कारण फुलडुंगरी चौक से कपागोड़ा गांव तक लगभग 3 घंटे एक लेन बंद रहा.

खरस्वाती नदी में डायवर्सन रोड बनाना शुरू

घाटशिला । दामपाड़ा क्षेत्र में खरस्वाती नदी पर हो रहे पुलिया निर्माण का डायवर्सन पिछले दिनों बह गया था. छोटा जमुना और भदुआ के ग्रामीणों ने डायवर्सन रोड के लिए विधायक रामदास सोरेन से गुहार लगाई थी. डायवर्सन रोड बुधवार से बनाने का काम शुरू हो गया है. उस रोड से प्रभावित ग्रामीणों ने विधायक के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि कई गांव के लोग घाटशिला मुख्यालय से कट गए थे. विधायक की पहल पर कार्य शुरू हो गया है, इससे अब ग्रामीणों को मुख्यालय तक जाने में आसानी होगी. बता दें कि पिछले दिन विधायक पुलिया निर्माण की प्रगति को देखने गए थे. इस दौरान ग्रामीणों ने शिकायत की तो विधायक ने मोबाइल पर संवेदक को दो दिनों के अंदर डायवर्सन रोड बनाने का निर्देश दिया था. मौके पर बलराम मांडी, माधव दास , मेघराय टुडू, विजय टुडू, बाघराय टुडू, दिकु टुडू आदि ग्रामीण मौजूद थे.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर, गुरुवार 29 अगस्त 2024 भाद्रपद कृष्ण पक्ष 11 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 141 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

भुईयांडीह के 150 घरों को तोड़ने के नोटिस के मामले में डा. अजय कुमार के आरोपों पर सरयू राय का पलटवार

अर्जुन मुंडा की एनजीटी को लिखी चिट्ठी की सार्वजनिक, बहस की दी चुनौती

- कहा- वोट के लिए कितना नीचे गिरिएगा अजय कुमार जी !
- पूछा- अजय कुमार बताएं अर्जुन मुंडा के पत्र में क्या नाजायज है

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस के स्वनामधन्य नेता और जमशेदपुर पूर्वी क्षेत्र से विधानसभा के स्वघोषित कांग्रेसी उम्मीदवार डा. अजय कुमार ने दो दिन पहले मीडिया में बयान देकर उनसे मांग की थी कि हिम्मत है तो वह पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा का वह पत्र सार्वजनिक करें, जिसे उन्होंने एनजीटी को लिखा है. कायदे से तो यह पत्र अजय कुमार को सार्वजनिक करना चाहिए था, क्योंकि इसी पत्र को आधार बनाकर उन्होंने अनर्गल आरोप लगाए थे. जिसमें डा. अजय ने कहा था कि अर्जुन मुंडा ने भुईयांडीह की इन्द्रानगर- कल्याण नगर बस्तियों के 150 मकानों को तोड़ने के लिए एनजीटी को पत्र लिखा है. श्री राय ने कहा कि डा. अजय मुझसे बहस करना चाहते हैं, पहले वह भाजमो के जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव से बहस कर लें. वहां जीत जाएंगे तो मेरे पास आ जाइएगा. रेफरी आपका. स्थान आपका. समय भी आपका. फिर करिएगा मुझसे बहस.

सरयू राय ने फेसबुक लाइव के दौरान अर्जुन मुंडा द्वारा एनजीटी को लिखा गया पत्र सार्वजनिक किया. साथ ही अजय कुमार की योग्यता का हवाला देते हुए चुनौती दी की पत्र में भुइयांडीह के इंद्रानगर व कल्याणनगर का जिक्र खोजकर बता दें. साथ ही यह भी कहा कि डॉ. अजय कुमार यह भी बताएं कि अर्जुन मुंडा के पत्र में क्या नाजायज है. उन्होंने कहा कि डॉ. अजय कुमार ने जानबूझकर अर्जुन मुंडा का पत्र देखे बिना एनजीटी के एक आदेश में इसका उल्लेख होने के आधार पर बात का बतंगड़ बना दिया और मुंडा की नीयत पर संदेह खड़ा कर दिया. श्री राय ने कहा कि उन्हें (सरयू राय) नाहक इस कारण इसमें लपेट लिया कि अर्जुन मुंडा उनके मित्र हैं. अब डाा. अजय बताएं कि उनके साथ मेरे व्यक्तिगत संबंध कितने घनिष्ठ रहे हैं. सबसे पहले वे मुझसे मिले थे तो कब, कहां, किस-किसके साथ और किसलिए मिले थे. उन्होंने तो मेरा पुतला तक फूंकवा दिया. संबंध का लिहाज भी नहीं किया. श्री राय ने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि वे उन पर मुंडा के मित्र होने के कारण उन्हें बचाने का आरोप लगा रहे हैं. पापी वोट का सवाल जो है. वोट के लिए कितना नीचे गिरिएगा अजय कुमार जी ! श्री राय ने कहा कि एनजीटी की कोलकाता बेंच के 23 अगस्त 2024 के आदेश में श्री अर्जुन मुंडा के पत्र का उल्लेख है. उसके पहले एनजीटी की दिल्ली बेंच के आदेश में उल्लेख है कि 23 अगस्त 2003 के इस पत्र में लिखा क्या है. इसके बावजूद डा. अजय भ्रम फैला रहे हैं कि मुंडा जी के पत्र में बस्तियों के घरों को तोड़ने के लिए कहा गया है. पत्र की प्रति सार्वजनिक होने के बाद डा. अजय अब भी सच्चाई स्वीकारेंगे या थेथरई करते रहेंगे.

नोटिस देने के लिए आखिर कौन है जिम्मेदार

सरयू राय ने कहा कि सवाल है कि आखिर इन्द्रानगर- कल्याण नगर के घरों को तोड़ने की नोटिस देने के लिए कौन जिम्मेदार है. एनजीटी की कोलकाता बेंच ने अपने 30 जनवरी 2024 के आदेश में एक संयुक्त जांच समिति बनाने का निर्देश दिया है. इस समिति ने 13 मार्च 2024 को प्रतिवेदन दिया, जिसे उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम ने इस जांच समिति की रिपोर्ट शपथ पत्र के साथ एनजीटी के सामने पेश किया. उसमें साफ-साफ लिखा है कि दोमुहानी से कपाली तक स्वर्णरेखा नदी के किनारे बने मकानों का सर्वे हुआ है. तब इन्द्रा नगर- कल्याण नगर के मकानों को नोटिस किसके आदेश से जारी हुई. डा. अजय को यह स्पष्ट करना चाहिए. उनकी पार्टी की सरकार में बैठा कौन यह सब करा रहा है. अर्जुन मुंडा के पत्र में तो बहुमंजिला इमारतों का जिक्र है, फिर बस्तियों को किसने और किसके आदेश से जोड़ा. श्री राय ने कहा कि एक और जांच समिति झारखंड सरकार ने जल संसाधन सचिव की अध्यक्षता में बनाई है. इसने दोमुहानी से बालीगुमा नाला तक सर्वे किया है जो जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा के मानगो क्षेत्र में है. इसमें कितने लोगों को नोटिस मिली. मंत्री बन्ना गुप्ता अपने क्षेत्र के सर्वे पर क्यों चुप हैं. सरकारी तंत्र ने बढ़-चढ़ कर पक्षपात पूर्ण तरीके से बस्तियों के मकानों को तोड़ने के लिए चिन्हित किया है. उन्होंने पूछा कि क्या डा. अजय कुमार इसकी जिम्मेदारी लेंगे. क्या यह मामला उन्होंने सरकार के उपायुक्त, मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के पास उठाया. क्या उन्होंने प्रयास किया कि मुख्य सचिव द्वारा एनजीटी के समक्ष दिये जाने वाले शपथ पत्र में से बस्तियों के घरों को तोड़ने के बारे में यही स्थिति रखी जाए कि इन घरों को तोड़ना जरूरी नहीं है.

पूछा- डा. अजय और बन्ना गुप्ता में क्या सांठगांठ है

श्री राय ने कहा कि अजय कुमार को बस्तियों के घरों को टूटने से बचाने के लिए अपनी सरकार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए. गलती सरकार ने की है. इसके लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराना चाहिए. उन्होंने डॉ. अजय कुमार से ढकोसला बंद करने व पीछा छोड़ने के लिए कहा. श्री राय ने कहा कि डा. अजय को ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहिए जिससे राजनीति शर्मसार हो. यह ठीक है कि आपके मुंह से चुनाव लड़ने के लिए लार टपक रहा है. आप लड़िए. आपका जो हश्र होगा, वह जनता बताएगी. श्री राय ने जानना चाहा कि आखिर डा. अजय और बन्ना गुप्ता में क्या सांठगांठ है. बन्ना गुप्ता चुप क्यों हैं. लगता है, यह वोट के लिए किया जा रहा है.

शोरूम पर फायरिंग व कारोबारियों से रंगदारी मांगने का मामला

सरगना समेत चार गिरफ्तार

17 अगस्त को बिष्टुपुर स्थित मारूति शोरूम पर चलाई थी गोलियां

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

बिष्टुपुर स्थित मारूति शोरूम के बाहर फायरिंग करने और शहर के कारोबारियों से रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने मुख्य सरगना समेत चार लोगों को बुधवार को गिरफ्तार किया गिरफ्तार आरोपियों में सिदगोड़ा सिंधु रोड निवासी सरगना प्रभास सिंह उर्फ नुनु सिंह, बिहार के बांका जिला निवासी अभिषेक सिंह उर्फ पंडित, शुभम सिंह और देवघर निवासी अमन सिंह उर्फ गोलू शामिल है. आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने फायरिंग की घटना में प्रयुक्त कार समेत अन्य सामान बरामद किया है. इसके पूर्व पुलिस ने इसी मामले में शामिल दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था.

मीडिया के समक्ष आरोपियों को पेश कर घटना की जानकारी देते एसएसपी व सिटी एसपी.

एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि प्रभास सिंह ने अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर मारूति शोरूम के बाहर फायरिंग करवाई थी. इसके बाद शहर के कारोबारियों से फोन पर रंगदारी मांग रहा था. इसको लेकर कई थानों में मामले भी दर्ज किए गए. पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया.

ज्ञातव्य हो कि 17 अगस्त को अपराधियों ने शोरूम पर फायरिंग किया था. उस घटना के बाद पुलिस सकते में आ गई. सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर फायरिंग करते हुए अपराधी दिखे. जिसके बाद एसएसपी ने एसआईटी का गठन किया. अपराधियों के हुलिया के आधार पर छापेमारी शुरु हुई. इस दौरान पुलिस ने 24 अगस्त को दो अपराधकर्मियों को 1 देशी कट्टा, 5 पीस जिंदा कारतूस, एक 7.55 एमएम की पिस्टल तथा उसकी एक पीस गोली के साथ किया. गिरफ्तार दोनों ने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकारी तथा प्रभास सिंह का नाम मुख्य सरगना के तौर पर बताया. दोनों ने पुलिस को बताया कि फायरिंग करने के बाद वे लोग रंगदारी के लिए फोन करते हैं तथा रंगदारी वसूलते हैं. दोनों की निशानदेही पर पुलिस ने बीती रात छापेमारी करके बिहार के बांका जिले से का रहने वाला अभिषेक सिंह उर्फ पंडित, प्रभास सिह उर्फ नुनू , शुभम सिंह और देवघर निवासी अमन सिंह उर्फ गोलू को गिरफ्तार किया. एसएसपी ने बताया कि इन लोगों का मुख्य काम रंगदारी वसूलना है. इससे जुड़े कई मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं. प्रेस वार्ता में सिटी एसपी ऋषभ गर्ग व अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे.

चंपाई सोरेन के घर व कार्यालय का रंग हो गया हरा से भगवा

संवाददाता | आदित्यपुर

जिलिंगोड़ा स्थित मंत्री चंपाई सोरेन का घर और महुलाडीह स्थित कार्यालय का रंग भगवा किया जा रहा है. बता दें कि अभी उनका मंत्री पद से इस्तीफा और भाजपा में शामिल होना बाकी है. लेकिन अभी से उन्होंने अपने पैतृक आवास को भगवा रंग में रंगवाना शुरू कर दिया है. बता दें कि पांच बार झामुमो से और एक बार निर्दलीय विधायक रहने के बाद अपने घर से करीब 40 साल बाद झारखंड की पहचान हरा रंग को उतार कर भगवा में रंगवा रहे हैं. दिल टूटते ही पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन झामुमो से जुड़ी यादों और निशानियों को एक-एक कर मिटाते जा रहे हैं.

40 साल तक झामुमो का झंडा ढोने वाले चंपई सोरेन अभी चंद दिनों पहले तक हरे रंग में सराबोर थे. घर में झंडे हरे. जीवन के 40 वर्ष तक हरे रंग की हरियाली में डूबे चंपई सोरेन को मानो अब हरे रंग से ही नफरत हो गई है. अब जबकि 30 अगस्त को चंपई सोरेन का भाजपा में जाना तय हो गया है तो उनके जिलिंगोड़ा आवास की दीवारों पर लगे हरे रंग को मिटाकर उसके ऊपर भगवा रंग चढ़ाया जा रहा है.

अब घर पर तीर धनुष नहीं कमल फूल के झंडे

चंपाई सोरेन के आवास के एक कर्मचारी ने बताया कि दादा का फोन आया था. उन्होंने घर से हरा रंग को हटाकर उसे भगवा रंग में रंगने का निर्देश दिया है. जिस घर में 40 साल तक झामुमो का हरा झंडा लहराता था उसे तो एक हफ्ते पहले ही उतार दिया गया था. चंपई के पहुंचने से पहले घर में भाजपा का कमल फूल वाला झंडा लहराने लगेगा. उनके आवास पर गृह मंत्री अमित शाह के आगमन का भी प्रोग्राम बन रहा है. ऐसे में पूरे क्षेत्र को वे भगवा रंग और कलम फूल वाले झंडे से पाटना चाहते हैं. हेमंत सोरेन जब उन्हें मुख्यमंत्री बनाकर जेल चले गये तब भी चंपाई ने वफादारी साबित की. सरकार के कार्यक्रमों में बोलते थे कि हेमंत सोरेन को भाजपा ने साजिश के तहत जेल में डाल दिया है. मुख्यमंत्री बनने के बाद भी वे सीएम हाउस में नहीं रहे, बल्कि डीसी आवास के सामने स्थित अपने सरकारी आवास में रहे. हेमंत सोरेन के जेल से बाहर आने के बाद जिस तरह से उन्हें विधायक दल की बैठक का एजेंडा नहीं बताया गया और सीधा इस्तीफा मांग लिया गया. इससे चंपाई ने खुद को अपमानित महसूस किया. चंपई इसका जिक्र भी अपने एक्स पोस्ट में कर चुके हैं. यही वजह है कि अब चंपाई झामुमो से जुड़ी हर पहचान को मिटाना चाहते हैं.

इंजीनियरिंग की छात्रा ने कीटनाशक खाकर दी जान

मोबाइल इस्तेमाल करने पर मां ने लगाई थी फटकार

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

एमजीएम थाना अंतर्गत भिलाई पहाड़ी से सटे तुरियाबेड़ा की रहने वाली युवती की बुधवार को कीटनाशक खाने से मौत हो गई. घटना 13 अगस्त को हुई थी. अत्यधिक मोबाइल फोन चलाने के कारण युवती की मां ने उसे फटकार लगायी थी. जिससे नाराज होकर उसने कीटनाशक खा लिया. घटना के बाद युवती को टीएमएच में दाखिल कराया गया. जहां से ठीक होकर वह 16 अगस्त को घर चली गई. इसी बीच फिर 27 अगस्त को उसकी तबीयत बिगड़ी. जिसके बाद परिजन उसे एमजीएम अस्पताल लेकर आए. यहां इलाज के दौरान बुधवार को उसकी मौत हो गई. इसकी जानकारी पुलिस को होने के बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. बताया जाता है कि युवती शहर के एक इंजीनियरिंग कॉलेज से बी-टेक की पढ़ाई कर रही थी.

गड्ढे के कारण सड़क पर घंटों फंसा ट्रेलर

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

आदित्यपुर की जानलेवा सड़क दिन प्रतिदिन खतरनाक होती जा रही है. बुधवार को चावल मोड़ के आगे पम्मी धर्मकांटा के पास एक ट्रेलर सड़क में गड्ढे के कारण अनियंत्रित होकर गड्ढे में फंस गया. जिसके चलते उस मार्ग से घंटों बड़ी गाड़ियों का आवागमन प्रभावित रहा. बड़ी मशक्कत के बाद ट्रेलर को गड्ढे से बाहर निकाला गया. बताते चलें कि औद्योगिक क्षेत्र आदित्यपुर में गड्ढे में सड़क है या सड़क में गड्ढा ! यह पता लगाना मुश्किल है. पूरे आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र की नारकीय स्थिति जियाडा एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के कार्यशैली पर सवाल खड़ा करती है. उद्यमी अभिजीत दत्त ने कहा कि पूरे औद्योगिक क्षेत्र की स्थिति से विभाग, विधायक, सांसद एवं सरकार के मुलाजिम वाकिफ हैं. लेकिन किसी ने आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र की सूरत बदलने के लिए आज तक कुछ भी नहीं किया. जब चंपाई सोरेन सीएम बने थे तब बड़ी आस जगी थी कि स्थानीय विधायक सीएम बना हैं, अब यहां का भला होगा. लेकिन अफसोस परिस्थितियों ने उम्मीदों पर पानी फेर दिया.

बिरसानगर में घर के पास कुएं से मिली अधेड़ की लाश

दो दिन पहले घर से हो गया था लापता

वरीय संवाददाता | जमशेदपुर

बिरसानगर थानान्तर्गत जोन नंबर 6 के रहने वाले अवतार सिंह नामक व्यक्ति की लाश बुधवार को घर से कुछ दूरी पर स्थित कुएं से मिली. अवतार सिंह दो दिन पहले अपने घर से लापता हो गया था. इसकी जानकारी परिजनों ने थाना में दी थी. साथ ही उसकी खोजबीन कर रहे थे. अवतार सिंह के बेटे जगदीश सिंह ने बताया कि उसकी दिमागी हालत ठीक नहीं थी. अक्सर कहीं ने कहीं चला जाता था. लेकिन लापता नहीं हुआ. सोमवार को घर से जाने के बाद वह नहीं लौटा. जिसके बाद उसकी खोजबीन शुरु की गई. खोजबीन के दौरान घर के पास बने कुएं में ही शव पानी के उपर आ गया. स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद बिरसानगर पुलिस मौके पर और शव को कुएं से बाहर निकाला. परिजनों ने बताया कि वह लेथ मशीन में काम करता था.

राजनीति | गोइलकेरा हाट बाजार परिसर में आजसू पार्टी का मनोहरपुर विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मेलन

हेमंत सोरेन सरकार ने लोगों को झूठ बोलकर सिर्फ ठगा : सुदेश महतो

विशेष सहयोगी | गोइलकेरा

आजसू पार्टी ने बुधवार को गोइलकेरा हाट बाजार परिसर में मनोहरपुर विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मेलन सह शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया. इस मौके पर मुख्य अतिथि आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा कि यह धरती शहीद देवेंद्र माझी की धरती है.शहीद देवेंद्र माझी ने झारखंड को लेकर जो सपना देखा था, वह अब तक पूरा नहीं हो पाया है. उनके परिवार के सदस्य देवेंद्र मांझी की विचारधारा से हटकर काम कर रहे हैं. इस क्षेत्र का जिस तरीके से विकास होना चाहिए था, वह अब तक नहीं हो पाया है. हेमंत सोरेन ने चुनाव से पूर्व घोषणा की थी कि वे बेरोजगार युवाओं को रोजगार देंगे, लेकिन उन्होंने युवाओं को ठगा है. युवा बेरोजगार भटक रहे हैं. हेमंत सोरेन ने कहा था कि बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. बड़ी संख्या में क्षेत्र से लोगों का पलायन हो रहा है. झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार ने पिछले पांच साल में विकास कार्य सिर्फ होर्डिंग और बैनरों तक ही सीमित रखा है. धरातल पर कोई भी विकास कार्य नजर नहीं आता है. राज्य में लूट खसोट मची हुई है. लोगों को झूठ बोलकर बरगलाया जाता है कि केंद्र की सरकार संविधान को खत्म कर देगी, संविधान खत्म हुआ है.झूठ बोलने वाली यह राज्य की सरकार ज्यादा दिन नहीं टिकेगी. आगामी विधानसभा चुनाव में लोगों को धोखा देने वाली इस सरकार को जनता ही सबक सिखाएगी. पिता- पुत्र व परिवारवाद वाली इस सरकार को सत्ता से हटाना बेहद जरूरी है. आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सभी मजबूत हो जाएं. मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र से आजसू पार्टी पूरे मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी. उन्होंने कहा की क्षेत्र के नेता बिरसा मुंडा जैसे कर्मठ एवं जुझारू नेता इस क्षेत्र से और भी निकले.पार्टी का हर एक कार्यकर्ता विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाए. इस मौके पर पूर्व विधायक रामचंद्र सहिस ने भी संबोधित करते हुए राज्य सरकार पर निशाना साधा.मौके पर आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव बिरसा मुंडा ने कहा की पिछले 24 वर्षों में कोई भी विकास कार्य नहीं हुआ है. क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य,शिक्षा का अभाव है.राज्य की हेमंत सोरेन सरकार सिर्फ लोगों को ठगना जानती है.मौके पर पार्टी के जिला उपाध्यक्ष दिलबर खाखा ने कहा की जनता साथ दे, मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र से आजसू पार्टी अवश्य रूप से चुनाव लड़कर जीत दर्ज करेगी.इस मौके पर पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता देवशरण भगत,केंद्रीय सचिव सिद्धार्थ शंकर महतो,युवा आजसू के कोल्हान प्रभारी अमित महतो,मनोहरपुर के प्रखंड अध्यक्ष अनादि महतो,गोइलकेरा के प्रखंड अध्यक्ष प्रीतम कुमार साहू,संतोष महतो,रामचंद्र प्रसाद गुप्ता,मुकेश साहू, वासुदेव लकड़ा, कुंदन कुमार गोप समेत पार्टी के अन्य नेता,कार्यकर्ता व बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे.

ब्रीफ खबर

युवा अधिवक्ता प्रवीण दुबे की जयपुर में हुई मौत

जमशेदपुर | जमशेदपुर बार एसोसिएशन के युवा अधिवक्ता प्रवीण कुमार दुबे की बुधवार को जयपुर में रहस्यमय हालात में मौत हो गई. बताया जा रहा है कि वह जिस होटल में ठहरे थे वहां बालकनी से नीचे गिर गए. इसकी जानकारी बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं को मिलने के बाद सभी शोक में डूब गए. इस बीच, वरीय अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्पु ने इस मामले में जांच कराने की मांग की है.

अर्जुन मुंडा का सच सामने आया : राजा सिंह राजपूत

जमशेदपुर | पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस के सचिव राजा सिंह राजपूत ने बुधवार को सरयू राय के फेसबुक लाइव पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. अजय कुमार की वजह से अर्जुन मुंडा का सच सामने आ गया है, जो सरयू राय जमशेदपुर की जनता से छिपा रहे थे. डॉ. अजय की मामले में गंभीरता के कारण सरयू राय को अर्जुन मुंडा के शिकायत पत्र का खुलासा करने के लिए मजबूर होना पड़ा.

नट्टू झा ने जमशेदपुर पूर्वी व पश्चिम से की दावेदारी

जमशेदपुर | झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जमशेदपुर कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष सह कांग्रेस के वरीय नेता रवींद्र झा उर्फ नट्टू झा ने जमशेदपुर पूर्वी एवं पश्चिम विधानसभा सीट के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की. रविंद्र झा ने उम्मीदवारी को लेकर पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष धर्मेंद्र सोनकर को बतौर उम्मीदवारी अपना बायोडाटा सौंपा.

गोविंदपुर में पार्षद परितोष ने चलाया स्वच्छता अभियान

जमशेदपुर | जिला परिषद सदस्य डॉ.परितोष सिंह ने बुधवार को छोटा गोविंदपुर के विभिन्न स्थानों में जमा कचरे के अंबार को साफ कराया. कचरा जमा होने से बरसात में होने वाली बीमारियो का खतरा बढ़ गया था. स्थानीय लोगों के अनुरोध पर सामुदायिक विकास मैदान,हाट बाजार, मेन रोड सहित अन्य स्थानों से जेसीबी, ट्रैक्टर, हाइवा व मजदूरों की मदद से कचरा हटवाया.

इस्पात एक्सप्रेस में 6.3 किलो गांजा बरामद

चक्रधरपुर | कन्ताबंजी-हावड़ा इस्पात एक्सप्रेस से बुधवार को मनोहरपुर आरपीएफ व जीआरपी ने 6.3 किलो गांजा बरामद किया है. बताया जाता है की मनोहरपुर आरपीएफ पुलिस को सूचना मिली कि इस्पात एक्सप्रेस ट्रेन के बोगी नंबर डी4 सीट नंबर 103 में लावारिस स्थिति में एक बैग रखा हुआ है. ट्रेन जब मनोहरपुर रेलवे स्टेशन में रुकी तो आरपीएफ व जीआरपी पुलिस ने उक्त बैग को ट्रेन से बरामद किया.

शौचालय की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

जमशेदपुर | जुगसलाई विधानसभा अंतर्गत परसुडीह चांदनी चौक कालिंदी बस्ती में शौचालय की मांग को लेकर बुधवार को स्थानीय महिलाओं ने जमशेदपुर प्रखंड मुख्यालय पर प्रदर्शन किया. प्रदर्शन का नेतृत्व भाजपा नेता बिमल बैठा कर रहे थे. उन्होंने बताया कि सरकार महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना के नाम पर फॉर्म भरवा रही है. लेकिन वर्षों से उन्हें मुलभूत सुविधा से वंचित रखा है.

समाजसेवी लखींद्र सरदार के निधन पर शोक जताया

जमशेदपुर | बागबेड़ा थाना अंतर्गत घाघीडीह निवासी समाजसेवी महीन सरदार के पिता लखिन्दर सरदार (70) का 17 अगस्त को निधन हो गया. उनके निधन के बाद स्थानीय पंचायत जन प्रतिनिधियों ने शोक व्यक्त किया. बुधवार को उनके श्राद्धभोज में कई जन प्रतिनिधि जुटे तथा शोक व्यक्त किया. पूर्व पंसस राजू बेसरा ने बताया कि पिता के रास्ते पर महीन सरदार भी समाजसेवी में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं.

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग झारखंड के तत्वावधान में प्रमंडल स्तरीय सहकारी महासम्मेलन को राज्य सरकार की मंत्री ने किया संबोधित

किसी भी राज्य को फर्श से अर्श तक पहुंचा सकती है सहकारिता : दीपिका पांडेय

संवाददाता। हजारीबाग

सहकारिता वह क्रांति ला सकती है जिससे कोई राज्य अंतिम पायदान से उठकर सबसे ऊपर के पायदान पर पहुंच सकता है. राज्य सरकार अब किसानों को 50 हजार रुपये की जगह 2 लाख तक रुपये का ऋण माफ करेगी. सरकार आपके हर वह सपने को पूरा करने की प्रयास कर रही है, जो आपने देखे हैं. उक्त बातें कृषि, सहकारिता एवं पशुपालन विभाग झारखंड सरकार के मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कही. वे प्रमंडल स्तरीय एकदिवसीय सहकारी महासम्मेलन को संबोधित कर रही थीं. कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग झारखंड के तत्वावधान में बुधवार को पैराडाइज रिसोर्ट में प्रमंडल स्तरीय एकदिवसीय सहकारी महासम्मेलन का आयोजन किया गया. इसकी शुरुआत मुख्य अतिथि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, उपायुक्त नैंसी सहाय, बरही विधायक उमाशंकर अकेला, बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद, सहकारी सहयोग समिति के निबंधक सूरज कुमार व अन्य लोगों ने संयुक्त रूप से की. इसके बाद मंच पर उपस्थित गणमान्य लोगों ने एक पुस्तक का लोकार्पण किया. कार्यक्रम में मंत्री ने कई कृषक मित्रों और सहकारी समिति के सदस्यों से संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना और उस पर पहल करने की बात कही. कार्यक्रम के अंत में मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने विभाग द्वारा लगाए गए सभी स्टालों का अवलोकन किया. सहकारिता पदाधिकारी को उत्कृष्ट कार्य के सराहा गया एवं प्रशस्ति पत्र भी दिया गया. महासम्मेलन में रामगढ़ की पूर्व विधायक ममता देवी, झारखंड राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष विभा सिंह, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के संयुक्त निबंधक देवेंद्र सिंह, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के संयुक्त निबंधक जयप्रकाश शर्मा, उत्तरी छोटा नागपुर प्रमंडल के उप निबंधक रामकुमार प्रसाद, जिला सहकारिता पदाधिकारी इत्यादि उपस्थित रहे.

लाभकारी योजनाओं से लाभान्वित हों

महासम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि हम लोगों के पास कृषि, कोऑपरेटिव, मत्स्य, हॉर्टिकल्चर से जुड़ी कई कल्याणकारी योजनाएं हैं. डेयरी जैसी लाभकारी योजनाओं से लाभान्वित होकर आप अपनी जरूरत को पूरा करने के साथ-साथ लोगों की जो आम ज़रूरतें हैं उन्हें उनके घर तक पहुंचाने का माध्यम भी बन सकते हैं. खास करके कोऑपरेटिव के माध्यम से हमारा विभाग आपके किसी भी सोच पर सकारात्मक पहल करने का प्रयास करेगी. मंत्री ने कहा कि सहकारी बैंक राज्य के अहम बैंक बनने के कगार पर है. जिस तरह से पैक्सों को बैंकों से जोड़ा गया है, मुझे लगता है कि जो क्रेडिट लिंकेज का मामला है, हमारा प्रयास है कि आप लोगों को सहूलियत हो, इस बात के लिए सरकार पहल करेगी. सरकार के प्रयास से राज्य की कई जगहों में राइस मिल खोली गई है और वह दिन दूर नहीं जब राज्य के हर जिले में एक-एक राइस मिल होंगे, जिससे किसानों काफी राहत मिलेगी.

इससे राज्य की दिशा बदल रही

सहकारी सहयोग समिति के निबंधक सूरज कुमार ने कहा कि कुछ राज्यों में सहकारी आंदोलन से राज्य की दिशा बदल रही है. सहकारिता को आगे बढ़ाने की सकारात्मक कवायद शुरू करनी होगी. इसे एक विजन की तरह बुनियादी स्तर पर काम करने की जरूरत है. इसके बायलॉज में संशोधन करके किसी भी प्रकार के व्यवसाय को करने की छूट दे दी गई है.

परिसंपत्तियों का किया वितरण

महासम्मेलन में संस्टेबल हार्वेस्टिंग टूल्स किट का वितरण 20 लाभुकों के बीच किया गया. केसीसी योजना का लाभ 17 लाभुकों को दिया गया. माइक्रो एटीएम का लाभ 10 लाभुकों को दिया गया. मोबाइल वेंडिंग कार्ट का लाभ 6 लाभुक, मत्स्यजीवी ससलि हेतु कार्यालय शेड का लाभ 5 लाभुक, मत्स्यजीवी ससलि हेतु आईस बॉक्स, टाना जाल, इलेक्ट्रॉनिक्स बैलेंस का लाभ 5 लाभुकों को दिया गया.

मंत्री का रामगढ़ में हुआ स्वागत

रामगढ़। रामगढ़ नगर कांग्रेस कमेटी ने बुधवार को मंत्री दीपिका पांडे सिंह का हजारीबाग जाने के क्रम में टायर मोड स्थित सैनी होटल के समीप नगर अध्यक्ष बलराम साहू के नेतृत्व में स्वागत किया. इस दौरान झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता शांतनु मिश्रा, गोला प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष संतोष सोनी, रामगढ़ नगर कांग्रेस सेवा दल के नगर अध्यक्ष जे के अग्रवाल आदि उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

लोहरी नदी पर बनेगा उच्चस्तरीय पुल : अंबा

केरेडारी। प्रखंड क्षेत्र के मनातू पंचायत अंतर्गत ग्राम गोपदा एवं लोहरा के बीच लोहरी नदी में स्थानीय विधायक अंबा प्रसाद की अनुशंसा पर उच्च स्तरीय पुल बनेगा. इस संबंध में ग्रामीण कार्य विभाग ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हो गई है. विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि पुल निर्माण में लगभग 3 करोड़ 89 लाख 20 हजार की लागत आएगी. उक्त पुल निर्माण होने से मनातू पंचायत के ग्राम गोपदा, लोहरा समेत कई सुदूरवर्ती गांव के लोग लाभान्वित होंगे. विधायक अंबा प्रसाद की अनुशंसा पर दर्जनों योजनाएं मनातू पंचायत में धरातल पर उतर रही हैं. मसूरिया लाजीदाग में भी उच्च स्तरीय पुल निर्माण जारी है, पतरा से पहरा होते हुए मनातू तक पक्की सड़क बनकर तैयार है. विधायक निधि से दर्जनों योजनाएं धरातल पर उतरी हैं.

मगध में खान प्रबंधक राकेश ने लिया पदभार

चतरा। मगध परियोजना के पीओ कार्यालय में राकेश कुमार, मुख्य प्रबंधक खनन, प्रबंधक खान के रूप में मगध ओसीपी में पद ग्रहण किया. पीओ सदाला सत्यनारायण ने एके सिन्हा, पीई ईएंडएम सहित अधिकारियों के साथ में गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया. नये खान प्रबंधक के रूप राकेश कुमार ने कहा कि परियोजना क्षेत्र में खनन और कोयला संप्रेषण में नउ कीर्तिमान स्थापित करने में हम सदैव तत्पर रहेंगे. मौके पर खदान प्रभारी दया शंकर ओझा, संप्रेषण अधिकारी राजीव केआर, सतीश कुमार पीई उत्खनन, चंदन चटराज परिवहन अधिकारी, विनोद राणा, शिव शंकर चौधरी, शुभम कुमार, देबब्रत सरकार और अभिषेक आनंद आदि उपस्तिथ थे.

मेडल विजेताओं को किया सम्मानित

रामगढ़। झारखंड के गिरिडीह में आयोजित डब्लूपीस झारखंड ओपन स्टेट चैंपियनशिप फूल पावरलिफ्टिंग में महिला व पुरुष वर्ग में गोल्ड, सिल्वर व ब्रॉन्ज मेडल जीत रामगढ़ के प्रतिभागियों ने अपना दबदबा कायम किया है. इस आयोजन में रामगढ़ के डंबल जिम के महिला व पुरुष प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था. रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति के केंद्रीय अध्यक्ष धनंजय कुमार पुटूस ने विजेताओं को सम्मानित किया. महिला वर्ग में रामगढ़ की सृष्टि सिंह चौहान ने दो गोल्ड एक सिल्वर, अंजली सिंह चौहान ने एक गोल्ड दो सिल्वर, ललिता चौरसिया ने तीन गोल्ड, डॉली ने एक सिल्वर, हरप्रीत कौर ने एक ब्रॉन्ज, पूजा कुमारी ने एक गोल्ड जीता है. वहीं पुरुष वर्ग में तुषार ने एक सिल्वर मेडल जीता है.

मांगों को लेकर बीडीओ को ज्ञापन सौंप हड़ताल पर बैठे जनप्रतिनिधि

मुखिया संघ की हड़ताल से पंचायतों का कामकाज ठप

खास बातें

- हड़ताल के दौरान सिर्फ आपातकालीन कार्य होंगे
- सरकार की ओर से पहल नहीं होने से मुखिया आक्रोशित

संवाददाता। चौपारण

झारखंड प्रदेश मुखिया संघ के आह्वान पर चौपारण मुखिया संघ ने प्रखंड अध्यक्ष बिरेंद्र रजक की अगुवाई में बीडीओ चौपारण को ज्ञापन सौंप कर मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गये, जिससे पंचायतों में काम काज ठप रहा और प्रखंड के सभी मुखिया रांची के धरना प्रदर्शन में शामिल हुए. प्रखंड अध्यक्ष ने कहा है कि हड़ताल के दौरान सिर्फ आपातकालीन कार्य होंगे. जब तक मांगें पूरी नहीं होती हैं, अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी. सचिव रेखा देवी ने कहा कि झारखंड प्रदेश मुखिया संघ द्वारा राज्य वित्त आयोग की राशि पंचायत को देने सहित विभिन्न मांगों को लेकर सरकार को 24 जुलाई एवं 29 जुलाई को मांग पत्र सौंपा गया था. मुख्यमंत्री से मुलाकात एवं वार्ता के लिए 20 अगस्त को समय मांगा गया, परंतु कोई सुनवाई व सकारात्मक पहल नहीं होने के कारण मुखिया आक्रोशित हैं. विवश होकर सभी मुखिया अनिश्चितकालीन धरने पर मंगलवार से बैठ गए हैं. अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने वालों में मुखिया जानकी यादव, गंदौरी दांगी, पिंकी देवी, कृष्णा रविदास, रेखा देवी, नजराना खातून, पडरिया मुखिया पप्पू रजक, उषा देवी, मंजू देवी, अन्नपूर्णा देवी, सुनीता देवी, सरिता देवी, सुनीता देवी आदि शामिल हैं.

चौपारण में अपनी मांगों के समर्थन में धरने पर बैठे मुखिया.

क्या हैं मुखिया संघ की मांगें

मुखिया संघ की पांच सूत्री मांगों में पंयायती राज वित्त आयोग की राशि शीघ्र पंचायत को देने, ताकि गांव का सर्वांगीण विकास हो सके. कार्य अवधि के दौरान किसी भी जनप्रतिनिधि (मुखिया, पंसस, वार्ड सदस्य, प्रमुख एवं जिला परिषद) की आकस्मिक मृत्यु या दुर्घटना होने पर 30 लाख रुपये मुआवजा की व्यवस्था की जाए ताकि उनके परिवार का भरन-पोषण हो सके. मुखिया का मानदेय केरल राज्य की तर्ज पर 30,000 (तीस हजार रुपये) निर्धारित किया जाए. वर्तमान समय में सरकार द्वारा चलाई जा रही मंईयां सम्मान योजना/अबुआ आवास एवं अन्य योजनाओं के लिए पंचायत जनप्रतिनिधियों एवं उनके परिवारजनों को शामिल किया जाए ताकि शत-प्रतिशत योजना का लाभ जनता को मिल सके. जैसे-ऐसे मुखिया या वार्ड सदस्य अत्यंत गरीब एवं लाल कार्डधारी हैं तथा रोजी-रोजगार के लिए कुली लेबर का कार्य कर रहे हैं, को योजना का लाभ अवश्य मिलना चाहिए. इस बाबत कार्यालय से आदेश हेतु एक पत्र निर्गत किया जाए. झारखंड की सभी पंचायतों की मांग है कि बिना जांच किए वित्तीय शक्ति जब्त न की जाए, जिससे मुखिया पद का अपमान हो. झारखंड के जिन मुखियाओं का वित्तीय पावर जब्त किया गया है उन्हें पुनः वापस किया जाए.

कार्पोरेट संचार में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर किया गया सम्मानित

एनटीपीसी को मिला कांस्य पुरस्कार

संवाददाता। टंडवा (चतरा)

प्रखंड क्षेत्र में संचालित एनटीपीसी नार्थ करनपुरा ईकाई प्रबंधन को नवाचारी कार्पोरेट संचार प्रबंधन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर पुरस्कृत किया गया है. बताया कि केरल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान गहन विश्लेषण से पश्चात प्राप्त परिणामों के आधार पर राज्य सरकार के मंत्री पीए मोहम्मद रियास के हांथों ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. बुधवार को एनटीपीसी के परियोजना कार्यालय में उपलब्धियों से अति उत्साहित होकर परियोजना प्रमुख अजय शुक्ला समेत अन्य वरीय अधिकारियों ने कार्पोरेट संचार अधिकारी कुमारी को बधाई दी.

एनटीपीसी के प्रतिनिधि को पुरस्कृत करते केरल के मंत्री

सूबे में दोबारा बनेगी इंडिया गठबंधन की सरकार : मंत्री

- हफीजुल अंसारी का चितरपुर में कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

संवाददाता। रामगढ़

झारखंड के खेलकूद, पर्यटन, अल्पसंख्यक कल्याण व नगर विकास मंत्री हफीजुल अंसारी व कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर बुधवार को चितरपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय पहुंचे. यहां पहुंचने पर कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शहजादा अनवर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया. इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्री हफीजुल अंसारी ने कहा कि झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार दोबारा बनने जा रही है, क्योंकि इस सरकार ने राज्य में विकास की गंगा बहाने का काम किया है. उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बेहतर तरीके से सरकार चलाने का काम कर रहे हैं. गरीबों के हित में लगातार निर्णय लिए जा रहे हैं. महिलाओं के लिए मंईयां सम्मान योजना लागू की गई है ताकि महिलाएं स्वावलंबी बन सकें. 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है. किसानों के लिए केसीसी लोन माफ किया जा रहा है. सर्वजन पेंशन योजना लागू किया गया है. युवाओं को नौकरी दी जा रही है. झारखंड में लगातार विकास के काम किये जा रहे हैं. लेकिन भाजपा झारखंड का विकास नहीं चाहती है. इस दौरान कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर उन्होंने केक काटकर जन्मदिन मनाया. मौके पर पूर्व प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर, जिला उपाध्यक्ष चितरंजन दास चौधरी, हाजी अख्तर आजाद आदि मौजूद थे.

सड़क हादसे में नवजात और महिला की हुई मौत

रामगढ़। जिले के एनएच 23 पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से नवजात सहित एक महिला की मौत हो गई. इससे अक्रोशित ग्रामीणों ने छतर मांडू के समीप रामगढ़ बोकारो मुख्य मार्ग एनएच 23 को लगभग 6 घंटे जाम कर दिया. इससे सड़क के दोनों ओर लगभग दस किलोमीटर तक गाड़ियों की लंबी कतार लग गई. जामकर्ताओं का कहना था कि आए दिन ग्रामीण दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं, लेकिन इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिला प्रशासन द्वारा कोई पहल नहीं की जा रही है. खबर लिखे जाने तक घटनास्थल पर एनडीसी, बीडीओ, सीओ और रामगढ़ थाने के जवान स्थानीय ग्रामीणों को समझने का प्रयास कर रहे थे. अधिकारी सरकारी प्रावधान के तहत मृतक परिवार को हर संभव मदद देने की बात कर रहे थे.

कांग्रेस नेता ने किया सदर के गांवों का दौरा

राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं : मेहता

जनसंपर्क अभियान के दौरान कांग्रेस नेता डॉ आरसी मेहता.

संवाददाता। हजारीबाग

कांग्रेस नेता डॉ आरसी मेहता ने बुधवार को सदर प्रखंड के मोरंगी, बकासपुर, डेमोटांड़, डंनडय इत्यादि दर्जनों गांवों का दौरा किया. इस दौरान बकासपुर में डॉ मेहता ने कहा कि झारखंड बनने के बाद पहली बार राज्य सरकार ने झारखंड वासियों के हित में दर्जनों योजनाएं चला रही हैं. इसमें मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना महिलाओं के लिए कल्याणकारी योजना है. उन्होंने उक्त योजना का लाभ सभी परिवारों से उठाने की अपील की. बताया कि इस योजना के तहत 21 से 49 वर्ष की सभी महिलाएं पंजीकरण करा सकती हैं. इसके लिए एक पासपोर्ट साइज का फोटो, आधार कार्ड, राशन कार्ड और बैंक खाता जरूरी है. इसको लेकर पंचायत स्तरीय शिविर में जाकर ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन भरें. राशन कार्ड में नाम नहीं है तो माता-पिता के राशन कार्ड का उपयोग कर सकते हैं.

विरोध के कारण एक साल से लटका है रेलवे का लूप लाइन निर्माण

धरनारत भूरैयतों से मिलने पहुंचे सांसद

संवाददाता। टंडवा (चतरा)

प्रखंड क्षेत्र में सीसीएल द्वारा संचालित आम्रपाली परियोजना क्षेत्र में रेलवे का लूप लाइन निर्माण सेरनदाग में तीखे विरोध के कारण लगभग एक साल से भी अधिक समय से अधर में लटका है. बताया जाता है कि जून 2023 से अबतक 11वीं बार आम सहमति बनाने हेतु तमाम विभागीय कोशिशें हुई जो नाकाम रही है. दूसरी ओर फर्जी अनापत्ति मामले ने लोगों के आक्रोश को और भी भड़का दिया है, जिसके कारण मंगलवार से सेरनदाग के बाजार टांड़ में तीन सूत्री मांगों को लेकर ग्रामीण भूरैयत अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं.

आंदोलनकारियों का बड़ा आरोप है कि जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों का फर्जी हस्ताक्षर कर अनापत्ति लेने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध ठोस विभागीय कार्रवाई महीनों बीतने के बाद भी नहीं हुई है, जबकि लिखित तौर पर कठोर कार्रवाई की मांग की गई थी. आंदोलन के दूसरे दिन बुधवार को लोगों से मिलने चतरा सांसद कालीचरण सिंह पहुंचे जहां उन्हें आपबीती सुनाते हुए एक पत्र सौंपा गया, जिसमें फर्जीवाड़ा करने वाले कर्मियों पर कठोर कार्रवाई करने, गांव में सीसीएल द्वारा लगाए गए सीबीए सेक्शन को हटाने तथा भूमि अधिग्रहण 2013 के प्रावधानों को लागू करने की मांग की गई. इस पर सांसद ने समुचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया है. बताया गया कि लगभग 14 महीने पहले अनापत्ति के लिए फर्जीवाड़ा की गई जिसके मौजूद साक्ष्यों सहित तमाम वरीय प्रशासनिक अधिकारियों व कई बड़े जनप्रतिनिधियों को पत्र सौंपा गया था बावजूद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. इससे क्षुब्ध होकर आंदोलन का रुख अख्तियार किया है. इस मौके पर दर्जनों ग्रामीण भूरैयत मौजूद थे.

सांसद कालीचरण सिंह को मांग पत्र सौंपते भूरैयत.

केरेडारी कोयला खनन परियोजना की पहल

मंथली मेडिकल कैंप में 140 ग्रामीणों को मिला उपचार

संवाददाता। केरेडारी

केरेडारी कोयला खनन परियोजना की ओर से प्रखंड के कुम्हरा बेन्गवारी गांव में बुधवार को मासिक मोबाइल मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया. इसमें कुल 140 ग्रामीणों ने उपचार प्राप्त किया और विभिन्न चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाया. कैंप में विभिन्न प्रकार की बुनियादी चिकित्सा जांच की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं, जिनमें सामान्य स्वास्थ्य जांच, ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल, बुखार, सर्दी-खांसी, और अन्य सामान्य बीमारियों की जांच शामिल थी. कैंप में डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की एक टीम ने मिलकर ग्रामीणों का निरीक्षण किया और आवश्यक उपचार प्रदान किया. इसके साथ ही, विशेष परामर्श भी दिया गया, जिसमें बदलते मौसम और ठंड के मौसम से बचाव के लिए जरूरी उपाय बताए गए. गांव की सरोज देवी ने भी कैंप की सराहना करते हुए कहा, "हमारे गांव में इस तरह के कैंप की बहुत जरूरत थी. खासकर सर्दी के मौसम में बुजुर्गों और बच्चों को ज्यादा तकलीफ होती है. डॉक्टरों ने हमें सही सलाह दी और दवाइयां भी दीं. यह हमारे लिए बहुत बड़ा सहारा है."

कार्यक्रम पतरातु प्रखंड पहुंचे मनीष जायसवाल का कटिया चौक पर कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

सांसद पहुंचे नवोदय विद्यालय, बच्चों से जानी उनकी समस्याएं

संवाददाता। रामगढ़

क्षेत्रीय सांसद मनीष जायसवाल बुधवार को जिले के पतरातु प्रखंड पहुंचे और शैक्षणिक क्षेत्र के विकास के लिए नवोदय विद्यालय, पतरातु का निरीक्षण किया. इसके बाद पीटीपीसी कॉलेज के शासी निकाय की बैठक में शामिल हुए. पतरातु पहुंचने पर सांसद का न्यू मार्केट, कटिया चौक के समीप स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने स्वागत किया. जिला शिक्षा पदाधिकारी नीलन कुमारी की मौजूदगी में पतरातु जवाहर नवोदय विद्यालय के निरीक्षण के दौरान सांसद ने कहा कि यह बहुत ही पुराना नवोदय विद्यालय है और स्कूल की आधारभूत संरचना का व्यापक विस्तार हुआ है, जिस पर अभी तक शिफ्टिंग नहीं हो पाया है. यहां कई मूलभूत समस्याएं भी हैं. स्कूल में अध्यनरत बच्चों से भी सांसद ने उनकी समस्याएं विस्तार से जानीं. इसके बाद सांसद ने स्कूल की प्राचार्या मीणा मुर्मू से जल्द नए भवन में शिफ्टिंग करने, छात्रावास में रह रहे बच्चों को मिलने वाले समुचित लाभ उपलब्ध कराने, बच्चों के अभिभावकों को स्कूल से जोड़कर समन्वय समिति का निर्माण करने, आगामी शैक्षणिक सत्र से यहां की सीटों की संख्या दोगुनी करनी संबंधित विषयों पर विस्तार से वार्ता की. उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय में अध्यनरत बच्चों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और आने वाले शैक्षणिक सत्र में क्षेत्र के अधिक बच्चों का इस विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित हो इस दिशा में प्रयास जारी रहेगा.

नवोदय विद्यालय पहुंचने पर सांसद का स्वागत किया गया.

शासी निकाय की बैठक में शामिल हुए सांसद

पतरातु। प्रखंड स्थित इस क्षेत्र के सबसे पुराने पीटीपीएस कॉलेज की शासी निकाय की बैठक बुधवार को कॉलेज परिसर में हुई. इसमें विशेषरूप से सांसद मनीष जायसवाल शामिल हुए और कॉलेज के विकास के साथ शैक्षणिक क्षेत्र में बेहतर करने को लेकर चर्चा की. उन्होंने बताया कि जल्द ही अगली बैठक होगी, जिसमें कॉलेज की समस्याओं पर उचित निर्णय लिया जाएगा. सांसद ने शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन भी किया.

पंडा समाज ने मंदिर परिसर में स्टैंड का निर्माण करने की मांग रखी

सांसद ने छिन्नमस्तिका का किया दर्शन

संवाददाता। रामगढ़

क्षेत्रीय सांसद मनीष जायसवाल बुधवार की सुबह रामगढ़ जिला के ग्राम रजरप्पा पहुंचे, जहां उन्होंने अपने समर्थकों के साथ मां छिन्नमस्तिका सिद्धपीठ में पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया. इसके बाद जायसवाल के समक्ष स्थानीय पंडा समाज के लोगों ने मंदिर परिसर में प्रॉपर स्टैंड का निर्माण करने की मांग रखी. इस पर सांसद ने कहा कि जल्द ही यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पंडा समाज के हितार्थ एक समन्वय बैठक कर यथोचित निर्णय लिया जाएगा. इस दौरान ब्रजेश कुमार पंडा, सुभाशीष पंडा, गौत्तम पंडा, पोपेश कुमार पंडा, कबीर पंडा, संजीत पंडा, अजय पंडा आदि मौजूद रहे. लौटने के क्रम में रजरप्पा में सीसीएल गेस्ट हाउस परिसर में सीसीएल के रजरप्पा प्रोजेक्ट कोलियरी के जीएम विनोद कुमार ने सांसद से भेंट की. कई कोयला कर्मियों ने मिलकर सांसद के समक्ष अपनी समस्याएं भी रखीं.

मां छिन्नमस्तिका सिद्धपीठ पहुंचे सांसद मनीष जायसवाल.

भाजपा भ्रष्टाचारियों और गुंडों की पार्टी बनकर रह गई है : प्रीतम बांकिरा

चाईबासा । कांग्रेस भवन चाईबासा में युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रीतम बांकिरा की अध्यक्षता में युवा कांग्रेस की जिला कार्यकारिणी की बैठक बुधवार को हुई. बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव किम दीदी, जिला प्रभारी संजीव रंजन, जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर दास, महिला जिलाध्यक्ष नीतिमा बारी उपस्थित थे. युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रीतम बांकिरा ने कहा कि प्रदेश कमेटी द्वारा निर्देशित हर घर खटाखट कार्यक्रम को अगले एक सप्ताह में ज्यादा से ज्यादा ऑनलाइन के माध्यम से अपने क्षेत्र में करें और आगामी विधानसभा की तैयारी हेतु सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता को बताएं, ताकि क्षेत्र की जनता गठबंधन सरकार के कार्यों को जान सके और उसका लाभ ले सके. भाजपा सरकार आज के समय में भ्रष्टाचारियों और गुंडों की सरकार बन कर रह गई है. कार्यकारिणी की बैठक में प्रदेश महासचिव दीनबंधु बोयपाई, प्रदेश सचिव सुरेश संवैया, जिला उपाध्यक्ष राजू कायम, संदीप महतो, जिला महासचिव सन्नी रॉबर्ट अंथोनी, देविश लागुरी, सन्नी पाट पिंगुवा, जिला सचिव प्रतीक कुमार, जगन्नाथपुर विधानसभा अध्यक्ष धीरज आदि मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

सारंडा के करमपदा, नवागांव एवं भनगांव में कब पहुंचेगी बिजली !

किरीबुरु । नक्सल प्रभावित सारंडा जंगल के बीच बसा करमपदा, नवागांव और भनगांव के ग्रामीण आज भी ढिबरी युग में जीने को मजबूर हैं. इन तीनों गांवों में आज तक बिजली नहीं पहुंची है. बिजली नहीं रहने से संचार, शिक्षा, पेयजल आदि तमाम समस्याओं से ग्रामीणों को जूझना पड़ रहा है. कुछ ग्रामीण रेलवे की रहमोकरम पर उनकी बिजली जला रहे हैं. तीनों गांव वन ग्राम हैं, जिसे राजस्व गांव का दर्जा देने की लडाई ग्रामीण वर्षों से लड़ रहे हैं. मुंडा राजेश ने कहा कि हम ग्रामीण सरकार, विद्युत विभाग, जनप्रतिनिधि, रेलवे, सेल आदि सभी से बिजली की सुविधा बहाल करने की मांग करते रहे हैं, लेकिन आज तक कोई भी ध्यान नहीं दिया. अब हम ग्रामीण बिजली को लेकर आंदोलन करेंगे.

एसडीपीओ ने थानाध्यक्षों व पुलिस निरीक्षक संग की बैठक

चक्रधरपुर । मनोहरपुर सर्किल थाना के एसडीपीओ जयदीप लकड़ा बुधवार को मनोहरपुर थाना सर्किल अंतर्गत सभी थानाध्यक्षों व पुलिस निरीक्षक के साथ समीक्षा बैठक की. बैठक में एसडीपीओ ने क्राइम कंट्रोल एवं विधि व्यवस्था को लेकर कई निर्देश दिये. वहीं एसडीपीओ ने सभी थाना से जुड़े लंबित कांडों का निष्पादन, थाना क्षेत्रों में आपराधिक गतिविधियों पर नकेल कसने एवं विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर विधि-व्यवस्था व अपराध नियंत्रण को लेकर चर्चा की. वहीं थानाध्यक्षों से उग्रवाद प्रभावित थाना क्षेत्र अंतर्गत मतदान बूथों व सुरक्षा से संबधित रिपोर्ट मांगी. मौके पर पुलिस निरीक्षक रणविजय शर्मा, मनोहरपुर थाना प्रभारी अमित खाखा, आनंदपुर थाना प्रभारी प्रिंस झा, जराईकेला थाना प्रभारी सूर्यकांत कुमार, छोटानागरा थाना प्रभारी बलवंत दुबे, चिड़िया ओपी थाना प्रभारी जयप्रकाश दास आदि मौजूद थे.

बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में मनोहरपुर के व्यक्ति की मौत

चक्रधरपुर । देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर परिसर में मनोहरपुर के एक व्यक्ति की मौत हो गई. बताया जाता है कि मनोहरपुर निवासी 62 वर्षीय पवन दास अपने कांवड़िया साथी के साथ रविवार को देवघर स्थित बाबा बैधनाथ मंदिर में जल चढ़ाने गए थे. बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर परिसर में जलाभिषेक करने के दौरान वे बेहोश होकर गिर गए थे. आस पास खड़े कांवड़ियों की नजर उनपर पड़ी तो उन्होंने इसकी जानकारी मंदिर प्रबंधन को दी. मंदिर प्रबंधन ने उन्हें देवघर सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया. वहां चिकित्सकों ने जांच कर उन्हें मृत घोषित कर दिया. देवघर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रेतर कार्रवाई में जुट गई है और परिजनों के आने तक शव को शीतगृह में रखवा दिया है. मृतक पवन दास के पैंट के पॉकेट से देवघर के जिस होटल में वे रुके हुए थे उसकी चाबी मिली है.

दलमा आंचलिक मुक्ति संघर्ष समिति के बैनर तले ग्रामीणों ने इको सेंसेटिव जोन रद्द करने की मांग की

हथियारों के साथ अनुमंडल कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन

संवाददाता । चांडिल

दलमा आंचलिक मुक्ति संघर्ष समिति के बैनर तले बुधवार को ग्रामीणों ने चांडिल अनुमंडल कार्यालय के समक्ष पारंपरिक हथियार के साथ दलमा इको सेंसेटिव जोन के खिलाफ प्रदर्शन किया. ग्रामीण दलमा वन्यप्राणी आश्रयणी क्षेत्र से इको सेंसेटिव जोन को रद्द करने की मांग कर रहे थे. हाल के दिनों में दलमा इको सेंसेटिव जोन के दायरे में आने वाले ग्रामीणों को वन विभाग द्वारा नोटिस भेजा गया है और उनके पक्के मकान को अवैध बताया है. वन विभाग के नोटिस के कारण क्षेत्र के ग्रामीण डरे सहमे हुए हैं. विरोध-प्रदर्शन में दलमा वन्यप्राणी आश्रयणी की तराई में बसने वाले चांडिल, नीमडीह, पटमदा व बोड़ाम प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए. विरोध प्रदर्शन के बाद ग्रामीणों ने अनुमंडल पदाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को छह सूत्री मांगों के समर्थन में ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में इको सेंसेटिव जोन एक्ट को वापस लेने, दलमा को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने, वन्यप्राणियों द्वारा फसल नष्ट करने पर अविलंब क्षतिपूर्ति देने, वन्यप्राणी द्वारा जान से मारने पर आश्रितों को सरकारी नौकरी और 50 लाख रुपये मुआवजा देने, वन भूमि पट्टा देने, सामुदायिक पट्टा देने, वनाधिकार पट्टा स्थानीय लोगों को देने की मांग की है.

वन विभाग के कार्यालय के सामने पारंपरिक हथियारों के साथ विरोध-प्रदर्शन करते ग्रामीण.

माओवादियों की तरह वन विभाग के खिलाफ भी लड़ेंगे : असित

मौके पर दलमा आंचलिक मुक्ति संघर्ष समिति के अध्यक्ष सह नीमडीह जिला परिषद सदस्य असित सिंह पात्र ने कहा कि दो दशक से दलमा क्षेत्र के ग्रामीणों ने माओवादियों के साथ संघर्ष किया, जिसके फलस्वरूप वर्तमान समय में माओवादी मुक्त क्षेत्र हुआ है. अब वन विभाग द्वारा ग्रामीणों को परेशान किया जा रहा है. ऐसे में सभी को एकजुट होकर वन विभाग के खिलाफ जोरदार आंदोलन करने की जरूरत है. दलमा वन विभाग द्वारा आए दिन ग्रामीणों को किसी न किसी तरह से परेशान किया जा रहा है. इस तरह का अन्याय और अत्याचार कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

ग्रामीणों को डराना बंद करे वन विभाग : हरेलाल

ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शन में आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो भी अपने समर्थकों के साथ शामिल हुए. मौके पर उन्होंने कहा कि वन विभाग इको सेंसेटिव जोन के नाम पर दलमा क्षेत्र के ग्रामीणों को डराना बंद करे. ग्रामीण जंगलों और पहाड़ों के बीच रहकर दलमा जंगल और जंगली जानवरों को बचाया है. अब उन्हें ही जंगलों से भगाने का षड्यंत्र रचा जा रहा है. जब दलमा क्षेत्र वन्यप्राणी आश्रयणी नहीं था, उसके हजारों साल पहले से ग्रामीण रहते आ रहे हैं और जंगल की सुरक्षा कर रहे हैं. नए-नए नियम कानून लाकर ग्रामीणों को प्रताड़ित किया जा रहा है, जो अन्यायपूर्ण है.

जोरदार बारिश से ट्रांसफार्मर पर गिरा पेड़, बिजली गुल

चक्रधरपुर। बंदगांव प्रखंड में पिछले दो दिन से जोरदार बारिश हो रही है. बारिश के कारण टेबो पंचायत के कांडेयोंग में एक विशालकाय वृक्ष ट्रांसफार्मर के ऊपर गिर गया. इससे ट्रांसफार्मर और बिजली पोल दोनों टूट गया है. इससे बिजली गुल हो गई है. टेबो पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मंगरा ओड़िया ने बिजली विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द कांडेयोंग में बिजली आपूर्ति शुरू की जाए. उन्होंने कहा कि बिजली का ट्रांसफार्मर अविलंब ठीक किया जाए और नया पोल लगाया जाए, जिससे यहां आदिवासी बहुल गांव के लोगों को बेहतर ढंग से बिजली मिल सके. मालूम हो कि जोरदार बारिश के कारण कई पेड़ उखड़ कर गिर गए हैं.

जगन्नाथपुर की बंद खदानें खोलवाने के लिए बड़ाजामदा में भाजपा का धरना-प्रदर्शन

खदानें बंद होने से बेरोजगारी बढ़ी : मधु

बड़ाजामदा में धरना-प्रदर्शन के बाद जनसभा को संबोधित करते मधु कोड़ा व उपस्थित अन्य नेता.

खदाने खोलवाने के लिए आयोजित जनसभा में जुटे ग्रामीण.

- खदानें बंद होने से लाखों लोग हुए बेरोजगार
- शहीदों की लाशों पर झामुमो कर रही राजनीति
- सारंडा के ग्रामीण लाल पानी पीने को मजबूर

संवाददाता । किरीबुरु

जगन्नाथपुर विधानसभा में बंद पड़ी खदानों को खोलने के लिए 28 अगस्त को बड़ाजामदा में विशाल धरना-प्रदर्शन का आयोजन भाजपा ने पूर्व सांसद गीता कोड़ा एवं पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के नेतृत्व में किया. इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने कहा कि भारी वर्षा के बावजूद हम सभी बंद खदानें खोलवाने व यहां के हजारों बेरोजगारों को उसमें रोजगार दिलाने के लिये यहां जमा हुए हैं.

यह वर्षा हेमंत सरकार को बहाकर ले जायेगी. लौहांचल की खदानें बंद होने से यहां के लाखों लोग बेरोजगार हो चुके हैं. हेमंत सोरेन सारंडा की खदानें बंद कर अपने नाम से खदान खोलकर आज बेल पर हैं. यह सरकार खदान खोलने के लिये पहले माल मांगती है. हम जब मुख्यमंत्री थे तो एक भी खदान को बंद होने नहीं दिये थे. हमारे समय लोग सड़क पर गिरे लौह पत्थर को भी उठाकर अपना जीवन यापन कर लेते थे. हमारे समय दूसरे राज्यों के लोग यहां आकर रोजगार प्राप्त करते थे. ओडिशा की बंद खदानें खुल गई तो यहां की खदानें क्यों नहीं खुल रही हैं. गुवा शहीद मैदान से हर बार हेमंत सोरेन खदान खोलने की बात करते रहे, लेकिन यहां के बेरोजगारों को भूखे मार रहे हैं. सारंडा के ग्रामीण आज लाल पानी पीने को मजबूर हैं. शुद्ध पानी की भी व्यवस्था यह सरकार नहीं कर पाई. बेरोजगारी से तंग महिलाएं व पुरुष आत्महत्या कर रहे हैं. यह सरकार लुटेरी और झूठे वादे करने वाली है. इसे उखाड़ फेंकना है. भाजपा सरकार सभी वर्ग के लोगों खासकर गरीब और किसानों के लिये अनेक कार्य कर रही है. इस लड़ाई के बाद जंगलों में रहने वाले लोगों को वनाधिकार का पट्टा देने के लिये लड़ाई लड़ी जायेगी, क्योंकि वन उनके जीने का आधार है. झामुमो जल, जंगल, जमीन की पार्टी बोलती है, लेकिन वनपट्टा का हजारों आवेदन आज तक इस सरकार ने स्वीकृत नहीं की. गुवा गोलीकांड इसी वन पट्टा के लिये हुआ था. स्व. देवेन्द्र माझी, सांसद जोबा माझी के गांव के लोगों को आज तक वनपट्टा नहीं मिला.

हेमंत सोरेन में इच्छाशक्ति की कमी : गीता कोड़ा

पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने कहा कि जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 30 से 40 आयरन ओर की वर्षों से बंद पड़ी खदानों को पुनः चालू करने के लिए भाजपा ने घंटा बजाओ, सरकार जगाओ कार्यक्रम के तहत विशाल धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम बड़ाजामदा में आयोजित की है. लोकसभा चुनाव के पहले उनके द्वारा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से लेकर संसद व कई मंचों एवं कार्यक्रम में बंद खदानों, क्रशरों को खुलवाने का अनुरोध किया गया था, परंतु हेमंत सरकार की इच्छा शक्ति की कमी के कारण एक भी खदान नहीं खोला गया. फलस्वरुप यहां के लोग बेरोजगारी और पलायन को विवश हैं.

धरना-प्रदर्शन में ये थे मौजूद

इस दौरान एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष शंभू हाजरा, एससी मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मंगल सिंह गिलुवा, पूर्व जिलाध्यक्ष विपिन पूर्ति, अजीत सिंह, सारंडा मंडल अध्यक्ष मधुसूदन तुबिद, जगन्नाथपुर मंडल अध्यक्ष राम भूमिज, नोवामुंडी मंडल अध्यक्ष चन्द्रमोहन गोप, मनोहरपुर मंडल अध्यक्ष राजा सुरीन, मजदूर नेता रामा पाण्डेय, जीप सदस्य देवकी कुमारी, बब्लू शर्मा, इन्द्र सामड आदि हजारों कार्यकर्ता मौजूद थे.

मजदूरों का हो रहा शोषण

दूसरे राज्यों में हमारे मजदूरों का मानसिक, शारीरिक व आर्थिक शोषण हो रहा है. सत्ता की खुमारी में सोई हेमंत सरकार को यहां के बेरोजगार युवाओं, महिलायें, ग्रामीणों की कोई चिंता नहीं है. हेमंत सोरेन ने लाखों शिक्षित बेरोजगारों को नौकरी, रोजगार देने अन्यथा 5-7 हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही थी, लेकिन कुछ नहीं दिया. महिलाओं को चूल्हा खर्च दो हजार रुपये आज तक नहीं मिला. झारखंड की सूरत बदलनी चाहिये.

भाजपा ने विकास को गति दी

भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पांडेय ने कहा कि झारखंड के आदिवासियों को भाजपा ने अलग राज्य व विकास को गति देकर सम्मान देने का कार्य किया. यह सरकार 5 हजार बेरोजगारों को भी रोजगार नहीं दी. युवा मोर्चा के आंदोलन को पूरे झारखंड में कुचलने का कार्य इस सरकार ने किया. 80 करोड़ लोगों को प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अनाज मिल रहा है. जगन्नाथपुर सीट को भारी बहुमत से जिताकर झारखंड की वर्तमान सरकार को भगायेंगे.

वनाधिकार पट्टा नहीं दिया गया : विधानसभा प्रभारी

जगन्नाथपुर विधानसभा प्रभारी शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि झारखंड की यह सरकार झारखंड आंदोलन, झारखंड व यहां की सम्पदा को लूटने व बेचने का काम किया है. भाजपा सरकार की वजह से अब तक झारखंड में विकास के कुछ कार्य देखने को मिला. झारखंड के जंगलों में रहने वाले लोगों को आज तक वनाधिकार का पट्टा नहीं दिया गया. झामुमो के संस्थापक पूर्व सीएम चम्पाई आज झामुमो से तंग होकर भाजपा का दामन थामने जा रहे हैं. इससे हेमंत सोरेन व इंडिया गठबंधन परेशान है. बाबूलाल मरांडी के समय बालू मुफ्त मिलता था लेकिन आज किलो के हिसाब से बिकता है. अगली सरकार पूर्ण बहुमत वाली भाजपा की सरकार बनेगी. कोल्हान प्रमंडल की सभी 14 सीट भाजपा जीतेगी.

नेत्र दान करें, 67 लाख लोगों को रौशनी की जरूरत : डॉ सेलिन

संवाददाता । चक्रधरपुर

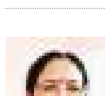

चाईबासा सदर अस्पताल की नेत्र विशेषज्ञ सह चक्रधरपुर निवासी डॉ सेलिन सोसन ने जागरूक लोगों से नेत्रदान करने की अपील की है. उन्होंने कहा कि आगामी 8 सितंबर तक नेत्रदान पखवाड़ा चल रहा है. इस दौरान आप एक संकल्प पत्र भरें और नेत्रदान करने वालों की सूची में शामिल हो जाएं. डॉ सोसन के मुताबिक भारत में 67 लाख लोग ऐसे हैं, जिन्हें आंखों में रौशनी की आवश्यकता है. ये लोग आंखों की बीमारियों से ग्रसित हैं, इन्हें आंखों में रौशनी की जरूरत है. उन्होंने कहा कि एक आंकड़ा के मुताबिक भारत में अगर एक करोड़ लोगों की मौत होती है, तो उनसे मात्र 20 लोग ही नेत्रदान करते हैं. मात्र .2 प्रतिशत लोग नेत्र दान करते हैं. यह संख्या बहुत ही कम है.

ट्रक ने खड़े ट्रेलर को ठोका, 1 घायल

संवाददाता । चांडिल

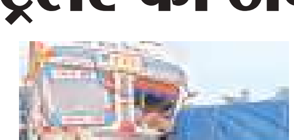

टाटा-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर सड़क किनारे वाहन खड़ा करने के कारण भी कई दुर्घटनाएं घटती हैं. रात के अंधेरे में साफ दिखाई नहीं देने के कारण वाहन चालक दुर्घटना के शिकार होते रहते हैं. ऐसे में कई लोग घायल होते हैं, कई बार तो लोगों की जान भी जाती है. मंगलवार की देर रात भी सड़क किनारे खड़े वाहन से टकराने के कारण एक ट्रक का खलासी जख्मी हो गया. जानकारी के अनुसार ईचागढ़ थाना क्षेत्र के दारूदा गांव के पास एनएच 33 पर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर में एक तेज रफ्तार ट्रक ने धक्का मार दिया. यह घटना रात करीब डेढ़ बजे की है. ट्रेलर का पीछे का लाइट नहीं जलने के कारण ट्रक चालक को सड़क किनारे खड़े वाहन का अंदाजा नहीं हुआ और वह ट्रेलर में धक्का मार दिया. इस दुर्घटना में ट्रक का खलासी घायल हो गया. उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है. सड़क किनारे बेतरतीब ढंग से खड़े वाहन दुर्घटना को आमंत्रित करते हैं. होटल और पेट्रोल पंप के पास अमूमन सड़क से सटाकर या सड़क पर ही वाहन खड़े मिलेंगे. वैसे ही क्षेत्र में स्थापित औद्योगिक प्रतिष्ठानों के बाहर भी सड़क पर या सड़क के किनारे वाहनों की लंबी कतार देखने को मिलेगी.

कार्यक्रम चक्रधरपुर के गोपीनाथपुर पंचायत में आजसू पार्टी का चूल्हा प्रमुख सम्मेलन

झामुमो की डिक्शनरी में विकास नाम की चीज नहीं : सुदेश महतो

संवाददाता । चक्रधरपुर

झामुमो की डिक्शनरी में विकास नाम की चीज नहीं है. यह बात पूर्व उप मुख्यमंत्री सह आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो ने कही. वे बुधवार को चक्रधरपुर प्रखंड की गोपीनाथपुर पंचायत के चारमोड़ मैदान में आजसू पार्टी का चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मेलन सह शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि अपने राजनीतिक जीवन में ऐसी सरकार मैंने नहीं देखी, जो सिर्फ झूठा आश्वासन देना जानती है. शिबू सोरेन से लेकर अब हेमंत सोरेन सत्ता में हैं, लेकिन झारखंड की जनता के हित में कोई कार्य नहीं हुआ. केंद्र सरकार ने कहा कि आरक्षण की सीमा बढ़ाई जा सकती है, लेकिन राज्य सरकार ने नहीं बढ़ाई. झामुमो के पास मंईयां सम्मान योजना घोषणा पत्र में ही नहीं था. चम्पाई सोरेन सरकार ने यह निर्णय लिया था और हेमंत सोरेन ने बदल दिया. सुदेश महतो ने कहा कि चक्रधरपुर उनकी कर्मभूमि रही है. मैंने टोकलो को अलग प्रखंड बनाने का प्रयास किया था, लेकिन वर्तमान सरकार ने उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया. आजसू के जिलाध्यक्ष रामलाल मुंडा ने कहा कि मैं चुनाव लड़ूं या ना लड़ूं, लेकिन आजसू पार्टी के साथ उनका साथ हमेशा रहेगा. आजसू पार्टी के महासचिव नजरुल हसन हाशमी ने आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत सुनिश्चित करने को लेकर सभी को एकजुट हो जाने को कहा. इस दौरान दर्जनों लोगों ने आजसू पार्टी का दामन भी थामा. वहीं कार्यक्रम से पूर्व झूमर सम्राट संतोष महतो की टीम ने एक से बढ़कर एक झूमर गीत व नृत्य पेश किए. इस मौके पर विभिन्न गांव के ग्रामीणों की भीड़ जुटी थी. कार्यक्रम में आजसू पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता डा देवशरण भगत, पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस, प्रोफेसर सीताराम महतो, केंद्रीय महासचिव रविशंकर मौर्य, सत्यनारायण महतो, सिद्धार्थ केंद्रीय सचिव सिद्धार्थ शंकर महतो, युवा संयोजक अमित महतो, नंदलाल बिरुवा, भूमिका मुंडा, लक्ष्मी मुंडा, कन्हैया सिंह आदि मौजूद थे.

चारमोड़ मैदान में सभा को संबोधित करते आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो और उपस्थित कार्यकर्ता व अन्य.

न्यूज अपडेट

झामुमो केजुनु सुरीन व दक्कल हेम्ब्रम भाजपा में शामिल

किरीबुरु । बिरहोरों की बस्ती कही जाने वाली टाटीबा गांव जो झामुमो का गढ़ माना जा रहा था, वहां के झामुमो के दो बडे. कार्यकर्ता जुनु सुरीन और दक्कल हेम्ब्रम 28 अगस्त को बड़ाजामदा में आयोजित भाजपा की घंटा बजाओ, सरकार जगाओ कार्यक्रम के दौरान भाजपा में शामिल हुये. दोनों को पूर्व सांसद गीता कोड़ा व पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने भाजपा का अंग वस्त्र एवं माला पहनाकर स्वागत किया. गीता कोड़ा ने कहा कि जुनु सुरीन एवं दक्कल हेम्ब्रम टाटीबा गांव में झामुमो के स्तम्भ थे. लेकिन हेमंत सोरेन सरकार की गलत नीतियों से तंग आकर उन्होंने भाजपा का दामन थामा. इनके नेतृत्व में टाटीबा गांव क्षेत्र में भाजपा मजबूत होगी.

नौसेना के जवानों को रक्षा राज्य मंत्री ने किया सम्मानित

जमशेदपुर । चांडिल डैम में डूबे अलकेमिस्ट एविएशन के ट्रेनी विमान को खोजने वाली भारतीय नौसेना की रेस्क्यू टीम में शामिल 20 जवानों समेत सहयोग करने वाले पूर्व सैनिकों को बुधवार को रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सम्मानित किया. इस अभियान में नेतृत्व कर रहे कमांडर जेजे सिंह, कमांडर वरुण गुप्ता, लेफ्टिनेंट आरपी पटेल, मास्टर चीफ पेटी ऑफ़िसर आरएस सैनी, पेटी ऑफिसर सोनू कुमार और जूनियर सेलर के रूप में सागर रोहित, ए रहमान, आकाश, पीके खैरवा, शुभम थांगे, अभिनव सिंह, आर चाहर, अमरदीप, गुरप्रीत सिंह, ओमकार, मुकुल, शिवम कुमार, युवराज, रोहित कुमार और पूर्व सैनिक शामिल थे.

विमान ढूंढ़ने में सहयोग करने वाले किये गये सम्मानित

चांडिल । चांडिल डैम में विमान डूबने की सूचना देने वाले और पायलट व विमान को खोजने में महती भूमिका निभाने वालों को समाजसेवी खगेन महतो ने सम्मानित किया. बुधवार को चौका स्थित अपने कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर उन्होंने विमान के चांडिल डैम में गिरने की सूचना देने वाले पियालडीह, रसुनिया के रुसु माझी व तपन माझी के अलावा विमान को खोजने में महती भूमिका निभाने वाले चांडिल स्वर्णरेखा बांध विस्थापित मत्स्यजीवी सहकारी समिति लिमिटेड, चांडिल के अध्यक्ष सरदीप लायक व पूर्व मुखिया फागुराम माझी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया.

अजमल ने ईचागढ़ से चुनाव लड़ने के लिए सौंपा आवेदन

चांडिल । सरायकेला-खरसावां जिला अल्पसंख्यक कांग्रेस के अध्यक्ष अजमल बल्खी ने ईचागढ़ विस निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस संगठन से टिकट मांगा है. इसके लिए उन्होंने अपने समर्थकों के साथ जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष अंबुज कुमार को आवेदन पत्र सौंपा है. इस अवसर पर अजमल ने कहा कि उनका उद्देश्य समाज के हर वर्ग की समस्याओं को सुनना और उनके समाधान के लिए काम करना है. वे सुनिश्चित करना चाहते हैं कि अल्पसंख्यक समुदाय की आवाज भी सदन में गूंजे और उनके अधिकारों की रक्षा हो सके. वे कांग्रेस की विचारधारा से प्रेरित हो राजनीति में सक्रिय हुए हैं.

वन विभाग कार्यालय के सामने ग्रामीणों ने किया धरना-प्रदर्शन

प्रदर्शन के बाद डीएफओ को मांगपत्र सौंपते जॉन मिरन मुंडा.

संवाददाता । चाईबासा

आदिवासी किसान मजदूर पार्टी के बैनर तले वन विभाग कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन कर हाथियों से फसलों का नुकसान और जान माल की सुरक्षा को लेकर बुधवार को धरना-प्रदर्शन किया गया. धरना-प्रदर्शन के पूर्व चाईबासा शहर में वन विभाग और जिला खनन पदाधिकारी के विरुद्ध नारेबाजी की.

सभा में केंद्रीय अध्यक्ष जॉन मिरन मुंडा ने कहा कि पिछले एक साल से टोंटो प्रखंड में हाथियों से ग्रामीण परेशान हैं. हाथी फसलों को बर्बाद कर रहे हैं, घरों को तोड़ देते हैं और ग्रामीणों को जान से मार रहे हैं, लेकिन वन विभाग मौन है. मुवावजा के लिए आवेदन जमा किया गया है, फिर भी मुवावजा नहीं मिल रहा है. वन विभाग और जिला खनन पदाधिकारी द्वारा बड़े पूंजीपतियों से सारंडा जंगल में गलत तरीके से खनन कराया जा रहा है. गलत तरीके से ब्लास्टिंग करना और खाने के लिए पेड़ों का ना होने से आज हाथी गांव में में बस गए हैं. वन विभाग अगर हाथियों को सारंडा जंगल में नहीं खदेड़ते हैं और मुवावजा एक एकड़ में 1 लाख रुपया नहीं देते हैं तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा. अंत में डीएफओ को मांगपत्र दिया गया. डीएफओ ने एक-दो दिन में हाथियों को खदेड़ देने का वादा किया.

राजनीतिक पैटर्न के संदेश

चंपाई सोरेन झारखंड की राजनीति में भाजपा की सत्ता की राह सुगम बना सकेंगे या नहीं, यह तो विधान सभा चुनाव के बाद ही तय होगा, लेकिन चंपाई सोरेन परिघटना ने इतना तो साबित कर ही दिया है कि सत्ता की चाह अनंत है और इसके लिए किसी भी तरह का समझौता कोई भी राजनेता कभी भी कर सकता है. दरअसल चंपाई सोरेन की जो भी पहचान है, वह झारखंड मुक्ति मोर्चा ने ही उन्हें दी है. मुख्यमंत्री बनने के बाद उनका नाम देश ने सुना. चूंकि पिछले पांच सालों से भाजपा झारखंड की सत्ता से बाहर है और भाजपा पूर्वी भारत में एक आदिवासी ट्रांयगल के लिए सक्रिय है. यानी छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बाद उसे झारखंड की सत्ता भी चाहिए, ताकि वह खनिज, जंगल और आदिवासी पर इन तीनों राज्यों में सत्ता की बागडोर संभाल सके. आदिवासी राजनीति में भाजपा वर्चस्व चाहती है. ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में उसे यह मुकाम हासिल भी है. लेकिन आदिवासी आंदोलनों के गढ़ झारखंड में लोकसभा चुनाव में आदिवासी सुरक्षित सभी क्षेत्रों पर उसे भारी हार का सामना करना पड़ा. इस हार से भाजपा ने जो भी सबक सीखा हो, लेकिन इतना तो कहा ही सकता है, उसे लगता है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा को कमजोर किए बगैर सत्ता के लिए उसकी राह आसान नहीं है. भाजपा ने अब तक जिन भी मुद्दों को खड़ा करने का प्रयास किया है, उसमें उसे ज्यादा कामयाबी नहीं मिली है. झारखंड के आदिवासी इलाके उसके लिए एक चुनौती बन कर खड़े हैं. लोकसभा चुनाव के समय भाजपा ने झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के घर में ही सेंध उस समय लगा दिया, जब हेमंत सोरेन जेल में थे. यानी शिबू सोरेन की पुत्रवधू को ही तोड़ कर पार्टी में मिला लिया. बावजूद इसके लोकसभा चुनाव में उसे आदिवासी क्षेत्रों में कामयाबी नहीं मिली. झामुमो की मजबूत दीवार में चंपाई सोरेन भाजपा में शामिल हो कर दरार डाल पाएंगे या नहीं, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन भाजपा की राजनीति में एक पैटर्न नजर आ रहा है, जिसे रेखांकित करने की जरूरत है. अनेक राज्यों में ऐसे नेताओं को कमान थमा दी गयी है, जो मूलतः भाजपाई नहीं हैं. झारखंड के सह प्रभारी और असम के मुख्य मंत्री हिमंता विश्वसरमा भी इसके प्रमुख प्रतीक हैं. आपरेशन चंपाई सोरेन में उनकी बड़ी भूमिका की चर्चा है. बंगाल में भाजपा की कमान तृणमूल से आए शुवेंदु अधिकारी को दे दी गयी है तो महाराष्ट्र में सहयोगी शिवसैनिक शिंदे को. कुछ अन्य राज्यों में भी इसी तरह के प्रयोग किए गए हैं. इससे जाहिर होता है कि भाजपा के पास राज्य स्तर पर नेताओं की कमी है, जो उसे चुनाव में जीत दिला सके. इसलिए विरोधी दलों के नेताओं को तोड़ कर वह अपने चुनावी अभियान को धार दे रही है. झारखंड के संदर्भ में यह तो कहा ही जा सकता है कि आदिवासी वोटरों के लिए एक नेता से ज्यादा नीति का सवाल प्रमुख रहा है. झारखंडी आदिवासियों के लिए जल, जंगल, जमीन, झारखंडी संस्कृति और पहचान का सवाल प्रमुख है. इसे स्वर देने वाले सियासी समूह ही कुछ अपवादों को छोड़ उनकी पसंद बनते रहे हैं.

> झामुमो की मजबूत दीवार में चंपाई सोरेन भाजपा में शामिल हो कर दरार डाल पाएंगे या नहीं, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन भाजपा की राजनीति में एक पैटर्न नजर आ रहा है.

सुभाषित

दुर्लभं त्रयमेवैतत् देवानुग्रहहेतुकम्।
मनुष्यत्वं मुमुक्षुत्वं महापुरूषसंश्रयः।।

इस संसार में तीन चीजें बहुत ही दुर्लभ होती हैं और उनकी प्राप्ति बिना परमेश्वर की कृपा के नहीं हो सकती. उन दुर्लभ चीजों में पहला है मनुष्य के रूप में जन्म. दूसरा है मुक्ति की इच्छा और तीसरा है महापुरुषों की संगति. इन तीनों की प्राप्ति के लिए ईश्वर की कृपा आवश्यक है.

लोकतंत्र के रोशनदान की तलाश जारी

विपक्ष मुक्त भारत के 'संकल्प' के साथ सत्ता में सक्रिय राजनीतिक पार्टी ने लोकतंत्र की राजनीतिक परिस्थिति को अ-सामान्य बना दिया है. न सिर्फ विपक्ष के प्रति बल्कि अ-सहमत नागरिकों के प्रति भी सरकार दुश्मनी का व्यवहार करने पर आमादा रहने लगी है. नागरिकों के एक हिस्से को दूसरे हिस्से से लड़ाने-भिड़ाने की चतुराई में लगी रही है. आंदोलनों से निपटने में तो इस चतुराई से सरकार ने कुछ अधिक ही काम लेना शुरू कर दिया है.

• देश-काल

प्रफुल्ल कोलख्यान

हिफाजत और हिरासत में क्या फर्क है! हिरासत में हिफाजत करना हिरासत में लेनेवाली शक्ति का दायित्व होता है. व्यक्ति की हिरासती क्षति लोकतंत्र का कलंक होती है. यहां तक तो बात सीधी और सरल है. लेकिन इसे थोड़ा-बहुत हिला-डुलाकर देखना जरूरी है. सवाल यह है कि हिफाजत के नाम पर व्यक्ति कि गतिविधि की करीबी नजरदारी का इंतजाम करने की शासकीय नीयत हो सकती है क्या? सामान्य रूप से मन में ऐसा सवाल उठना सही नहीं है. लेकिन जब परिस्थिति, राजनीतिक परिस्थिति सामान्य न हो तो ऐसा सवाल उठना ही स्वाभाविक है. सामान्य लोकतांत्रिक संरचना में सरकार और प्रतिपक्ष नागरिक व्यवस्था के दो पहलू होते हैं. ये पहलू एक दूसरे को आईना दिखाने के खेल में लगे रहते हैं. कभी-कभी एक दूसरे को चौंधिया भी दिया करते हैं. आईना देखने-दिखाने का काम अंधेरे में नहीं हो सकता है. कहने का आशय यह है कि लोकतांत्रिक राजनीति चलती रहे, इसके लिए राजनीति में रोशनी की हिफाजत करने का दायित्व सरकार और विपक्ष दोनों का होता है. लोकतंत्र की रोशनी में आम नागरिकों के जीवन का कारोबार चलता रहता है. रोशनी की हिफाजत के इसी दायित्व से बंधे होने के कारण सरकार और विपक्ष सामान्य राजनीतिक परिस्थिति में एक दूसरे के दुश्मन नहीं हो जाते हैं.

विपक्ष मुक्त भारत के 'संकल्प' के साथ सत्ता में सक्रिय राजनीतिक पार्टी ने लोकतंत्र की राजनीतिक परिस्थिति को अ-सामान्य बना दिया है. न सिर्फ विपक्ष के प्रति बल्कि अ-सहमत नागरिकों के प्रति भी सरकार दुश्मनी का व्यवहार करने पर आमादा रहने लगी है. नागरिकों के एक हिस्से को दूसरे हिस्से से लड़ाने-भिड़ाने की चतुराई में लगी रही है. आंदोलनों से निपटने में तो इस चतुराई से सरकार ने कुछ अधिक ही काम लेना शुरू कर दिया है.

'स्थाई बहुमत' के जुगाड़ के लिए जन-समूह में काल्पनिक वृतांत फैलाकर नागरिक समाज के ही एक हिस्से को 'स्थाई दुश्मन' के रूप में पेश किये जाने की आम शासकीय प्रवृत्ति विकसित कर ली गई है. यह सच है कि नागरिक समाज के विभिन्न जन-समूह में हित-भिन्नता का होना बहुत साधारण और स्वाभाविक बात है. शासक का तो मौलिक कर्तव्य होता है कि हित-भिन्नता के कारण पैदा होनेवाले अ-संतुलन को समाप्त नहीं भी तो, नियंत्रित कर पारस्परिक भरोसा और कम-से-कम कामचलाऊ संतुलन बहाल करे. लेकिन सत्ताधारी दल और उस के राजनीतिक कार्यकर्ताओं की दिलचस्पी समुदायों की हित-भिन्नताओं को पारस्परिक टकराव बढ़ाने में ही दिखती रही है. हित-भिन्नताओं में टकराव की ही बात क्या!

ऐसा लगता है कि विपक्ष के नेताओं, असहमत नागरिकों, विभिन्न क्षेत्र के व्यवसायियों आदि को 'खामोश करने' इलेक्ट्रॉल बांड से धन बटोरने, विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक वातावरण को तहस-नहस करने, पेपरलीक के मामलों को दबाने, रोजी-रोजगार के अवसरों को समाप्त करने, रह-रहकर हर बात में हिंदू-मुसलमान, 'हिंदुस्तान-पाकिस्तान' के मुद्दे भड़काने को राजनीतिक आयुध बनाकर राजनीतिक कार्यकर्ताओं को हांकने के अलावा सत्ताधारी दल के नेताओं के पास कोई काम ही नहीं बचा है. एक तरफ यह सब निर्बाध चलता रहा तो दूसरी तरफ प्रभु अवतारी हो गये!

अपने घर में आग लगाकर आग की परीक्षा लेना कहां की बुद्धिमत्ता है! जून 2022 में 'अग्निवीर' जवानों की भर्ती के लिए 'अग्निपथ योजना' शुरू की गई. सेना में जवानों की भर्ती के लिए 'अग्निपथ योजना' किस की बुद्धिमत्ता से निकली थी! कुछ भी कहना मुश्किल है. परदे के पीछे किसी मुनाफा प्रेमी कॉरपोरेट-गुरु की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता है. आम चुनाव के परिणाम प्रकट होने के ठीक पहले तक 'वास्तविक' चुनावी सर्वेक्षणों के काल्पनिक नतीजों से मुदित रहे. नेता प्रतिपक्ष सड़क से संसद तक अन्य मुद्दों के साथ-साथ 'अग्निपथ योजना' पर सवाल उठाते रहे हैं. अब, जबकि नरेंद्र मोदी घटक दलों के समर्थन से ही सही तीसरी बार प्रधानमंत्री बन गये हैं, देश उम्मीद करता है कि वे और उनकी सरकार 'अग्निपथ योजना' पर फिर से विचार करने से नहीं हिचकेगी. हालांकि अपनी 'सांस्कृतिक जिद' के चलते वे देश की उम्मीदों पर खरे उतरने की कोशिश करते हुए बहुत नहीं दिखे हैं.

ऐसा ही मामला जातिवार जनगणना और आर्थिक सर्वेक्षण का है. कई कारणों से जातिवार जनगणना और आर्थिक सर्वेक्षण सामाजिक और आर्थिक न्याय सुनिश्चित करने की योजना बनाने और लोकतांत्रिक भागीदारी की सफलता की दृष्टि से भी अति-महत्वपूर्ण और संवेदनशील मामला है. इस मुद्दे को भी 'न्याय योद्धा' सड़क से संसद तक बहुत ही शिद्दत से लगातार उठाते रहे हैं. लेकिन सरकार लगातार इस मुद्दे पर कन्नी काटती रही है. पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को राहुल गांधी की आवाज में दम दिखता है. असल में अब भारत की लोकतांत्रिक राजनीति को सिर्फ राजनीतिक नेताओं के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है. भारत के लोकतंत्र में असंगत और विचित्र स्थिति बन गई है. ऐसा लगता है कि नेताओं के राजनीतिक हित और आम जनता के नागरिक हित को लगभग एक दूसरे के विरुद्ध 'युद्ध के मैदान' में खड़ा कर दिया गया है. विभिन्न तरह के राजनीतिक चक्रव्यूहों और लोकतांत्रिक व्यूहों में फंसे नागरिक समाज को सावधानी से लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भरोसा करना ही होगा. जी, भरोसा क्षरण के इस युग में भरोसा को बचाने की अधिकतम कोशिश भी नागरिक समाज का प्रमुख दायित्व है. नागरिक समाज के इस प्रमुख दायित्व के महत्व को राजनीतिक कार्यकर्ता समझें या न समझें, सामाजिक कार्यकर्ताओं को जरूर समझना होगा.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | ओशो

सत्य का निर्माण नहीं होता

बाहर-बाहर की खोज से सत्य नहीं मिल सकता. सत्य है भीतर और भीतर का जो डायमेंशन है, भीतर का जो आयाम है वह जो आंतरिक है, वह जो इनवर्ट है, वहां विज्ञान की कोई गति नहीं, क्योंकि विज्ञान का मतलब ही यह है कि जो बाहर है, उसे खोजने की व्यवस्था. इसलिए विज्ञान सत्य को न खोज सका, लेकिन विज्ञान की शक्ति की खोज ने हमें बहुत मुश्किल में डाल दिया है. हमें ऐसा लगता है कि विज्ञान के पास खोजने के सब आयाम उपलब्ध हो गए. इसलिए भीतर के आयाम की बात ही मंदी और धीमी हो गई है. इसलिए पिछले हजार वर्षों में बुद्ध और महावीर और क्राइस्ट के हैसियत के लोग पैदा नहीं किए जा सके. क्योंकि वे भीतर की आयाम की यात्रा में पैदा होते थे. इनर डायमेंशन की खोज में जो लोग जाते थे, वहां पैदा होते थे. इसलिए पिछले तीन सौ वर्षों में मनुष्य की प्रतिभा ने आइंस्टीन पैदा किया, न्यूटन पैदा किया प्लांक पैदा किया और और तरह के लोग पैदा किए जो बाहर की खोज की यात्रा पर मिली हुई प्रतिभा के चरण हैं. लेकिन भीतर की खोज की प्रतिभा जो थी उसके चरण पिछले निरंतर हजार वर्षों में क्षीण होते चले गए. धीरे-धीरे हमें ऐसा लगा विज्ञान से सब मिल जाएगा. इसलिए भीतर की बात ही फिजूल है. बाहर ही सब मिल जाएगा. विज्ञान राबिया की भूल कर रहा है. और आज नहीं कल विज्ञान पर सारी दुनिया वैसे ही हंसेगी जैसे राबिया पर उस दिन उस गांव के लोग हंसे और उन्होंने कहा, पागल! अगर भीतर खोया है तो भीतर ही खोजना पड़ेगा. रोशनी बाहर होने से कुछ भी नहीं होता. सूरज और चांद और तारे और रौशनी बहुत हैं. बाहर प्रकृति की शक्तियां हैं. बहुत बाहर परमात्मा का फैलाव है, बहुत बाहर. लेकिन सत्य का पहला अनुभव भीतर ही होता है. ये भीतर पहला पहलू है सत्य का. इनवर्टनेस सत्य की पहली क्वालिटी. सत्य का पहला लक्षण और पहला गुण भीतरी होना है. सत्य की तरफ एक दूसरी तरफ से भी हम सोचें. मनुष्य बहुत कुछ निर्माण कर सकता है. लेकिन सत्य निर्माण नहीं कर सकता. क्योंकि सत्य को निर्मित करने का कोई उपाय नहीं है. सत्य वह है जो है ही. मनुष्य जो भी निर्माण करेगा वह एक अर्थ में असत्य होगा. वह इस अर्थ में असत्य होगा, क्योंकि वह निर्मित है, क्रिएटेड है, बनाया गया है. सत्य वह है जो अन-क्रिएटेड है, बनाया नहीं गया, है. इजनेस जिसका गुण है, होना जिसका गुण है, जो है. जब सब बनाई गई चीजें नहीं थीं तब भी था और जब सब बनाई गई चीजें मिट जाएंगी तब भी होगा.

रहस्य को सुलझाने की तलाश में वैज्ञानिक

• विज्ञान

डा. नवनीत नव

एक और सिद्धांत है जिसका नाम है एक्पायरोटिक यूनिवर्स. इस थ्योरी के अनुसार बिग बैंग शुरुआत नहीं थी. बल्कि या किन्हीं दो उच्चतर आयामी कॉस्मिक फैब्रिक परतों के आपस में टकराने का नतीजा था. जैसे एक परत थी हमारे यूनिवर्स की और उसके साथ इंटरेक्शन हुआ एक अन्य आयामी परत के साथ और इसके साथ ही त्रिआयामी स्पेस और चौथा आयाम समय अस्तित्व में आया. इस थ्योरी का नाम ग्रीक शब्द एक्पायरसिस से बनाया गया है, जिसका अर्थ होता है दावानल यानी भीषण अग्नि जो सबकुछ नष्ट कर देती है. यानी दो उच्चतर आयामी कॉस्मिक परतों के भीषण टकराव से यूनिवर्स का जन्म हुआ. तो ये कुछ थ्योरीज हैं जो बिग बैंग के पहले की घटनाओं का अनुमान लगाने की कोशिश करती हैं. इन सबमें एक बात कॉमन है. वह है सिंगुलैरिटी. बिग बैंग से पहले जो भी हुआ हो, सिंगुलैरिटी तो जरूर रही होगी. ऐसा अधिकतर वैज्ञानिकों का मानना है. सिंगुलैरिटी में घनत्व और ऊर्जा असीमित होते हैं और इसलिए यहां भौतिकी के सभी नियम उलट पलट हो जाते हैं, बिखर जाते हैं. हमारा आज का वैज्ञानिक ज्ञान भौतिकी के उन्हीं नियमों पर आधारित है जिन्हें हम अभी समझते हैं. इनके आधार पर हम बिग बैंग से पहले की सिंगुलैरिटी को समझने की कोशिश करेंगे तो वह ऐसे ही होगा जैसे कंप्यूटर का ईजाद हुए बिना हम इंटरनेट को समझने की कोशिश करते. अब कुछ वैज्ञानिकों का तो यहां तक मानना है कि बिग बैंग से पहले की बात करना ही बेमानी है. क्योंकि अगर समय की शुरुआत ही बिग बैंग से हुई है तो समय से "पहले" का तो कोई सवाल ही नहीं उठता. जैसे हम उत्तरी ध्रुव पर खड़े होकर पूछें कि उत्तरी ध्रुव के उत्तर में क्या है? हमारी आज की समझ के हिसाब से तो यह सवाल ही नहीं बनता. ब्रायन कॉक्स एक ब्रिटिश भौतिकविद हैं. इनका मानना है कि बिग बैंग असल में एक नये यूनिवर्स की शुरुआत नहीं थी. बल्कि यह एक ट्रांसफॉर्मेशन यानी बदलाव था किसी पुराने अस्तित्व में. ऐसा अस्तित्व या फ्रेमवर्क जो अभी हम समझ नहीं पाये हैं. बिग बैंग से इस यूनिवर्स का तो पता चलता है, लेकिन यह थ्योरी संपूर्ण अस्तित्व को परिभाषित नहीं करती. स्टीफन हॉकिंग और जेम्स हार्टल ने और प्रस्ताव दिया था जिसे नो बांउडरी कनेंक्सन या हर्टल-हवाकिंग स्टेट कहा जाता है. इस थ्योरी के अनुसार यूनिवर्स की कोई सीमा रेखा या एज नहीं है. स्पेस टाइम खुद ही सिंगुलैरिटी से उत्पन्न हुआ है. इसलिए बिग बैंग से ₹पहले₹ का सवाल बेमानी है. नील डिग्रास टायसन किसी एक थ्योरी का समर्थन नहीं करते. उनके अनुसार हमें इस बारे में लगातार जानने की समझने की कोशिश करते रहना चाहिए. हमारे पास बहुत से आइडियाज हैं, लेकिन कोई सही जवाब अभी दूर की कौड़ी है. ब्रायन ग्रीन मल्टीवर्स थ्योरी के समर्थक हैं. उनके अनुसार बहुत सारे अलग अलग यूनिवर्स के बुलबुले हैं, जिनके अपने नियम हैं.लॉरेंस क्रॉस के अनुसार यूनिवर्स क्वांटम फ्लक्चुएशंस का नतीजा है. वह कहते हैं कि बिग बैंग से पहले "कुछ नहीं" था. लेकिन यह "कुछ नहीं" ही असल में क्वांटम फ्लक्चुएशंस हैं. क्वांटम मैकेनिक्स में "कुछ नहीं" का मतलब अस्तित्वहीनता नहीं होता, बल्कि यह एक क्वांटम अवस्था होती है.तो बिग बैंग से पहले क्या था? सवाल अभी भी वही है. हमने इतनी बड़ी पोस्ट भी पढ़ ली. और कोई सही जवाब भी नहीं मिला. सही पूछें तो जवाब है भी नहीं. कम से कम अभी तक तो नहीं है. जैसे डार्क मैटर और डार्क एनर्जी क्या हैं? हमारे पास इसका अभी कोई जवाब नहीं है. यूनिवर्स में बहुत से ऐसे रहस्य हैं जिनका कोई सेंस नहीं है. नील डिग्रास टायसन के शब्दों में कहें तो यूनिवर्स को हमारे लिए सेंस बनाने की कोई जबरदस्ती भी नहीं है. यह हमारे हाथ में नहीं है कि यूनिवर्स किस प्रकार व्यवहार करता है. लेकिन एक चीज पर हमारा नियंत्रण जरूर है. वह है हमारी जिज्ञासा और समझने व सीखने की हमारी इच्छा. आखिर यही चीज है जो हमें इंसान बनाती है. ऑफकोर्स उत्पादक गतिविधियों में शामिल होना भी हमारे इंसान होने का एक कारण है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> हमारा आज का वैज्ञानिक ज्ञान भौतिकी के उन्हीं नियमों पर आधारित है जिन्हें हम अभी समझते हैं. इनके आधार पर हम बिग बैंग से पहले की सिंगुलैरिटी को समझने की कोशिश करेंगे तो वह ऐसे ही होगा जैसे कंप्यूटर का ईजाद हुए बिना हम इंटरनेट को समझने की कोशिश करते. अब कुछ वैज्ञानिकों का तो यहां तक मानना है कि बिग बैंग से पहले की बात करना ही बेमानी है.

बंधक बना करवाई जा रही साइबर ठगी

• अपराध

पुष्परंजन

पापा, मैं कंबोडिया में हूं, मैं चीन के अंदर नहीं हूं," युवक ने आंसू बहाते हुए कहा. उसकी आवाज़ टूट रही थी, और उसकी नाक से खून बह रहा था. " मैं आपसे विनती करता हूं, कृपया पैसे भेज दें." फिरौती का वीडियो, जो पीड़ित के माता-पिता को भेजा गया था, निक्केई एशिया यूट्यूब द्वारा दिखाए गए कई वीडियो में से एक था, जो कंबोडिया में मानव तस्करी के पीड़ितों को बचाने में मदद करता है. फिरौती के दूसरे वीडियो में एक हथकड़ी लगे व्यक्ति को डंडे से पीटा जा रहा है, जबकि अन्य पीड़ित डरे-सहमे हुए उसे देख रहे हैं. एक अन्य वीडियो में एक बिना शर्ट के शख्स को ज़मीन पर हथकड़ी लगाए हुए दिखाया गया है, जिसे डंडे से पीटा जा रहा है. दो और बंदी, जिन्हें पास की खिड़की की ग्रिल से हथकड़ी लगाई गई है, वे डरे हुए उसे देख रहे हैं. तीसरे वीडियो में, एक व्यक्ति, जिसकी गर्दन पर एक पैर है, दर्द से कराह रहा है, क्योंकि उसे टेजर से बिजली का झटका दिया जा रहा है.ये वीडियो अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क द्वारा संचालित उस अंधेरी दुनिया की झलक दिखाते हैं, जो चीन से लोगों को वियतनाम के रास्ते कंबोडिया और म्यांमार में साइबर ग़ुलाम बनाने में सक्षम हैं. ये माफिया मुख्य रूप से ऑनलाइन जुआ संचालन के लिए जाने जाते हैं. अब इन्होंने बंदियों को ऑनलाइन ठगी करने के लिए मजबूर करना शुरू किया है. ये लोग 2016 में कम्बोडिया के तटीय शहर सिहानोकविले आए थे. फिलीपींस से भगाये गए, तो उन्हें कंबोडिया में ढीले नियमों का सहारा मिल गया. सिहानोकविले "दक्षिण पूर्व एशिया का मकाऊ" बन चुका है. यहां का चीनी गैंग, मेन लैंड चाइना से अंग्रेजी भाषी आईटी एक्सपर्ट युवाओं को फंसाता है और उन्हें म्यांमार-कम्बोडिया, लाओस, थाईलैंड-वियतनाम के उन कैम्पों में क़ैद करता है, जो मेकोंग नदी से लगे तटीय और निरापद इलाक़े हैं. अब इन्होंने मालदीव, मिडल ईस्ट से लेकर उत्तरी अफ्रीकी देशों में भी नया ठिकाना बनाया है. बढ़ते दबाव के कारण साइबर अपराधियों ने नाइजीरिया, इथियोपिया, यूएई और मिडल ईस्ट के दूसरे देशों को पसंदीदा गंतव्य बनाया है. उदाहरण के लिए, आप दुबई के अल आइन रोड को तलाशिये, चाइनीज़ ठगों के अड्डे मिल जायंगे. द पीपल्स डेली की एक रिपोर्ट के अनुसार, तस्करी किए गए लोगों में से 10 से पंद्रह प्रतिशत महिलाएं हैं, जिन्हें परिसर में सेक्स वर्क के लिए इस्तेमाल किया जाता है, या फिर वेबकैम पर अश्लील शो करने के लिए मजबूर किया जाता है. कंबोडिया में चीनी और वियतनामी दूतावासों ने मानव तस्करी करने वाले समूहों के बारे में लगातार चेतावनी जारी की है. वे वार्निंग देते हैं, ₹ जो आपका इंतज़ार कर रहा है, वह उच्च वेतन नहीं है, बल्कि ऑनलाइन जुए के अड्डों द्वारा अवैध कारावास और अपहरण है.₹ खमेर टाइम्स ने बताया, 2021 की पहली छमाही में कंबोडियाई अधिकारियों ने मानव तस्करी के 139 मामलों और यौन शोषण के 59 मामलों को पकड़ा गया था. लेकिन शिन्हुआ की रपट थी कि यह अपराध और भयावह रूप से बढ़ा है. चीनी आपराधिक नेटवर्क, जो कुछ साल पहले चीन में इसी तरह की हरकतें कर रहे थे, अब विदेशों में उनका विस्तार हो रहा है. वे ऐसी जगहें तलाश रहे हैं, जहां भ्रष्ट शासन व्यवस्था है. " ग्लोबल टाइम्स जैसे टेब्लॉइड अख़बार ने जानकारी दी कि संगठित साइबर अपराधियों के इस गैंग ने बहुत सारी अपहृत महिलाओं को वेश्यावृत्ति में धकेल दिया. सबसे चिंताजनक यह है कि चीनी मानव तस्करों ने श्रीलंकन और भारतीय आईटी एक्सपर्ट्स को अपने चंगुल में फंसाया है. अभी श्रीलंका में चुनाव की वजह से ग़ुलाम बनाये युवा आईटीअन को वापिस लाने के सारे प्रयास स्थगित हैं, लेकिन इन्होंने भारत सरकार से कोऑर्डिनेट किया है.बहु-मंत्रालयी सहयोग का उद्देश्य साइबर घोटालों से निपटने और ग़ुलाम बनाये नागरिकों को बचाने के लिए एक प्रभावी रणनीति तैयार करना है. 16 अप्रैल 2024 को म्यांमार के साइबर स्लेव कैम्प से आठ श्रीलंकन छुड़ाए गए, जिनमें दो औरतें भी थीं. अब भी 56 ऐसे अभागे लोगों का पता यांगून स्थित श्रीलंकाई दूतावास को चला है, जिन्हें रिहा कराने के प्रयास चल रहे हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> ये माफिया मुख्य रूप से ऑनलाइन जुआ संचालन के लिए जाने जाते हैं. अब इन्होंने बंदियों को ऑनलाइन ठगी करने के लिए मजबूर करना शुरू किया है. ये लोग 2016 में कम्बोडिया के तटीय शहर सिहानोकविले आए थे. फिलीपींस से भगाये गए, तो उन्हें कंबोडिया में ढीले नियमों का सहारा मिल गया.

मीडिया में अन्यत्र

बहु-विलंबित जनगणना के मायने

बताया जाता है कि केंद्र सरकार बहु-विलंबित जनगणना में आंकड़ों के संग्रह के विस्तार पर विचार कर रही है, ताकि जाति गणना को इसमें शामिल किया जा सके. यह पूरे विषय को और उलझाने का ही मामला हो सकता है. जाति को जनगणना के तत्वों (वैरिएबल्स) में से एक के रूप में शामिल किये जाने की संभावना, कई राजनीतिक पार्टियों द्वारा जाति जनगणना की जोरदार मांग का नतीजा हो सकती है. लेकिन, 2011 की सामाजिक-आर्थिक एवं जाति जनगणना की अधूरी और खराब ढंग से सूत्रबद्ध प्रकृति के परिणामस्वरूप ऐसे आंकड़े मिले जो बोझिल व त्रुटिपूर्ण थे, और इसलिए इस्तेमाल लायक नहीं थे. इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार को जाति के आंकड़े को तालिकाबद्ध करने के लिए महापंजीयक के कार्यालय और अन्य एजेंसियों का इस्तेमाल जल्दबाजी में बिल्कुल नहीं करना चाहिए. सबसे पहले जनगणना युद्धस्तर पर कराने के लिए एक निश्चित समयावधि होनी चाहिए. सन् 2026 में पहले परिसीमन कराने की अनुमति देने के लिए, अगर जनगणना में जान-बूझ कर देरी की जा रही है, तो यह न सिर्फ सार्वजनिक नीतियों के लिए, बल्कि राज्यों के साथ संबंधों के लिए भी नुकसानदेह होगा. जून 2024 तक, 233 देशों में से, भारत उन 44 देशों में एक था जिन्होंने इस दशक में जनगणना नहीं करायी है. केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा बताया गया कारण यह था कि देर कोविड-19 महामारी के चलते हुई, लेकिन 143 अन्य देशों ने मार्च 2020 (जब महामारी शुरू हुई थी) के बाद जनगणना करायी. भारत जनगणना न कराने की इस संदेहास्पद खासियत के मामले में यमन, सीरिया, अफगानिस्तान, म्यांमार, यूक्रेन, श्रीलंका और उप-सहारा अफ्रीकी देशों जैसे संघर्ष, आर्थिक संकट या उथल-पुथल से प्रभावित देशों के साथ खड़ा है.सन् 1881 से 2011 तक दस-वर्षीय जनगणना बिना चूक के हुई है और अब इसमें देरी का कोई बहाना मौजूद नहीं है. फिर भी जिलों, तहसीलों, कस्बों और नगर निकायों की प्रशासनिक चौहद्दी स्थिर करने की समयसीमा इस साल 30 जून को खत्म हो गयी. इस समयसीमा को 2019 से 10 बार बढ़ाया गया है. जनगणना कराये जाने से पहले चौहद्दी स्थिर करने की जरूरत होती है. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम जैसी कई सार्वजनिक योजनाएं और निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन जनगणना कराये जाने पर निर्भर हैं. इसके अलावा, पारिवारिक और सामाजिक उपभोग से जुड़ी नीतियों के निर्धारण में काम आने वाले सांख्यिकीय सर्वेक्षण (जिनमें राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण, आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण, और सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम इत्यादि शामिल हैं) अपने सैंपलिंग फ्रेम के निर्धारण के लिए जनगणना का इस्तेमाल करते हैं.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

ठूंसना/ठूसना

अपने बचपन में मैं 'हाथी' को 'हांथी' बोला करता था और 'चूहा' को 'चूहां'. अब भी 'हाथ' का उच्चारण कई लोगों को 'हांथ' करते हुए सुनता हूं. 'ग्यारह' को 'इग्यारह' बोलनेवाले कई लोग आपको मिल जाएंगे. वजह क्या है यह तो नहीं मालूम लेकिन अपने बिहार-झारखंड में नासिक्य से लोगों का अतिरिक्त प्यार देखता हूं. बोलचाल में वे अक्सर कई वर्णों पर बिंदी का इस्तेमाल गैरजरूरी रूप से कर लिया करते हैं या 'दीर्घ ऊ' का उच्चारण 'हर्स्व उ' में किया करते हैं. कई बार तो ठीक इसके उलट 'हर्स्व उ' का उच्चारण 'दीर्घ ऊ' के रूप में करते हैं. मुझे ध्यान है कि छठी क्लास में जो शिक्षक हमें गणित पढ़ाया करते थे, वे हम सबको धमकाने वाले अंदाज में कहते थे 'अभिए बुझ लो, जितना बुझना है. हम अभिए दस बार बताने को तइयार हैं. ठुंस लो माथा में. कल जब हम पुछेंगे और नई बताया तो कपार फोड़ देंगे.' बिहार में 'बुझ लेना या बुझ लो' का मतलब 'समझ लेना' या 'समझ लो' से है. और यह 'कपार' शब्द तो 'कपाल' से ही बना होगा, जिसके लिए बिहार-झारखंड में 'मूड़ी' या 'मुंडी' शब्द भी खूब प्रचलित है. इस 'बुझना' शब्द पर ध्यान जाता है कि हिंदी में इसका इस्तेमाल 'समझ-बूझकर' के रूप में होता है. कई बार वाक्य के मुताबिक यह 'समझा-बुझाकर' भी इस्तेमाल किया जाता है. मसलन-पुलिस ने आक्रोशित लोगों को 'समझा-बुझाकर' जाम खुलवाया. किसी चीज में जबरन कोई चीज भरने/अंटाने/रखने की प्रक्रिया के लिए 'ठूसना' शब्द का इस्तेमाल होता है. इस 'ठूसने' पर बिंदी नहीं लगती. मान लीजिए कि आप कहीं यात्रा पर जा रहे हों और बैग में जरा भी जगह नहीं बची है कि उसमें कोई और सामान अंट पाए. लेकिन कुछ कपड़े अब भी बैग से बाहर पड़े हैं, जिसे ले जाना जरूरी है. ऐसी स्थिति में हम बैग में जब और कपड़े 'रखने की कोशिश करते हैं' तो इसे ठूसना ही कहते हैं. देशज रूप में यह 'ठूसना' 'ठुस' भी बन जाता है. मसलन, ठुस-ठुस कर कपड़ा रख लिया, अब और इसमें नहीं अंटेगा. उम्मीद है, मेरी बात आप 'बुझ' गए होंगे और कुछ शब्द आपके 'कपार' में 'ठुंस' भी गए होंगे.

योग्य व्यक्ति को ढूंढते रह जाओगे

• तीर-तुक्का

डॉ. एसके पाण्डेय

जिस प्रकार देश में योग्य लोगों की पूछ घटती जा रही है, यह घोर ही नहीं, बल्कि घनघोर चिंता का विषय है. अगर समय रहते उपाय नहीं किया गया तो वह दिन दूर नहीं, जब योग्य ढूंढे नहीं मिलेंगे. लुप्त हो जाएंगे. जो सचमुच बीमार है मतलब वास्तव में जो इलाज के योग्य हैं, उसका इलाज ही नहीं हो पाता तथा जिन्हें कोई बीमारी ही नहीं है उसके इलाज पर लाखों खर्च किया जाता है. जो वास्तव में भूखा है मतलब जो भोजन दिए जाने योग्य है उसे भोजन नहीं मिल पाता. और जो अघाये हुए ही नही बल्कि भंडारण किये हुए हैं वे दो रुपये किलो अनाज वाली योजना का लाभ उठा रहे हैं. जो घर दिए जाने योग्य हैं मतलब जिन्हें रहने के लिए घर नहीं है. उन्हें आवासीय योजना का लाभ नहीं मिलता. वहीं जिनके पास एक मंजिला इमारत पहले से ही है, उसे दो मंजिला बनवाने के लिए इन्दिरा आवास योजना का एक बार नही चार-चार बार लाभ दिया जाता है. कई लड़के-लड़कियां विवाह के योग्य नहीं होते, लेकिन उनका विवाह कर दिया जाता है. वहीं कई लोग विवाह के योग्य होते हुए भी अविवाहित रह जाते हैं. कई लोग तो भाग जाने व भगा लाने की हद तक पहुंच जाते हैं. कई विद्यार्थी जो पास होने के भी योग्य नहीं होते, उनको टॉप करा दिया जाता है (पिछले साल परीक्षा में माथुर जी के लड़के की कॉपी बदली जा चुकी है). कई लोग जो कभी विद्यार्थी बनने के भी योग्य नहीं रहे, वे शिक्षक बना दिए जाते हैं. ऐसे लोगों के कोचिंगों में भी बहुत भीड़ जमा होती है. जबकि पास में ही सारी पढ़ाई पढ़े पर कढे न होने के कारण पढ़ाकू जी के कोचिंग में हवा दौड़ती है. घर के पूजने योग्य जोगी को जोगड़ा (नाम तक नहीं जानते) और बाहर के जोगड़ों को बड़ा सिद्ध समझकर लोग 'घर का जोगी जोगड़ा आन गांव का सिद्ध' वाली उक्ति को चरितार्थ करते हैं. जहां अपने बाप को बाप कहने तक में शर्म लगती है वहीं दूसरे के बाप का सत्कार किया जाता है. अपना बाप कब आया, कब गया पता ही नही चलता. और दूसरे के बाप के आगमन पर पार्टी दी जाती है, जश्न मनाया जाता है. अपने बाप को इस कदर भूलते जा रहे हैं कि उनका नाम तक याद नहीं रहता और दूसरे के बाप की जीवन गाथा तक लिख डालते हैं. कहां तक बताएं इसी तरह की हजारों बातों का दस्तावेज बनाकर माथुर साहब सरकार के पास भेज दिए हैं. सरकार ने उसके अध्ययन के लिए कई टीमें गठित कर दी हैं, जिस पर रोज लाखों रूपये का खर्चा आ रहा है. दो बार अध्ययन की समय सीमा भी बढ़ाई जा चुकी है. जब तक उनका फैसला आये हम फैसला पाठकों पर छोड़ते हैं.

लाइफ लाइन

झारखंड के औषधीय पौधे

चकवड़, गोखरु, कौवाठोड़ी जैसे औषधीय पौधों का है मौसम

झारखंड में बरसात का मौसम में ग्राम औषधीय पौधों की आमद का मौसम होता है. दिसंबर माह आते-आते इन पौधों में मेडिसनल गुण आ जाते हैं और इसी समय इन्हें एकत्र करने का काम भी शुरू होता है. झारखंड में सर्वत्र व्याप्त ग्राम औषधीय पौधा को लें तो वह है चकवड़. चकवड़ चर्मरोग के लिए विख्यात है. अर्थात चर्मरोग की लगभग जितनी भी दवाइयां है उसमें चकवड़ का उपयोग होता ही है. चकवड़ पौधा के कोमल पत्तों का आदिवासी या ग्रामीण इलाकों में एकत्रित कर सुखा कर रखते हैं और भोजन में आवश्यकतानुसार शामिल करते हैं. यह प्रचलन आज भी मैकलुस्कीगंज में हम देखते हैं.

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

ग्राम औषधीय पौधा में चार तरह के बला नामक औषधीय पौधा आते हैं जिनको खिरैटी या बरियारी, महाबला अर्थात सहदेई, कंघी और गंगेरन अर्थात गुलसकरी कहते हैं. अपामार्ग नामक औषधीय पौधा समस्त झारखंड प्रदेश के गांव में वर्षाकाल में मिल जाते हैं. गोखरु, कौवाठोड़ी इत्यादि भी ग्राम औषधीय पौधा है.

इन सभी ग्राम औषधीय पौधा को पार्थेनियम घास निगल रही है. पार्थेनियम घास से मानव को बहुत हानि हैं पर सबसे ज्यादा हानि एक दर्जन से अधिक ग्राम औषधीय पौधा को हो रहा है.

ग्राम औषधीय पौधा पर विशेष ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है क्योंकि आने वाले कल यही औषधीय पौधे जीवन रक्षक की भूमिका में रहेगी. महाभारत काल से लेकर, रामायण काल से लेकर आज तक मुख्य भूमिका में औषधीय पौधे जीवन रक्षक के रूप में स्थान बनाए हुए हैं. आने वाले समय में ये ग्राम औषधीय पौधा ही काम आएंगे क्योंकि आने वाले बीस वर्षों बाद सुगर,थायरॉयड ग्रंथि इत्यादि इत्यादि से अधिकतम मानव जीवन पीड़ित हो जाएंगे और जब शोध होगा तब इन्हीं ग्राम औषधीय पौधा में हल मिलेगा निरोग होने के लिए. भारत सरकार और झारखंड सरकार को चाहिए की पार्थेनियम घास से ग्राम औषधीय पौधा की रक्षा करें, ग्राम औषधीय पौधा का संरक्षण प्रदान करें.

(औषधीय पौधा की खेती एवं संवर्धन संरक्षण के जानकार)

सभी तस्वीर : अनिल कुमार पाठक

माइग्रेन के दर्द को न समझे साधारण सिरदर्द

इन योग की मदद से पा सकते हैं छुटकारा

माइग्रेन में सिर के आधे हिस्से में काफी तेज दर्द होता है. दर्द में एक मिनट के लिए भी राहत नहीं होती है,जो कि असहनीय बन जाता है. इसे लोग सिरदर्द समझने की गलती कर बैठते हैं. आसपास की तेज आवाज से चिढ़ होने लगती है. तेज रोशनी भी आंखों में चुभती है. इसके साथ जी मिचलाता है और उल्टी आती है. नींद की कमी, अत्यधिक तनाव लेना, शरीर में पोषण की कमी आदि माइग्रेन के कारण होते है. लेकिन योग की मदद से माइग्रेन के दर्द में छुटकारा पा सकते हैं. आइये जानते हैं कुछ सामान्य आसन जो माइग्रेन के दर्द राहत पाने में मदद करेंगे.

ऋषि रंजन
योग एक्सपर्ट

माइंडफुलनेस पोज

- सबसे पहले सुखासन की मुद्रा में बैठ जाएं.
- दोनों हाथों की उंगलियों को माथे के बीच में रखें.
- अब उंगलियों से हल्का प्रेशर डालें.
- धीरे-धीरे अपनी उंगलियों को नीचे कानों की तरफ ले जाएं.
- अब आंखें बंद करके तर्जनी उंगली से आंखों की पुतली हल्के तरीके से घुमाएं.

- आंखों को बंद करके उंगली को धीरे-धीरे घुमाएं.
- फिर उंगली को उल्टी दिशा में घुमाएं.

इंडेक्स पोज

- सबसे पहले सुखासन में बैठ जाएं और तर्जनी उंगली को माथे के बीच में रखें.
- सिर्फ उंगली की टिप माथे से छुए और बाकी हिस्से के बीच एक उंगली का गैप रखें.
- अब उंगली से थोड़ा प्रेशर डालें.

टैपिंग

- सुखासन में बैठकर ठुड्डी को नीचे करें.
- अब दोनों हाथों की उंगलियों से पूरे चेहरे पर थपकी लगाएं.
- इससे अच्छा प्रभाव मिलेगा.

शवासन : शवासन पूर्ण विश्राम की अवस्था है. इसे 'डेथ पोज' भी कहा जाता है क्योंकि इस आसन के लिए आपको केवल लेटने की आवश्यकता होती है. इस पोजीशन में आपके शरीर का हर अंग जमीन पर होता है. यह तनाव मुक्त करता है और मस्तिष्क को ऑक्सीजन लेते हुए अधिक सचेत रूप से सांस लेने की अनुमति देता है.

प्राणायाम : माइग्रेन की एक मुख्य वजह तनाव होता है. ऐसे में प्राणायाम का अभ्यास करना कई तरह से फायदेमंद होता है. कई तरह के प्राणायाम जैसे ओम् चैटिंग, कपालभांति प्राणायाम, अनुलोम-विलोम प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम आदि का अभ्यास अवश्य करना चाहिए.

इन दिनों जहां देखिए, लोग अपनी शारीरिक समस्याओं से जूझते नजर आते हैं. कोई लगातार छींक, नाक बंद होने से परेशान है तो कोई खुजली की समस्या से बेहाल है. किसी की आंखें पीड़ित हैं तो कोई गले के संक्रमण से जूझ रहा है. खास तौर पर वे जो कमजोर प्रतिरोधात्मक क्षमता वाले हैं, उनमें मौसम की मार अधिक नजर आ रही.

बेरहम हो रहा मौसम, रखिए ख्याल

डॉ राजेश कुमार सिंह
फिजीशियन व गहन रोग विशेषज्ञ, मेडिका, रांची

इन दिनों मौसम की मार हमारे स्वास्थ्य पर पर रही. छींक, खांसी, नाक बहना, चेहरे पर खुजली, पेट में संक्रमण, कंजेक्टिवाइटिस ये समस्याएं आम हैं. घर-घर इससे पीड़ित नजर आ रहे. खासतौर पर कमजोर इम्यूनिटी वाले लोग एलर्जी के शिकार हो रहे. आइए, कुछ कॉमन स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, इसके लक्षण और उपचार के बारे में आपको जानकारी दें-

टायफाइड

इन दिनों टाइफाइड की समस्या भी आम है. टाइफाइड के मरीजों के कीटाणु हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं. आमतौर पर यह भोजन के जरिए ही आते हैं क्योंकि टायफ्ज़ाइड के कीटाणु पेट के रास्ते ही प्रवेश करते हैं.

रोग के लक्षण

टायफाइड होने पर बुखार का लक्षण उभरता है. इसके अलावा पेटदर्द की शिकायत हो सकती है. पीड़ित उल्टी और बार बार पखाना करने की समस्या से पीड़ित हो सकता है.

क्या करें

इस मौसम में स्ट्रीट फूड या रेस्त्रां में खाने से बचें. भीड़ भाड़ या पार्टी में भी नहीं खाएं, क्योंकि अधिक लोगों का खाना बनाने के कारण यहां हाईजीन का ख्याल रखना जरा मुश्किल होता है. घर में भी खाना बनाते समय साफ सफाई का खास ख्याल रखें. अच्छी तरह हाथ धो कर खाएं.

वायरल फीवर

इन दिनों जिसको देखिए वहीं हाई फीवर, गले में दर्द, नाक से पानी जाना, गले में खरास, सिर दर्द आदि की समस्या से ग्रस्त है. दरअसल वायरल फीवर की समस्या इन दिनों आम है. बेहद कमजोरी का अनुभव कराने वाले वायरल फीवर में आमतौर पर एक सौ एक, एक सौ दो फीवर से मरीज जूझते हैं.

रोग के लक्षण : हाई फीवर, गले में दर्द, नाक से पानी जाना, गले में खरास, सिर दर्द आदि के लक्षण उभर सकते हैं. बेतरह थकावट, शारीरिक कमजोरी की शिकायत भी मरीज कर सकता है.

क्या करें : गुनगुने पानी में नमक डाल कर गार्गल करें. लक्षण के अनुसार दवाएं लें. जैसे फीवर होने पर पैरासिटामोल लें. नाक से पानी जाने पर सिट्राजिन जैसी दवाएं लें. जरुरत पड़ने पर चिकित्सक की सलाह से एंटी बायोटिक का सेवन करें.

कंजेक्टिवाइटिस (आई फ्लू)

बरसात के मौसम में वातावरण में तरह-तरह के वायरस-बेक्टीरिया और एलर्जन की सक्रियता काफी बढ़ जाती है. इस मौसम में कंजेक्टिवाइटिस का खतरा अधिक रहता है.

रोग के लक्षण : आंखों में बहुत खुजली होती है, जलन का अहसास हो सकता है. आंखें लाल सी हो जाती हैं. संक्रमित आंखों से लगातार पानी आने की समस्या होती है.

क्या करें : इस तरह के लक्षण सामने आए तो कॉन्टेक्ट लेंस न लगाएं. गर्म कपड़े का सेक करें. साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें. बिना सफाई के कॉन्टेक्ट लेंस, चश्मे, तौलिए का उपयोग इस रोग की आशंका को बढ़ाता है.

अस्थमा

अस्थमा के मरीजों के लिए यह मौसम लक्षणों को बढ़ाने वाला होता है. पूरे सितंबर-अक्टूबर मास तक कमोबेश यह स्थिति बनी रहती है. अस्थमा सांस फूलने की बीमारी है. इसमें सांस की नलियों में खराबी या उसके फेफड़ों की नलियां पतली हो जाती हैं और उसके कारण सांस लेने में तकलीफ होती है तो इस बीमारी को अस्थमा कहा जाता है.

रोग के लक्षण : सांस फूलना या सांस लेने में तकलीफ महसूस करना, अत्यधिक खांसी आना, डस्ट या धुएं से एलर्जी होना.

क्या करें : धूल-मिट्टी से बचें. जब झाड़ू या साफ-सफाई जैसे काम करना हो तो नाक पर मास्क जरूर लगाएं. इनहेलर हमेशा अपने पास रखें. लाइफस्टाइल में सुधार लाएं. इस मौसम से एक-दो हफ्ते पहले ही फ्लू का वेक्सिन जरूर लगा लें.

त्वचा संबंधी रोग

इन दिनों त्वचा संबंधी रोगों के बढ़ने की आशंका होती है. फंगल इंफेक्शन की आशंका ज्यादा रहती है. इसके अलावा त्वचा में दरारें आना, खुजली, त्वचा का लाल पड़ जाना, कपड़े, जूते और मोजे आदि से रेशेज पर जाना आदि समस्याएं होती हैं.

रोग के लक्षण : एग्जिमा में स्किन में खुजली, दरारें और खुरदरापन होना, दाद में त्वचा पर लाल दाने या धब्बे दिखाई देना.

क्या करें : इस मौसम में अपने पालतू जानवरों से थोड़ी दूरी बरतिए. घर झाड़ने की जगह गीला पोछा करें. घर खुला व हवादार रखें. दिन में थोड़ी देर के लिए नियमित खिड़कियां खुली रखें.

रखें ध्यान

- अगर कमजोर रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता है या दमा जैसी बीमारियों से पीड़ित हैं तो मौसम की शुरुआत में ही फ्लू के वैक्सन ले लें.
- गुनगुने पानी में नमक डाल कर गार्गल करें
- स्ट्रीट फूड या रेस्त्रां में खाने से बचें.
- भीड़ भाड़ या पार्टी में भी नहीं खाएं. घर में खाना बनाते समय साफ सफाई का अधिक ध्यान रखें.
- बिना सफाई के कॉन्टेक्ट लेंस, चश्मे, तौलिए का उपयोग नहीं करें.
- अपने पालतू जानवरों से थोड़ी दूरी बरतिए.
- घर खुला व हवादार रखें.

महिलाओं की आम समस्याओं का यहां इलाज

डॉ रजनी शर्मा
डीएमबीएस, बीएमबीएस

महिलाओं में आजकल पॉलीसिस्टिक ओवेरियन डिजीज, पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम, यूट्रस तथा ओवरी में सिस्ट और ट्यूमर की समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है. इसके कारण मासिक धर्म/ पीरियड्स रेगुलर नहीं होते हैं. महिलाओं को मां बनने में भी परेशानी का सामना करना पड़ता है.

आमतौर पर किसी भी महिला और पुरुष में दो प्रकार के हार्मोन होते हैं --एस्ट्रोजन और टेस्टोस्टेरॉन. महिलाओं में हरेक माह एग्स और हार्मोंस रिलीज होता है, जो फर्टिलिटी, पीरियड, फेशियल हेयर इत्यादि को कंट्रोल करता है. पीसीओडी में अंडाशय समय से पहले एग को रिलीज कर देता है जो धीरे-धीरे सिस्ट का रूप ले लेता है. सही तरीके से एग रिलीज नहीं होने के कारण ही मासिक धर्म अनियमित हो जाता है. कभी-कभी ओवरी आकार में बड़ी हो जाती है और शरीर में हाई लेवल पर एस्ट्रोजन रिलीज करती है जिसके प्रभाव से अंतः स्रावी तंत्र में चयापचय विकार उत्पन्न होता है अर्थात् मेटाबॉलिक डिसऑर्डर हो जाता है. महिलाओं के शरीर में अगर पुरुष में पाए जाने वाले हार्मोन्स की मात्रा बढ़ जाए तब इसका प्रभाव शरीर पर अलग-अलग रूप में आता है जिसमें मुख्य तौर पर अनियमित मासिक धर्म आना, कम या अधिक ब्लीडिंग होना, कभी-कभी 10 से 15 दिन में मासिक धर्म आना तो कभी-कभी 2 महीने तक मासिक धर्म नहीं आना आदि. शरीर में मोटापा, थुलथुलापन, भारीपन महसूस होना, चेहरे पर मुहांसे होना और अनैच्छिक बाल उग जाना लक्षणों में शुमार

है. पीसीओडी में ओवम सही तरीके से नहीं बनता है या फिर बनता भी है तो वह समय से पहले ओवरी से निकलकर नष्ट हो जाता है और धीरे-धीरे यह सिस्ट का रूप धारण कर लेता है. यह यूट्रस वॉल पर कैविटी के रूप में जम जाता है और कभी-कभी ट्यूमर के रूप में उभर जाता है. इस बीमारी में महिलाओं में पुरुष के हार्मोन बढ़ जाते हैं. अतः एलोपैथ में हार्मोन थेरेपी दी जाती है जिसका शरीर पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है. होम्योपैथिक और बायोकेमिक दवाइयों से एस्ट्रोजन हार्मोन की मात्रा को नियंत्रित किया जाता है, जिससे पीसीओडी तथा पीसीओएस में काफी फायदा होता है.

- **ये हैं रोग के कारण**

इसका कोई भी नकारात्मक प्रभाव शरीर पर नहीं पड़ता है. पीसीओडी तथा पीसीओएस होने के स्पष्ट कारण अभी तक दृष्टिगोचर नहीं हुए हैं. परंतु यह महिलाओं में जेनेटिक, प्रदूषित वातावरण के कारण, अत्यधिक ड्रग्स लेने के कारण, गर्भनिरोधक दवाइयों के सेवन के कारण, खान-पान में अनियमितता के कारण तथा साफ-सफाई के अभाव में होता है. पीसीओएस में पीसीओडी की तरह ही महिलाएं गर्भधारण नहीं कर पाती हैं. उनके चेहरे पर मुंहासे तथा दाढ़ी मूंछ आने लगते हैं. ओवम में हार्मोंस के प्रभाव से अंडाणु पूर्ण रूप से तैयार नहीं हो पाते हैं जिसके कारण वे स्पर्म से मिलकर भ्रूण तैयार कर पाने में अक्षम होते हैं.

- **ये दवाएं कारगर**

होम्योपैथी दवाओं में पल्सेटिला ,सीपिया, लैकेसिस, ग्रैफाइटिस, कैलकेरिया कार्ब, नेट्रम म्यूर, थूजा, कैलकेरिया फ्लोर ,टेस्टोस्टरॉन, कैलकेरिया ओवा टोस्टा और औरम म्यूर नेट्रोनेटम इत्यादि कारगर दवाएं हैं. बायोकेमिक दवाओं में कैलकेरिया फ्लोर, नेट्रम म्यूर, मैग्निशियम फास्फोरिकम, साईलीसिया, फेरम फॉस ,नेट्रम फॉस, कैल्केरिया सल्फ, नेट्रम सल्फ आदि महत्वपूर्ण दवाओं से इलाज किया जाता है. ये दवाएं लक्षण अनुसार चिकित्सीय परामर्श से ही लेनी चाहिए.

स्वाद ही नहीं, स्वास्थ्य का भी ख्याल रखते हैं लहसुन

हमारे खाने का स्वाद बढ़ाने वाला लहसुन हमारी सेहत को दुरुस्त भी कर सकता है. आइए जानें, कच्चे लहसुन खाने के फायदे-

- **दिल की सेहत :** लहसुन ब्लड प्रेशर ही नहीं खराब कोलेस्ट्रॉल के लेवल को भी कम करने और आर्टरीज को सख्त होने से रोककर दिल की सेहत में सुधार करने में मदद कर सकता है. सुबह खाली पेट लहसुन खाने से कच्चे लहसुन में पाए जाने वाला एलिसिन खून को गाढ़ा होने से रोकता है और रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी कम रखता है. ऐसे में स्वाभाविक तौर पर हार्ट अटैक का खतरा कम करने में मदद मिलती है.
- **ब्लड शुगर रखें कंट्रोल :** लहसुन शरीर में शुगर लेवल को मैनेज करके में सहायक है. साथ ही इसके सेवन से रक्त संचार बेहतर होता है.
- **इम्यूनिटी करें बूस्ट :** कच्चा लहसुन एंटीऑक्सीडेंट और सल्फर युक्त कंपाउंड से भरपूर होने की वजह से प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है..
- **गठिया के दर्द में फायदेमंद :** कच्चे लहसुन में मौजूद डायलिल डाइसल्फाइड जैसे एंटी-इंफ्लेमेटरी कंपाउंड शरीर की सूजन को कम करते हैं. इसके सेवन से गठिया के रोगियों को दर्द व सूजन से राहत मिलती. वजन कम करने में भी सहायक है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

हरमनप्रीत सिंह

हॉकी टीम इंडिया : एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय हॉकी टीम का ऐलान, श्रीजेश की जगह लेंगे पाठक

हरमनप्रीत सिंह हॉकी टीम के कप्तान, कृशन बहादुर पाठक गोलकीपर

भाषा। नयी दिल्ली

पीआर श्रीजेश के संन्यास के बाद आगामी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कृशन बहादुर पाठक को हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली 18 सदस्यीय भारतीय हॉकी टीम का मुख्य गोलकीपर बनाया गया है. भारत के अलावा टूर्नामेंट में कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और मेजबान चीन भाग लेंगे. यह टूर्नामेंट आठ से 17 सितंबर तक खेला जायेगा. श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने के बाद हॉकी को अलविदा कह दिया था. पेरिस ओलंपिक में भारत के स्टैंडबाय गोलकीपर रहे पाठक अब मुख्य गोलकीपर होंगे जबकि सूरज करकेरा रिजर्व गोलकीपर रहेंगे. अनुभवी मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद को उपकप्तान बनाया गया है. नियमित उपकप्तान हार्दिक सिंह, मनदीप सिंह, ललित उपाध्याय, शमशेर सिंह और गुरजंत सिंह को आराम दिया गया है. भारत के उदीयमान ड्रैग फ्लिकर जुगराज सिंह जूनियर के लिए भी यह सुनहरा मौका होगा. वह प्रो लीग में अपनी प्रतिभा की बानगी दे चुके हैं. अराइजीत सिंह हुंडल टीम में तीसरे ड्रैग फ्लिकर होंगे. डिफेंस का जिम्मा जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय और सुमित पर होगा. वहीं मिडफील्ड में राजकुमार पाल, नीलाकांता शर्मा,

मनप्रीत सिंह और मोहम्मद राहील होंगे . फॉरवर्ड पंक्ति में अभिषेक, सुखजीत सिंह, हुंडल, जूनियर टीम के कप्तान उत्तम सिंह और गुरजोत सिंह रहेंगे. पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता टीम के दस सदस्य इस टीम में हैं. कोच क्रेग फुल्टोन ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी एक बयान में कहा, हमारे लिये यह महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है. टीम पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने का जश्न मनाने के बाद शिविर में लौट आई है. उन्होंने कहा, पिछले कुछ सप्ताह शानदार रहे जब टीम को बेशुमार प्यार मिला. हमें उम्मीद है कि यह समर्थन आगे भी जारी रहेगा. एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी से नया ओलंपिक चक्र शुरू हो रहा है और हम चुनौती के लिए तैयार हैं.

भारतीय टीम आठ सितंबर को चीन के खिलाफ पहला मैच खेलेगी. इसके बाद जापान (नौ सितंबर), मलेशिया (11 सितंबर), कोरिया (12 सितंबर) और पाकिस्तान (14 सितंबर) से खेलना है . सेमीफाइनल 16 सितंबर को और फाइनल 17 सितंबर को खेला जायेगा.

टीम इस प्रकार है

टीम : गोलकीपर : कृशन बहादुर पाठक, सूरज करकेरा. डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय और सुमित. मिडफील्डर : राजकुमार पाल, नीलाकांता शर्मा, विवेक सागर प्रसाद, मनप्रीत सिंह और मोहम्मद राहील. फॉरवर्ड : अभिषेक, सुखजीत सिंह, अराइजीत सिंह हुंडल, जूनियर टीम के कप्तान उत्तम सिंह और गुरजोत सिंह मुख्य कोच : क्रेग फुल्टोन.

क्रिकेट: जय शाह आईसीसी चेयरमैन के तौर पर एक दिसंबर से पदभार संभालेंगे

टेस्ट क्रिकेट को देंगे प्राथमिकता यह खेल का आधार : जय शाह

अगले छह साल तक जय शाह आईसीसी चेयरमैन के पद पर बने रह सकते हैं

भाषा। नयी दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नव-निर्वाचित चेयरमैन जय शाह ने कहा है कि वह अपने कार्यकाल में यह सुनिश्चित करेंगे कि टेस्ट क्रिकेट खेल का 'आधार' बने और इस दौरान वह 'क्रिकेट की प्रगति में बाधा डालने वाली बाधाओं को दूर करने' का भी प्रयास करेंगे. वर्ष 2019 से बीसीसीआई सचिव की भूमिका निभा रहे 35 वर्षीय शाह 62 वर्षीय ग्रेग बार्कले से एक दिसंबर को पदभार ग्रहण करेंगे. वह आईसीसी के सबसे युवा चेयरमैन होंगे. न्यूजीलैंड के बार्कले ने दो साल के लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया. बीसीसीआई द्वारा जारी बयान में शाह ने कहा, टी20 स्वाभाविक रूप से एक रोमांचक प्रारूप है लेकिन यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि टेस्ट क्रिकेट सभी के लिए प्राथमिकता बना रहे क्योंकि यह हमारे खेल का आधार है. उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना

चाहिए कि क्रिकेटरों को लंबे प्रारूप की ओर आकर्षित किया जाए और हमारे प्रयास इस लक्ष्य की ओर केंद्रित होंगे. शाह ने कहा, मैं अपने कार्यकाल के दौरान प्रतिभा खोज के लिए एक अलग कार्यक्रम स्थापित करने की दिशा में काम करना चाहूंगा और मैं इस कार्यक्रम में आपके समर्थन की आशा करता हूं. शाह ने दुनिया भर में खेल के मानकों को और ऊपर उठाने पर जोर दिया. उन्होंने कहा, मैं आईसीसी के सदस्य बोर्डों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने आईसीसी के अध्यक्ष की इस प्रतिष्ठित भूमिका को संभालने के लिए मुझ पर अपना भरोसा जताया. मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि मैं दुनिया भर में हमारे खेल के मानक को ऊपर उठाने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा.

विराट ने नए रोल में सफलता की कामना की

एजेंसी। नयी दिल्ली

जय शाह आईसीसी के अगले चेयरमैन चुने गए हैं. इस पद पर उनका चयन निर्विरोध हुआ है. वो सबसे युवा चेयरमैन भी होंगे, जो आईसीसी की कुर्सी पर बैठेंगे. जय शाह के आईसीसी चेयरमैन बनाए जाने से भारतीय क्रिकेट में खुशी की लहर है. जय शाह को बधाई देने वालों का तांता लगा है. भारतीय क्रिकेटर भी अपने-अपने एक्स हैंडल के जरिए लगातार उन्हें बधाई दे रहे हैं. टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने भी बधाई दी है. वहीं विराट कोहली ने इस खुशी में जो कहा है वो भी दिलचस्प हैं. विराट ने उन्हें बधाई दी है. विराट कोहली ने जय शाह को आईसीसी चेयरमैन चुने जाने की बधाई एक्स हैंडल के जरिए दी. विराट ने मुबारकबाद देते हुए नए रोल में जय शाह की सफलता की कामना की.

कुछ ऐसी ही बात अपने एक्स हैंडल पर टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने भी एक्स हैंडल पर कही. बुमराह ने लिखा- बधाई हो

जय शाह भाई. क्रिकेट के लिए आपका जुनून देखकर लगता है कि आप इसे नयी ऊंचाई देंगे. आपको ढेर सारी शुभकामनाएं. टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने भी जय शाह को आईसीसी चेयरमैन बनने की बधाई देते हुए ये उम्मीद की है कि उनके नेतृत्व में क्रिकेट सफलता के नए आयाम गढ़ेगा. वहीं हार्दिक पंड्या ने बधाई देते हुए कहा कि उम्मीद करते हैं कि जैसे आपने नेतृत्व में बीसीसीआई सफलता की सीढ़ियां चढ़ा है, वैसे ही अब आईसीसी भी तरक्की करेगा.

यूएस ओपन : यानिक सिनेर ने मैकी मैकडोनाल्ड को हराया

नाओमी ओसाका ने ओस्टापेंको को हराया, अल्काराज भी जीते

रिकॉर्ड : इवांस व खाचानोव का मैच पांच घंटे 35 मिनट तक चला, जो टूर्नामेंट के सबसे लंबे मैच का रिकॉर्ड बना

एजेंसी। न्यूयॉर्क

एक साल पहले मातृत्व अवकाश के दौरान नाओमी ओसाका अमेरिकी ओपन के दौरान यहां नजर आई थीं, जब उन्होंने महान तैराक माइकल फेल्प्स के साथ मानसिक स्वास्थ्य के विषय पर चर्चा में भाग लिया था और उस समय उन्हें पता नहीं था कि फिर कोर्ट पर कब उतरेंगी. एक साल बाद ओसाका ने लुईस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम पर 10वीं रैंकिंग वाली येलेना ओस्टापेंको को 6-3, 6-2 से हराकर अमेरिकी ओपन के अगले दौर में प्रवेश कर लिया. चार साल में पहली बार उन्होंने शीर्ष 10 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराया है. अब उनका सामना 2023 फ्रेंच ओपन उपविजेता कैरोलिना मुचोवा से होगा, जिसने अमेरिका की कैटी वोलिनेट्स को 6-3, 7-5 से हराया. महिला वर्ग में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने कैमिला राखिमोवा को 6-4, 7-6 से हराया. वहीं अमेरिका की 11वीं वरीयता प्राप्त डेनियेले कोलिंस को हमवतन कैरोलिन डोलेहाइड ने 1-6, 7-5, 6-4 से मात दी. वहीं 2020

आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन सोफिया केनिन ने 2021 अमेरिकी ओपन विजेता एम्मा राडूकानू को 6-1, 3-6, 6-4 से हराया. पुरुष वर्ग में चार बार के ग्रैंडस्लैम विजेता स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने आर्थर एशे स्टेडियम पर क्वालीफायर लि तू को 6-2, 4-6, 6-3, 6-1 से मात दी. वहीं मार्च में दो डोप टेस्ट में नाकाम के मामले में 'क्लीन चिट' मिलने के बाद दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनेर ने मैकी मैकडोनाल्ड को 2-6, 6-2, 6-1, 6-2 से मात दी. डैन इवांस ने कारेन खाचानोव को 6-7, 7-6, 7-6, 4-6, 6-4 से हराया. डैन इवांस और कारेन खाचानोव के बीच पहले दौर का मैच पांच घंटे 35 मिनट तक चला, जो टूर्नामेंट में रिकॉर्ड है. टूर्नामेंट में 1970 में टाइब्रेकर की शुरुआत के बाद से यह सबसे लंबा मैच रहा. पांचवें सेट में इवांस 4-0 से पीछे चल रहे थे. आखिरी प्वाइंट पर 22 शॉट की रैली चली और इवांस ने इसमें बाजी मारकर मुकाबला अपने नाम किया. इससे पहले रिकॉर्ड पांच घंटे 26 मिनट का था, जब 1992 अमेरिकी ओपन सेमीफाइनल में स्टीफन एडबर्ग ने माइकल चांग को हराया था.

डेविड मलान ने क्रिकेट को अलविदा कहा

लंदन। इंग्लैंड के लिए सभी प्रारूपों में शतक जमाने वाले पूर्व शीर्ष टी20 बल्लेबाज डेविड मलान ने अंतर राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया. 36 वर्ष के मलान ने ब्रिटिश अखबार 'द टाइम्स आफ लंदन' से कहा कि सफेद गेंद के प्रारूप में अपनी सफलता से वह खुश है लेकिन टेस्ट क्रिकेट में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सके. मलान ने 22 टेस्ट, 30 वनडे और 62 टी20 मैच खेले हैं. वह टी20 प्रारूप में 2020 में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने. उन्होंने पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद से इस प्रारूप में नहीं खेला है. मलान ने कहा, मैंने तीनों प्रारूपों को काफी संजीदगी से लिया लेकिन टेस्ट क्रिकेट में काफी मेहनत चाहिए. पांच दिन और तैयारी के दिन अलग. यह मानसिक रूप से काफी थकाऊ है.

वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका को आठ विकेट से हराया

एजेंसी। तारोबा

निकोलस पूरन के 13 गेंद में 35 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने वर्षाबाधित तीसरे टी20 क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराकर श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली. बारिश के कारण खेल एक घंटे विलंब से शुरू हुआ. दक्षिण अफ्रीका की पारी के पांचवें ओवर में बारिश फिर शुरू हो गई जिससे मैच प्रति टीम 13 ओवर का कर दिया गया. दक्षिण अफ्रीका ने उस समय बिना किसी नुकसान के 23 रन बना लिये थे जब बारिश शुरू हुई. ट्रिस्टन स्टब्स ने 15 गेंद में 40 रन बनाकर टीम को चार विकेट पर 108 रन तक पहुंचाया. स्टब्स ने अपनी पारी में पांच चौके और तीन छक्के लगाये. जवाब में पूरन ने दो चौके और चार छक्के जड़े. वेस्टइंडीज का स्कोर दो विकेट पर 60 रन था जब पूरन चौथे ओवर की पांचवीं गेंद पर आउट हुए. शाइ होप ने 24 गेंद में नाबाद 42 और शिमरोन हेटमायेर ने 17 गेंद में 31 रन बनाये. दोनों ने तीसरे विकेट की अटूट साझेदारी में 56 रन जोड़े. इस साल टी20 विश्व कप से पहले भी वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका को टी20 सीरीज में हराया था.

पुरानी दिल्ली 6 ने उत्तर दिल्ली स्ट्राइकर्स को हराया

नयी दिल्ली। तेज गेंदबाज आयुष ठाकुर के पांच विकेट की मदद से पुरानी दिल्ली 6 ने दिल्ली प्रीमियर लीग में उत्तर दिल्ली स्ट्राइकर्स को 20 रन से हरा दिया. आयुष ने 27 रन देकर पांच विकेट लिये. जीत के लिए 193 रन के लक्ष्य के जवाब में उत्तर दिल्ली टीम सात विकेट पर 172 रन ही बना सकी. आयुष ने पहले ओवर में सलामी बल्लेबाज सार्थक रंजन का विकेट लिया.

आईसीसी रैंकिंग : न्यूजीलैंड के केन विलियमसन दूसरे स्थान पर, रोहित शर्मा छठे स्थान पर

टेस्ट रैंकिंग में जो रूट टॉप पर, बाबर फिसले

सातवें नंबर पर यशस्वी और आठवें स्थान पर हैं विराट

एजेंसी। दुबई

आईसीसी की नयी टेस्ट रैंकिंग में पाकिस्तान के बल्लेबाज बाबर आजम को बहुत बड़ा झटका लगा है. दाएं हाथ का ये बल्लेबाज छह पोजिशन लुढ़क कर नौवें स्थान पर पहुंच गया है. बाबर आजम पिछले हफ्ते तीसरे स्थान पर थे लेकिन अब ये खिलाड़ी टॉप 10 से बाहर होने की कगार पर है. दूसरी ओर टीम इंडिया के तीन बल्लेबाज टॉप 10 में हैं और रोहित शर्मा उनमें सबसे ऊपर छठे स्थान पर हैं. यशस्वी जायसवाल की बात करें तो वो एक पोजिशन ऊपर चढ़कर नंबर आठ पर पहुंच गए हैं. यशस्वी जायसवाल ने दो पोजिशन की छलांग लगाकर सातवीं पोजिशन

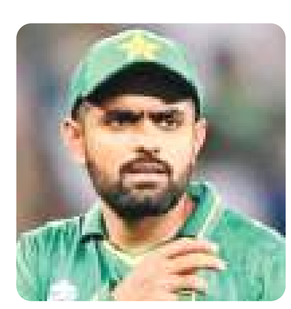

हासिल कर ली है.आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट टॉप पर बरकरार हैं. न्यूजीलैंड के केन विलियमसन दूसरे स्थान पर काबिज हैं. तीसरे स्थान पर डैरेल मिचेल हैं. हैरी ब्रूक ने तीन पोजिशन की छलांग लगाकर चौथे स्थान पर जगह बनाई है. पांचवें स्थान पर स्टीव स्मिथ और छठे स्थान पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा हैं. सातवें नंबर पर यशस्वी जायसवाल और आठवें नंबर पर विराट कोहली हैं. बाबर आजम नौवें स्थान पर हैं, पिछली 14 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं लगाने का नुकसान इस खिलाड़ी को हुआ है. दूसरी ओर मोहम्मद रिजवान 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं. मोहम्मद रिजवान पाकिस्तान के पहले विकेटकीपर हैं जो आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में टॉप 10 में पहुंचे हैं.

शाहीन अफरीदी को भी झटका : आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शाहीन अफरीदी को भी बड़ा झटका लगा है. पाकिस्तान का ये तेज गेंदबाज बॉलर्स रैंकिंग में 2 स्थान नीचे लुढ़क गया है.

शाहीन अब 8वें से 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं. भारत के तीन गेंदबाज टॉप 10 में काबिज हैं. आर अश्विन पहले नंबर पर हैं. जसप्रीत बुमराह और जॉश हेजलवुड दोनों दूसरे नंबर पर हैं. रवींद्र जडेजा 7वें नंबर पर हैं.

जहीर लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटोर बनेंगे

कोलकाता। लखनऊ सुपर जाइंट्स भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान को आईपीएल की मेगा नीलामी से पहले टीम का मेंटोर बनाने जा रही है. 45 वर्ष के जहीर दो साल बाद आईपीएल में लौटेंगे. वह 2018 से 2022 के बीच पांच बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस से जुड़े थे. सूत्रों ने बताया , जहीर को टीम मेंटोर बनाया गया है. गौतम गंभीर के जाने के बाद से लखनऊ टीम में यह पद रिक्त है. गंभीर कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़ गए थे, जिसने 2024 आईपीएल जीता. अब गंभीर भारतीय टीम के मुख्य कोच हैं. जहीर मुंबई इंडियंस में क्रिकेट निदेशक थे और बाद में वैश्विक विकास प्रमुख बने. लखनऊ टीम के पास फिलहाल गेंदबाजी कोच नहीं है. दक्षिण अफ्रीका के मोर्नी मोर्कल टीम के गेंदबाजी कोच थे जो अब गंभीर के साथ भारतीय टीम के सहयोगी स्टाफ में शामिल है. जहीर मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए आईपीएल खेल चुके हैं.

सिंकफील्ड कप गुकेश ने नीदरलैंड के अनीष गिरी से सिर्फ 23 चाल में ड्रॉ खेला

गुकेश ने गिरी से ड्रॉ खेला, प्रज्ञानानंदा ने करुआना को बराबरी पर रोका

भाषा। सेंट लुई (अमेरिका)

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा ने सिंकफील्ड कप में आठ बाजियों में आठवीं बार ड्रॉ खेला. यह टूर्नामेंट ग्रैंड शतरंज टूर का हिस्सा है. विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर गुकेश ने नीदरलैंड के अनीष गिरी से सिर्फ 23 चाल में ड्रॉ खेला जबकि प्रज्ञानानंदा ने स्थानीय दावेदार फाबियानो करूआना को 28 चाल में बराबरी पर रोका. आठवें दौर की सभी बाजियां ड्रॉ रही. फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने एक दौर शेष रहते ग्रैंड शतरंज टूर जीत लिया और उन्हें अपने इस प्रदर्शन के लिए एक लाख डॉलर की बोनस राशि भी मिलेगी. आठवें दौर में फिरोजा ने सबसे लंबी बाजी खेली. उनकी और

डी गुकेश

रूस के इयान नेपोमनियाची की बाजी 80 चाल के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुई. दस खिलाड़ियों के इस डबल राउंड रोबिन टूर्नामेंट की दिन की दो अन्य बाजियों में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने चीन डिंग

प्रज्ञाननंदा

लिरेन जबकि फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव ने अमेरिका के वेस्ली सो से अंक बांटे.

इस ड्रॉ से फिरोजा के आठ बाजियों में 5.5 अंक हो गए हैं और उन्होंने अजेय बढ़त हासिल कर ली है. करूआना अंकों के आधार पर उनकी बराबरी कर सकते हैं लेकिन इसके लिए उन्हें गिरी को हराना होगा जबकि फिरोजा की प्रज्ञानानंदा के खिलाफ हार की दुआ करनी होगी. अंक बराबर रहने के बावजूद हालांकि फिरोजा का ग्रैंड शतरंज टूर जीतना तय है. टूर्नामेंट में पांच खिलाड़ी चार अंक के साथ तीसरे स्थान पर चल रहे हैं जिसमें गुकेश, प्रज्ञानानंदा, वाचियेर लाग्रेव, सो और अब्दुसत्तोरोव शामिल हैं. नेपोमनियाची और लिरेन 3.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से आठवें स्थान पर हैं जबकि इनसे आधा अंक पीछे गिरी अंतिम पायदान पर हैं.

इंपैक्ट खिलाड़ी से रणनीति को महत्व: अश्विन

अनुभवी ऑफ स्पिनर ने आईपीएल के नए नियम की सराहना की

भाषा। नयी दिल्ली

भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि आईपीएल में इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम ने खेल को निष्पक्ष बनाया है और इससे रणनीति का महत्व बढ़ा है. विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सीनियर खिलाड़ियों ने इस नियम की आलोचना की है क्योंकि उनका मानना है कि इससे हरफनमौलाओं का विकास रूकेगा तथा गेंद और बल्ले के बीच संतुलन भी नहीं रहेगा. यह नियम आईपीएल 2023 से लागू किया गया जिसमें सभी टीमें अपनी पारी के दौरान एक खिलाड़ी (बल्लेबाज या गेंदबाज) को सब्स्टीट्यूट कर सकती हैं. अश्विन ने भारत के पूर्व कप्तान कृष्णामाचारी श्रीकांत के तमिल यूट्यूब शो में कहा, मुझे लगता है कि

यह नियम उतना बुरा नहीं है क्योंकि इससे रणनीति का महत्व बढ़ता है. ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने शो के हवाले से कहा, दूसरा पक्ष यह है कि इससे हरफनमौलाओं को प्रोत्साहन नहीं मिलता, लेकिन उन्हें कौन रोक रहा है. इस पीढ़ी में वे ऐसा नहीं करते हैं (बल्लेबाज गेंदबाजी करें या गेंदबाज बल्लेबाजी). इंपैक्ट खिलाड़ी का नियम उन्हें हतोत्साहित नहीं करता. वेंकटेश अय्यर को देखिये, वह लंकाशर के लिए इस समय शानदार प्रदर्शन कर रहा है.नये प्रयोग के लिये मौका है और इससे खेल निष्पक्ष बनता है. अश्विन ने कहा कि ओस होने पर इस नियम से खेल में संतुलन लाया जा सकता है. जब ओस के कारण मैच एकतरफा हो जाते हैं तो बाद में गेंदबाजी करने वाली टीम के पास जवाब में अतिरिक्त विकल्प रहता है. अगर आप बाद में बल्लेबाजी कर रहे हैं तो अतिरिक्त गेंदबाज की जगह बल्लेबाज को उतारा जा सकता है. इससे शाहबाज अहमद, शिवम दुबे, ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ियों को मौके मिले हैं.

▼ ब्रीफ खबरें

युवक संग अमानवीय कृत्य, 5 आरोपी गिरफ्तार

पटना। एक युवक के साथ कुछ युवकों द्वारा अमानवीय कृत्य करने के मामले में अररिया पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के 48 घंटे के भीतर ही पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार 26 अगस्त को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अररिया जिले से संबंधित अज्ञात लोगों द्वारा एक युवक के साथ अमानवीय कृत्य करते हुए वायरल वीडियो हमें प्राप्त हुआ. सत्यापन के बाद वीडियो अररिया के इस्लामनगर के होने की बात पता चली.

गर्भवती विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

नवादा। नवादा में एक गर्भवती विवाहिता को ससुराल वालों ने मारपीट कर जख्मी कर दिया. जिसके बाद इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई. यह आरोप मृतक विवाहिता के परिजनों के द्वारा लगाया गया है. बहरहाल पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर अस्पताल भेज दिया है. पुलिस ने बताया कि मौत का कारण जांच का विषय है. मृतका की मां ने स्थानीय थाली थाना में लिखित आवेदन देकर कहा कि उनकी पुत्री स्नेहा कुमारी का विवाह थाली थानाक्षेत्र के महुंगाई ग्राम के सत्यम कुमार पिता ललन पाण्डेय के साथ डेढ़ वर्ष पूर्व धूमधाम से किया था.

नवादा में युवक का शव पेड़ से लटकता मिला

नवादा। जिले के लोदीपुर जफरा गांव के समीप बधार में कहवा के पेड़ से एक युवक का लटकता हुआ शव बरामद किया गया. जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई. काफी संख्या में लोगों की भीड़ वहां पर जुट गई. मृतक की पहचान सहजपुरा निवासी दशरथ सिंह के 48 वर्षीय पुत्र सिंटू कुमार के रूप में की गई है. घटना को लेकर हत्या की आशंका जताई जा रही है. फिलहाल घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस वहां पहुंच गई और जांच-पड़ताल की. बताया जाता है कि सिंटू 25 अगस्त को रिश्तेदार के घर मनवां गांव गया हुआ था.

दीपावली और छठ के लिए रेलवे चलाएगा कई स्पेशल ट्रेनें

संवाददाता। पटना

परदेश में रहने वाले श्रमिक वर्ग हो या फिर छात्र सभी की इच्छा होती है कि वो दिवाली और लोक आस्था के महापर्व छठ को अपने परिवारजनों के बीच मनाएं. लेकिन टिकट की मारामारी ही इतनी है कि उनके घर जाने के अरमानों पर पानी फिर जाता है. अब परदेश में रहने वाले लोगों को घर भेजने के लिए रेलवे ने पूरी तैयारी कर ली है. रेल मंत्रालय ने अब प्रवासियों को घर भेजने के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है. रेलवे पर्व त्योहार में दिल्ली से बिहार तक स्पेशल चलाएगी. इसी कड़ी में रेलवे द्वारा पटना-दानापुर से आनंद विहार के लिए ट्रेन चलेंगी. इस बारे में पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र ने बताया कि 02391 पटना-दानापुर से आनंद विहार स्पेशल 5 अक्टूबर से 9 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को पटना से तथा 02392 आनंद विहार-पटना स्पेशल 6 अक्टूबर से 10 नवंबर तक प्रत्येक रविवार को आनंद विहार से चलेगी.

03255 पटना-आनंद विहार स्पेशल 3 अक्टूबर से 14 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार एवं रविवार को पटना से तथा 03256 आनंद विहार-पटना स्पेशल 4 अक्टूबर से 15 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार एवं सोमवार को आनंद विहार से चलेगी. 03257 दानापुर-आनंद विहार स्पेशल 6 अक्टूबर से 10 नवंबर तक प्रत्येक रविवार को दानापुर से तथा गाड़ी-03258 आनंद विहार-पटना स्पेशल 7 अक्टूबर से 11 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार को आनंद विहार से चलेगी, जबकि 03215 पटना-थावे स्पेशल 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक प्रतिदिन पटना से तथा गाड़ी-03216 थावे से चलाई जायेगी. बता दें कि पर्व त्योहार के समय में टिकट नहीं मिलने के कारण कई लोग परेशान रहते थे. जिसे देखते हुए रेल मंत्रालय ने स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है. इस स्पेशल ट्रेन चलने से लोगों के आवागमन में ज्यादा परेशानी नहीं होगी. रेलवे ने स्पेशल ट्रेनों का परिचालन करने का निर्णय लिया है. ऐसे में बिहार से बाहर रह रहे लोगों को दिपावली और छठ में बिहार वापस आने में सहुलियत होगी.

खास बातें

- बड़े त्योहारों पर हर वर्ष रेलवे चलाता है स्पेशल ट्रेन
- छठ पर बिहार आने के लिए बढ़ जाते हैं यात्री

हाजीपुर में हादसा, निर्माणाधीन पुल के पाये से टकराई नाव

तीन ने तैरकर बचाई जान, कई अब भी लापता

संवाददाता। हाजीपुर

बिहार के वैशाली जिला के रुस्तमपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत निर्माणाधीन सिक्स लेन पुल के पाया नंबर 55 से अनियंत्रित होकर नाव टकराकर गंगा नदी में डूब गया. इस दौरान अफरा-तफरी मच गई. नाव पर सवार नाविक समेत तीन व्यक्ति किसी तरह नदी से बाहर निकल गया. वहीं दो व्यक्ति लापता बताया गया है. लापता व्यक्ति की नदी में खोजबीन की जा रही है. घटना के संबंध में बताया गया कि पटना जिला अंतर्गत काला दियारा से नाविक नाव पर करीब 150 बोरा भांग लोड करके गंगा ब्रिज थाना अंतर्गत तेरसिया पंचायत लेकर जा रहे थे. इसी दौरान सिक्स लाइन पाया नंबर 55 से टकराकर नव नदी में डूब गया. नाव पर सवार पांच व्यक्ति में करीब तीन व्यक्ति किसी तरह बाहर निकल गया. वहीं दो व्यक्ति लापता बताए जा रहे हैं.

तेजस्वी यादव का बड़ा हमला : डीजीपी को नहीं है कोई पावर

सीएम के चमचे करते हैं चढ़ावा लेकर पोस्टिंग : तेजस्वी यादव

संवाददाता। पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को आड़े हाथों लिया. उन्होंने कहा कि बिहार के डीजीपी को कोई पावर नहीं है. उनकी किसी भी सिफारिश को नहीं माना जा रहा है. मुख्यमंत्री के अगल-बगल जो चमचे बेचे हैं वह खुलेआम पोस्टिंग कर रहे हैं और पोस्टिंग किस तरह से हो रहा है यह सब को पता है. उन्होंने कहा कि जदयू के नेता भले ही खुले तौर पर इससे इनकार करें लेकिन सबको पता है कि किस तरह से हो रहा है. डीजीपी की सिफारिशों को सीएम नीतीश नहीं मानते हैं लेकिन जो उनके चमचे हैं वही चढ़ावा लेकर पोस्टिंग कर रहे हैं. हालांकि तेजस्वी ने 'चढ़ावा' कौन लेते हैं इस पर किसी का नाम नहीं लिया. बंगाल में भाजपा द्वारा फिर बंद बुलाए जाने पर उन्होंने कहा यूपी में इस तरह का बंद कब होगा. यूपी में अपराध इतना बढ़ा हुआ है वहां बंद कब होगा. बिहार में इतना अपराध बढ़ा हुआ है यहां कब बंद होगा. बिहार में इतना ज्यादा बलात्कार हो रहा है यहां कब बंद होगा. सत्ता में बैठी है बीजेपी के लोगों की कथनी और करनी में बहुत फर्क है. इनका काम है सिर्फ और सिर्फ नफरत फैलाना. भारतीय जनता पार्टी को अपना भी इतिहास जानना चाहिए. वहीं उत्तर प्रदेश में कई रेलवे स्टेशन का नाम बदले जाने पर उन्होंने कहा कि पहले हादसे तो रोकिये.

ललन सिंह ने कहा - एनडीए पूरी तरह एकजुट

ममता बनर्जी पर बरसे, राहुल गांधी पर बोला जोरदार हमला

संवाददाता। पटना

केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ ममता बनर्जी सरकार को आड़े हाथों लिया. पटना से दिल्ली रवाना होने के क्रम में ललन सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जिस तरीक़े की घटना हो रही है वहाँ पर ऐसा लगता है कि सुशासन है ही नहीं. जिस राज्य की मुख्यमंत्री महिला हों और वहाँ पर महिलाओं के साथ ऐसी घटना हो, उसके बाद लाठीचार्ज और टियर गैस के गोले दाग़े जाए ये समझ से बाहर है. उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में जो काम पहले सीपीएस करती थी वही अब ममता बनर्जी कर रही हैं. दरअसल, कोलकाता के एक अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या के मामले में भारी विरोध प्रदर्शन देखने को मिला है. पश्चिम बंगाल के साथ ही देश भर के डॉक्टरों ने इस मामले को लेकर चिकित्सा सेवाएं कई दिनों तक बाधित रखी. वहीं सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी सरकार को जमकर फटकार लगाई. इस बीच भाजपा ने बुधवार को पश्चिम बंगाल बंद का बुलाया है.

ललन सिंह ने इन्हीं मुद्दों को लेकर टीएमसी नीत पश्चिम बंगाल सरकार को कठघरे में खड़ा किया. वहीं देश में जाति गणना की मांग के मामले में ललन सिंह ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया. उन्होंने कहा कि जाति गणना के मामले राहुल गांधी और सोनिया गांधी के मुंह पर टेप चिपक जाता है. वह कुछ बोलते नहीं है और ममता बनर्जी का साथ देते हैं.

महादलित समुदाय की तीन महिलाओं को जबरन घर से उठाया

आक्रोशित ग्रामीणों ने थाने का किया घेराव

संवाददाता। नवादा

नवादा थाना घेराव करते ग्रामीण

नवादा जिले के हिसुआ थाना क्षेत्र के अरियन गांव से गांव के दबंगों ने तीन दिनों पूर्व महादलित समुदाय के तीन महिलाओं को जबरन घर से उठाकर गायब करने से आक्रोशित महादलितों ने थाना का घेराव कर जमकर प्रदर्शन किया. थाना घेराव का नेतृत्व भीम आर्मी द्वारा किया गया. बताया जाता है कि गांव के ही टुन्नी सिंह द्वारा तीन महादलित महिलाओं को एक पुराने केस में समझौता करने के लिए घर से उठा लिया गया था. 3 दिन बीतने के बाद भी अभी तक उक्त तीनों महिलाओं की बरामदगी नहीं होने से आक्रोशित महादलित और भीम आर्मी के सहयोग से थाना का घेराव किया गया. थाना का घेराव कर रहे लोगों ने बताया कि रामभजु मांझी की पत्नी और उनका दो पतोहू को रविवार को गांव से ही उठाकर गायब कर दिया गया है, जिस आज तक मुक्त नहीं किया गया. वहीं आज इसके विरोध में महादलितों ने हिसुआ थाना का घेराव कर जमकर प्रदर्शन किया है. दबंगों ने महादलित समुदाय की तीन महिलाओं को बंधक बना लिया है. वहीं तीन दिनों बीत जाने के बाद भी मुक्त नहीं करने पर थाना का घेराव कर प्रदर्शन किया.

नवादा में दिनदहाड़े लड़के को मारी गोली

नवादा। नवादा में बेखौफ अपराधियों ने दिनदहाड़े 12 वर्षीय नाबालिग पर ताबड़तोड़ फायरिंग की. इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की जांच कर रही है. मिली जानकारी के अनुसार नवादा के रामनगर के पास एक 12 वर्षीय बालक को गोली मार कर जख्मी कर दिया. जख्मी बालक का पहचान रंजीत चौधरी का पुत्र प्रेम कुमार के रूप में की गई है. अपनी दुकान में बैठा था तभी बदमाश वहां आए.

दीवार गिरने से 40 लोग घायल

संवाददाता। पटना

पटना जिले में पुनपुन थाना क्षेत्र के श्रीपालपुर गांव के समीप बुधवार को एक दीवार के अचानक ढह जाने से करीब 40 लोग घायल हो गए. पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजीव मिश्रा ने पीटीआई-भाषा को बताया कि पुनपुन इलाके में एक घर की दीवार गिरने से कम से कम 40 लोग घायल हो गए. उन्होंने बताया कि यह घर श्रीपालपुर इलाके के नीरज कुमार का है और यह घटना उस समय हुई जब घर में एक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा था. मिश्रा ने बताया कि सुबह शुरू हुए इस कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए कुमार के घर करीब 100 लोग पहुंचे थे जिनमें अधिकांश महिलाएं थीं. उन्होंने कहा कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले गए. एसएसपी ने बताया कि गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उन्होंने बताया कि मामले की आगे जांच की जा रही है. जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे.

कारोबार

हाइव हॉस्टल्स ने जुटाए 11.5 करोड़

नयी दिल्ली। छात्र आवास से जुड़ी कंपनी हाइव हॉस्टल्स ने अपना कारोबार बढ़ाने के लिए निवेशकों से 11.5 करोड़ रुपये जुटाए हैं. हाइव हॉस्टल्स ने बुधवार को बयान में कहा कि उसने निवेशकों से 11.5 करोड़ रुपये का निवेश हासिल करते हुए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ)-पूर्व वित्त पोषण चक्र का सफल समापन किया. कंपनी ने कहा, जुटाई गई धनराशि को ऑरस के विकास में लगाया जाएगा. कंपनी अगले वर्ष की दूसरी छमाही में आईपीओ लाने की तैयारी में है.

जैपफ्रेश ने आईपीओ के लिए दस्तावेज दिए

नयी दिल्ली। मांस ऑनलाइन बेचने वाली कंपनी जैपफ्रेश ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं. जैपफ्रेश ने बुधवार को बयान में कहा, उसने बीएसई एसएमई मंच पर सूचीबद्ध होने के लिए सेबी के पास दस्तावेज दाखिल किए हैं. कंपनी के आईपीओ में 10 रुपये के अंकित मूल्य के साथ 59.06 लाख ताजा शेयर शामिल हैं. इसमें कोई बिक्री पेशकश (ओएफएस) नहीं है.

इंडस टावर्स में 50% से अधिक हिस्सेदारी होगी

नयी दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल की 2,640 करोड़ रुपये की शेयर पुनर्खरीद योजना पूर्ण होने पर इंडस टावर्स में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी होगी. भारती एयरटेल ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, दूरसंचार अवसंरचना क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंडस टावर्स ने 14 अगस्त को 465 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 5.67 करोड़ से अधिक शेयर की पुनर्खरीद शुरू की, जो कंपनी की चुकता शेयर पूंजी में कुल शेयर की संख्या का करीब 2.107 प्रतिशत है. इंडस टावर्स द्वारा 27 अगस्त 2024 को जारी सूचना के अनुसार....इंडस टावर्स में कंपनी की शेयरधारिता उसकी चुकता शेयर पूंजी के 50% से अधिक हो जाएगी.

जन धन योजना ने वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाया : मोदी

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री जन धन योजना' के 10 वर्ष पूरे होने पर बुधवार को कहा कि यह योजना सम्मान, सशक्तीकरण और राष्ट्र के आर्थिक जीवन में भागीदारी के अवसर का प्रतीक है. मोदी ने जन धन योजना को सफल बनाने के लिए काम करने वालों की भी सराहना की और कहा कि यह योजना वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण रही है. प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने आधिकारिक खाते पर लिखा, आज एक ऐतिहासिक दिन है... जन धन योजना के 10 वर्ष पूरे हो गए हैं. सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं और इस योजना को सफल बनाने के लिए दिन-रात एक करने वाले सभी लोगों को भी बहुत-बहुत बधाई. उन्होंने कहा कि जन धन योजना वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और करोड़ों लोगों खासकर महिलाओं, युवाओं तथा वंचित समुदायों को सम्मान देने में सबसे आगे रही है. प्रधानमंत्री ने पेशेवर मंच 'लिंक्डइन' पर बाद में लिखा आज प्रधानमंत्री जन धन योजना को शुरू हुए एक दशक हो गया है और यह पहल महज एक नीति नहीं है. यह एक ऐसे भारत के निर्माण का प्रयास है, जहां हर नागरिक, चाहे उसकी आर्थिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो, उसकी औपचारिक बैंकिंग प्रणाली तक पहुंच हो.

पीएम मोदी ने कहा, आप में से कई लोग, खासकर युवा सोच रहे होंगे..यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है? आखिरकार, इस युग में बैंक खाता होना बेहद ही बुनियादी बात है और इसे सामान्य बात भी माना जाता है. उन्होंने कहा कि उनकी दुनिया ऐसी थी जहां बचत घर पर रखी जाती थी, जिसके खोने तथा चोरी होने का खतरा बना रहता था. कर्ज तक पहुंच 'साहूकारों' की दया पर निर्भर थी. वित्तीय सुरक्षा के अभाव से कई सपने पूरे नहीं हो पाते थे. जब जन-धन योजना शुरू की गई तो मुझे याद है कि इसे लेकर भी संशय की स्थिति थी. कुछ लोगों ने पूछा था - क्या इतनी बड़ी संख्या में लोगों को बैंकिंग प्रणाली में लाना वास्तव में संभव है? क्या इस प्रयास से कोई ठोस बदलाव आएगा? हां. चुनौतियां काफी व्यापक थीं लेकिन इसे हकीकत बनाने के लिए भारत के लोगों का दृढ़ संकल्प भी उतना ही बड़ा था.

'पीएमजेडीवाई गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा में शामिल करती है'

भाषा। नयी दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेश पहल है जो गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा में लाती है और हाशिए पर मौजूद समुदायों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. वित्तीय समावेश के लिए राष्ट्रीय पहल पीएमजेडीवाई के सफल क्रियान्वयन को एक दशक पूरा हो गया है. इस मौके पर सीतारमण ने कहा, औपचारिक बैंकिंग सेवाओं तक सार्वभौमिक तथा किफायती पहुंच वित्तीय समावेश और सशक्तिकरण हासिल करने के लिए आवश्यक है. यह गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा में लाती है और हाशिए पर मौजूद समुदायों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. उन्होंने कहा कि बैंक खाते, लघु बचत योजनाएं, बीमा तथा पहले बैंकिंग सुविधा से वंचित रहे लोगों को ऋण सहित सार्वभौमिक, सस्ती व औपचारिक वित्तीय सेवाएं प्रदान कर प्रधानमंत्री जन धन योजना ने पिछले एक दशक में देश के बैंकिंग तथा वित्तीय परिदृश्य को बदल दिया है. सीतारमण ने कहा कि इस पहल की सफलता इस बात में परिलक्षित होती है कि जन धन खातों के जरिये 53 करोड़ लोग औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में शामिल हुए हैं. इन बैंक खातों में 2.3 लाख करोड़ रुपये की जमा राशि जमा हुई है और इसके परिणामस्वरूप 36 करोड़ से अधिक निःशुल्क रुपे कार्ड जारी किए गए हैं, जिन पर दो लाख रुपये का दुर्घटना बीमा 'कवर' भी मिलता है.

ईसीओआर ने 10.05 करोड़ टन माल ढुलाई की

भुवनेश्वर। पूर्वी तट रेलवे (ईसीओआर) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 26 अगस्त तक केवल 148 दिन में 10.057 करोड़ टन (एमटी) माल लादकर माल परिवहन में एक नया मानक स्थापित किया है. आधिकारिक बयान के अनुसार, ईसीओआर को गत वित्त वर्ष 2023-24 में इसी आंकड़े तक पहुंचने में 152 दिन लगे थे. रेलवे ने 26 अगस्त 2024 तक माल ढुलाई में 3.37 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 3.282 लाख टन अधिक है. तब 9.72 करोड़ टन की माल ढुलाई की गई थी.

रुपये की गिरावट : 83.96 प्रति डॉलर पर

मुंबई। पेट्रोलियम कंपनियों की मजबूत डॉलर मांग के बीच बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया तीन पैसे गिरकर 83.96 पर बंद हुआ. विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख, विदेशी पूंजी प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट की वजह से रुपये का नुकसान सीमित रहा. अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.94 प्रति डॉलर पर खुला और अंत में 83.96 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ.

अनन्या पांडे ने कहा- फॉलो कर लो यार...

मुंबई में अपने शो फॉलो कर लो यार का प्रमोशन करतीं एक्ट्रेस अनन्या पांडे.

समुदायों व नीति निर्माताओं को जोड़ना कॉमन्स के संरक्षण के लिए आवश्यक

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय 'कॉमन्स कन्वीनिंग' (सामुदायिक भूमि) का उद्घाटन सामूहिक कार्रवाई और सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर जोर देने के साथ हुआ. इस आयोजन का उद्देश्य भारत के पारिस्थितिक कॉमन्स के प्रबंधन और संरक्षण के लिए आवश्यक रणनीतियों पर चर्चा करना और सतत विकास लक्ष्यों और जलवायु कार्रवाई उद्देश्यों को प्राप्त करने में कॉमन्स की भूमिका को बढ़ावा देना है. भारत के सामुदायिक भूमि, जो लगभग 205 मिलियन एकड़ के महत्व को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है. ओडिशा के जिशुदान दिशारी, जिनके गांव बाराकुटनी को 2022 में प्रकृति मित्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, ने सामुदायिक भूमि की सुरक्षा की दिशा में अपनी यात्रा साझा की. उन्होंने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए बताया कि उनकी दादी ने उन्हें सिखाया था कि प्रकृति लोगों की रक्षा करेगी.

इसी प्रकार, नगालैंड के वाई नुकलू फोम, जिन्होंने 2021 में जैव विविधता संरक्षण के लिए व्हिटली पुरस्कार जीता, ने अपने गांव योंगयिमचेन में अपने शिकार समुदाय की परिवर्तनकारी यात्रा का वर्णन किया. शिकार से संरक्षण की ओर संक्रमण करते हुए, समुदाय के प्रयासों ने अमूर बाजों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, जिसकी उपस्थिति ने नीति निर्माताओं और सामुदायिक नेताओं के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया है. बेंगलुरु की झील कार्यकर्ता उषा राजगोपालन ने शहरी दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला.

उद्घाटन सत्र में आईएफएस, राजेश एस कुमार, इंस्पेक्टर जनरल ऑफ फॉरेस्ट, एमओईएफसीसी, मुनीराजू एसबी, डिप्टी एडवाइजर, नीति आयोग सुधर्शन अय्यंगार, चेयरपर्सन, रंजन कुमार घोष, और जीना नियाज़ी सहित कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया.

कंपनी का टारगेट | जून 2025 तक का कैंडी सोलर का लक्ष्य

200 मेगावाट की परियोजनाएं स्थापित कर रही कैंडी सोलर

भाषा। नयी दिल्ली

अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी कैंडी सोलर इंडिया का लक्ष्य जून 2025 तक भारत और दक्षिण अफ्रीका में 200 मेगावाट की परियोजनाएं स्थापित करना है. कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) निशांत सूद ने कहा कि घरेलू बाजार में परियोजनाएं वाणिज्यिक तथा औद्योगिक (सीएंडआई) खंड के ग्राहकों के लिए इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण (ईपीसी) आधार पर स्थापित की जाएंगी, जबकि दक्षिण अफ्रीका में ग्राहक खाद्य उद्योग तथा कृषि से होंगे.

सूद ने कहा, हम कैलेंडर वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही तक करीब 200 मेगावाट की सौर परियोजनाएं पूरी कर लेंगे....कैंडी सोलर 45 मेगावाट क्षमता के लिए समझौते पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में है. सूद ने कहा कि भारत में ये परियोजनाएं गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पंजाब और हरियाणा में फैली हुई हैं. उन्होंने कहा कि कंपनी 'ओपन एक्सेस' और 'रूफटॉप' परियोजनाएं भी स्थापित करेगी. एमडी ने कहा कि 200 मेगावाट क्षमता में से करीब दो तिहाई भारत में तथा शेष दक्षिण अफ्रीका में स्थापित की जाएगी. भारत में सौर डेवलर के समक्ष पेश होने वाली समस्याओं पर किए सवाल पर सूद ने कहा, भारतीय बाजार में सबसे बड़ी चुनौती नीतिगत उतार-चढ़ाव है. कई नीतिगत बदलाव विभिन्न नोडल एजेंसियों के बीच संरेखित नहीं हैं. ऋण या वित्तपोषण विकल्प, खासकर एमएसएमई क्षेत्र में अब भी सीमित हैं. हालांकि, सौर ऊर्जा के लिए वृहद कहानी अच्छी बनी हुई है.

क्लियर टैक्स ने माइक्रोसॉफ्ट के साथ मिलकर किया समाधान

अस्थायी कर्मियों के लिए कर जमा करने को सरल बनाया

भाषा। नयी दिल्ली

ऑनलाइन कर जमा कराने की सुविधा देने वाले मंच 'क्लियरटैक्स' ने बुधवार को कहा कि उसने माइक्रोसॉफ्ट के साथ एक सरलीकृत समाधान विकसित किया है, जो देशभर में अस्थायी कामगारों (गिग वर्कर) को व्हाट्सएप के जरिये अपना कर दाखिल करने की अनुमति देता है. एक बयान के अनुसार, क्लियरटैक्स ने एक उपयोगकर्ता-अनुकूल समाधान विकसित करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट एज़्योर ओपनएआई सेवा का उपयोग किया है. इसके जरिये भुगतान पर काम करने वाले अस्थायी कामगार व्हाट्सएप के माध्यम से अपना कर दाखिल कर सकते हैं. क्लियरटैक्स ने कहा, इस पहल का प्रभाव तेज और पर्याप्त रहा है. पेशकश के पांच सप्ताह में ही लगभग 98,000 अस्थायी कर्मचारी इस नई प्रणाली के साथ अपना कर दाखिल करने में सक्षम हुए हैं. इन सभी लोगों को इस सरलीकृत योजना के कई तात्कालिक आर्थिक लाभ भी मिलने वाले हैं. बेंगलुरु स्थित फर्म ने इस सेवा की पहुंच नियोक्ता संगठनों तक देने की योजना भी बनाई है ताकि वे दफ्तर में बैठकर काम करने वाले अपने स्थायी कर्मचारियों की कर दाखिल करने और टीडीएस रिफंड दावों में सहायता कर सकें.

ब्रीफ खबरें

अभिनेता सिद्दीकी के खिलाफ मामला दर्ज

तिरुवनंतपुरम। मलयालम फिल्मों के अभिनेता सिद्दीकी पर एक अभिनेत्री द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए गए जाने के बाद उनके खिलाफ बलात्कार का एक मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अभिनेता के खिलाफ म्यूजियम पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धाराओं 376 (बलात्कार) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है. चूंकि अपराध 2016 में हुआ था, इसलिए मामला भारतीय दंड संहिता के तहत दर्ज किया गया.

संजय सिंह ने किया आत्मसमर्पण, जमानत

सुलतानपुर। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने बुधवार को यहां की सांसद/विधायक अदालत में आत्मसमर्पण किया जिसके बाद उन्हें जमानत दे दी गई. इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 22 अगस्त को बिजली-पानी के लिए विरोध प्रदर्शन के 2001 के मामले में संजय सिंह की सजा पर रोक लगा दी थी. सिंह ने उच्च न्यायालय के निर्देश के मुताबिक, जमानत के लिए 50 हजा रुपये का मुचलका भरा. अधिवक्ता मदन सिंह ने बताया कि बुधवार को संजय सिंह ने अदालत ने 50,000 रुपये के मुचलके पर उन्हें जमानत दे दी.

ट्रंप पर नए सिरे से अभियोग दायर

वाशिंगटन। अमेरिका की संघीय सरकार ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद अमेरिकी संसद परिसर 'कैपिटल हिल' में हुए दंगों के संबंध में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ मंगलवार को नए सिरे से अभियोग दायर कर उन पर लगाए गए आरोपों को सीमित कर दिया. दरअसल उच्चतम न्यायालय ने पूर्व राष्ट्रपतियों को अभियोगों से छूट होने के संबंध में हाल में एक फैसला सुनाया था. उस भाग को हटा दिया गया है, जिसमें चुनाव में हुई हार को पलटने के लिए विधि मंत्रालय की कानून प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करने के प्रयास का ट्रंप पर आरोप लगाया गया था.

वेस्ट बैंक में इजराइल के हमले में 9 की मौत

यरुशलम। इजराइल ने बुधवार को वेस्ट बैंक में हमले किए जिसमें कम से कम नौ फलस्तीनियों की मौत हो गयी और उसकी सेना ने संवेदनशील जेनिन शहर को घेर लिया है. फलस्तीनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी. इजराइल ने सात अक्टूबर को हमास के हमले के बाद से लगभग हर दिन वेस्ट बैंक पर हमले किए हैं. फलस्तीनी आतंकवादी समूहों ने कहा कि इजराइली सेना के साथ उनकी मुठभेड़ जारी है. जेनिन के गवर्नर ने फलस्तीनी रेडियो से कहा कि इजराइली बलों ने शहर को घेर लिया है, निकासी और प्रवेश बिन्दुओं को बंद कर दिया है.

यूएन : म्यांमा में शांति बहाली का आह्वान

संयुक्त राष्ट्र। ब्रिटेन ने म्यांमा से संबंधित संयुक्त राष्ट्र का एक व्यापक प्रस्ताव सदस्य देशों को वितरित किया है, जिसमें शांति प्रयासों को नए सिरे से शुरू करने का आग्रह किया गया है, नागरिकों पर हमलों, खासतौर पर सेना द्वारा किए गए हमलों की निंदा की गई है और अवैध हथियारों की तस्करी रोकने का आह्वान किया गया है. एसोसिएटेड प्रेस को मंगलवार को प्रस्ताव का मसौदा प्राप्त हुआ जिसमें 'म्यांमा में बढ़ती हिंसा पर चिंता' व्यक्त की गई है.

शरद पवार व उद्धव ठाकरे ने शिवाजी की प्रतिमा गिरने पर कहा-तेज हवाओं के कारण प्रतिमा गिरने का सरकार का दावा 'बेशर्मी की पराकाष्ठा'

महायुति सरकार के तहत महाराष्ट्र में चरम पर पहुंच गया भ्रष्टाचार

एजेंसी। मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने को लेकर बुधवार को एकनाथ शिंदे नीत सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि महायुति शासन के दौरान भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है. सिंधुदुर्ग की मालवण तहसील में राजकोट किले में 17वीं सदी के मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची प्रतिमा सोमवार को अपराह्न करीब एक बजे गिर गई थी. पिछले साल चार दिसंबर को इस प्रतिमा का अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था.

एक विरोध मार्च निकालेगा गठबंधन

ठाकरे ने यहां शरद पवार और कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख नाना पटोले के साथ संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि तेज हवाओं के कारण प्रतिमा गिरने का सरकार का दावा 'बेशर्मी की पराकाष्ठा' है. पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए महा विकास आघाडी (एमवीए) एक सितंबर को दक्षिण मुंबई में हुतात्मा चौक से 'गेटवे ऑफ इंडिया' तक एक मार्च निकालेगा. ठाकरे ने कहा कि पवार सहित, एमवीए के सभी घटक दलों के मुख्य नेता प्रदर्शन में शामिल होंगे. ठाकरे ने कहा शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के खिलाफ मालवण में आज एमवीए के मोर्चा में व्यवधान पैदा कर रहे लोग मराठा योद्धा के विश्वासघाती हैं. उन्होंने एमवीए के प्रतिनिधिमंडल के राजकोट किला जाने के बाद शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं और भाजपा समर्थकों के बीच हुई झड़प का हवाला देते हुए यह कहा.

सरकार खुद दोषमुक्त नहीं हो सकती

पवार ने कहा कि सरकार नौसेना को दोषी ठहराकर खुद को दोषमुक्त नहीं कर सकती क्योंकि प्रतिमा स्थापित करने के लिए उसकी (सरकार की) अनुमति आवश्यक थी. उन्होंने इस प्रतिमा को बनाने में भ्रष्टाचार होने का भी आरोप लगाया. उन्होंने कहा, 'राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है.' उन्होंने कहा कि सरकार के खिलाफ आक्रोश है. इस बीच, राकांपा (एसपी) की लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने प्रतिमा गिरने से उत्पन्न स्थिति को नियंत्रित करने में कथित विफलता के लिए उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के इस्तीफे की मांग की. फडणवीस के पास गृह विभाग का भी प्रभार है. सुले ने दावा किया कि इस घटना के कारण लोग आक्रोशित हैं और राज्य सरकार की ओर से अब तक आधिकारिक रूप से माफी नहीं मांगी गई है. इस बीच, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के लिए वह राज्य के 13 करोड़ लोगों से माफी मांगते हैं.

शिवसेना (यूबीटी) व भाजपा समर्थकों के बीच हुई झड़प

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद नारायण राणे के समर्थकों के बीच बुधवार को महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में उस किले पर झड़प हुई, जहां छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढह गयी. एक अधिकारी ने बताया कि कुछ लोगों ने पथराव भी किया जिसके कारण एक पुलिस कांस्टेबल घायल हो गया. राजकोट किले में शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे और ठाकरे परिवार के कट्टर प्रतिद्वंद्वी एवं रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग के सांसद नारायण राणे के तकरीबन एक साथ किले में पहुंचने से झड़प शुरू हुई. शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची प्रतिमा सोमवार को अपराह्न करीब एक बजे गिर गई थी.

'बंगाल बंद' का राज्य में मिला-जुला असर, कई भाजपा नेताओं को हिरासत में लिया

भाजपा कार्यकर्ताओं की कई स्थानों पर पुलिस से झड़प

12 घंटे के 'बंगाल बंद' के खिलाफ दायर एक याचिका को खारिज कर दी कलकत्ता हाई कोर्ट ने

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में 12 घंटे का बंद आहूत करने की कोशिश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं की कई स्थानों पर बुधवार को पुलिस से झड़प हुई और राज्य में इस बंद का मिला-जुला असर देखा गया. सुबह से ही सड़कों और रेल की पटरियों को अवरुद्ध करने के लिए पूर्व राज्यसभा सदस्य रूपा गांगुली और लॉकेट चटर्जी तथा राज्यसभा सदस्य समिक भट्टाचार्य व विधायक अग्निमित्रा पॉल समेत कई भाजपा नेताओं को हिरासत में लिया गया है. कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में एक चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग करते हुए राज्य सचिवालय (नबान्न) तक मार्च निकाला गया था. यह मार्च एक नवगठित छात्र समूह 'छात्र समाज' ने आयोजित किया था. इस बंद से राज्य में जनजीवन आंशिक रूप से प्रभावित हुआ है और कई लोग सड़कों पर उपद्रव की आशंका से अपने घरों में ही रहे. राजधानी कोलकाता में सड़कों पर चहल-पहल कम रही. सड़कों पर बहुत कम बस, ऑटो रिक्शा और टैक्सी नजर आईं. निजी वाहनों की संख्या भी कम रही. हालांकि, बाजार और दुकानें पहले की तरह खुली रहीं. स्कूल और कॉलेज खुले थे लेकिन छात्रों की संख्या बेहद कम रही. कोलकाता में कई अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों ने कक्षाएं निलंबित कर दीं. ज्यादातर निजी कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति बेहद कम रही क्योंकि उन्हें घर से काम करने को कहा गया था. सरकारी कार्यालयों में उपस्थिति पहले की तरह सामान्य रही.

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भाजपा के 'बंगाल बंद' के खिलाफ जनहित याचिका खारिज की

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आहूत 12 घंटे के 'बंगाल बंद' के खिलाफ दायर एक याचिका बुधवार को खारिज कर दी, क्योंकि संबंधित याचिकाकर्ता को एक पूर्ववर्ती आदेश के माध्यम से अदालत के समक्ष जनहित याचिका (पीआईएल) दायर करने से हमेशा के लिए रोक दिया गया था. उच्च न्यायालय में वकालत का दावा करने वाले याचिकाकर्ता संजय दास ने अपनी याचिका में अनुरोध किया था कि बंद को अवैध घोषित किया जाए. मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवज्ञानम की अध्यक्षता वाली एक खंडपीठ ने जनहित याचिका खारिज कर दी, क्योंकि अदालत ने अपने पिछले आदेश में दास को ऐसी कोई भी याचिका दायर करने से हमेशा के लिए रोक दिया था. खंडपीठ में न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य भी शामिल थे.

बलात्कारियों को मौत की सजा दिलाने के लिए कानूनों में संशोधन करेगी बंगाल सरकारः ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार की नीति 'बलात्कार संबंधी घटनाओं को कतई बर्दाश्त न करने' की है और इन मामलों से संबंधित मौजूदा कानूनों में संशोधन के लिए अगले सप्ताह राज्य विधानसभा में एक विधेयक पारित किया जाएगा, ताकि दुष्कर्म के अपराधियों के लिए मृत्युदंड सुनिश्चित किया जा सके. बनर्जी ने कहा कि यदि राज्यपाल संशोधित विधेयक को मंजूरी देने में देरी करते हैं या इसे अनुमोदन के लिए राष्ट्रपति के पास भेजते हैं तो वह राजभवन के बाहर धरने पर बैठेंगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस राज्य में शनिवार से जमीनी स्तर पर आंदोलन शुरू करेगी, ताकि बलात्कार के दोषियों को मृत्युदंड देने का कानून पारित करने के लिए केंद्र पर दबाव बनाया जा सके.

इंदिरा गांधी को अमेरिकी राष्ट्रपति बाहर खड़ा रखते थे, आज देखिए : कंगना

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

इंटरव्यू : इंदिरा से राहुल की कोई तुलना नहीं, प्लीज मजाक न कीजिए

अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी रिलीज के लिए तैयार है. यह फिल्म पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के इमरजेंसी के दौर पर आधारित है. इस बीच कंगना ने इंदिरा गांधी को लेकर अपनी राय रखी. उन्होंने इंदिरा और नरेंद्र मोदी की तुलना की तुलना से जुड़े सवाल का भी बेबाकी से जवाब दिया. कंगना रनौत ने इंडिया टुडे समूह को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर आप किसी की तारीफ करते हैं, किसी को सम्मान देते हैं. इसका मतलब ये नहीं है कि आप किसी का अपमान करते हैं. वह वक्त अलग था, वह दौर अलग था. 70 के दशक में गैस का कनेक्शन लगने में छह महीने लगते थे. हमारी फिल्मों में दिखाया जाता है कि उस समय इंसान फ्रस्ट्रेशन से भरा हुआ था, तभी 70 के मध्य में विद्रोह हुआ. आज हम अलग दुनिया में हैं. आज भारत तीसरी अर्थव्यवस्था बनी हुई है. इंदिरा गांधी को अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बाहर खड़ा रखते थे. किस तरह से बात करते थे. आज देखिए, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किस तरह का सम्मान मिलता है. ठीक है, वो वक्त अलग था, दौर अलग था. लेकिन मेरा मानना है कि अगर देश किसी परिवार के हाथ में न जाकर जनता के हाथ में होता, तो शायद ये दौर उतना देरी से नहीं आता. कंगना रनौत ने कहा कि इंदिरा गांधी तीन बार इस देश की प्रधानमंत्री रह चुकी हैं. कुछ लोग सोचते हैं कि इंदिरा गांधी सिर्फ राहुल गांधी की दादी थी. लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता. इंदिरा गांधी को राहुल गांधी की सिर्फ दादी कहना उनके कद को बहुत सीमित कर देता है. वह पूरे देश की प्रधानमंत्री थी. वह हमारा इतिहास थीं. हमारे इतिहास का हिस्सा थीं.

मोहन भागवत को जेड प्लस से भी अधिक एएसएल की सुरक्षा

लगातार न्यूज नेटवर्क

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत की सुरक्षा जेड प्लस श्रेणी से भी उपर की होगी. उनकी सुरक्षा एडवांस सिक्योरिटी लाइजन (एएसएल) स्तर की होगी. मोहन भागवत की सुरक्षा को बढ़ाने का फैसला केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लिया है. अब वह पहले से अधिक सुरक्षाकर्मियों के घेरे में रहेंगे. इस बारे में सभी राज्यों की सरकारों और पुलिस प्रमुखों को जानकारी दे दी गई है. गृह मंत्रालय में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में यह पाया गया कि कई राज्यों में मोहन भागवत को पर्याप्त सुरक्षा नहीं मिलती है. जिस राज्य में भाजपा सत्ता में है, वहां तो उनकी सुरक्षा में कोई लापरवाही नहीं होती. बड़ी संख्या में पुलिस बल की भी तैनाती की जाती है, लेकिन जिन राज्यों में भाजपा की सरकार नहीं है, वहां उनकी सुरक्षा में कमी रहती है. कम फोर्स की तैनाती की जाती है. इस कारण उन पर खतरा बरकरार रहता है. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक मोहन भागवत अब विशेष रूप से तैयार हेलिकॉप्टर से ही यात्रा करेंगे और उनकी सुरक्षा में सीआईएसएफ के जवान तैनात रहेंगे. एएसएल सुरक्षा को बहुस्तरीय सुरक्षा की श्रेणी में रखा जाता है. इस कैटेगरी की सुरक्षा वाले व्यक्ति की सुरक्षा में कई स्तरों पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाती है.

मोदी को सुनने के लिए भारतीय तैयार

लगातार न्यूज। नेटवर्क

- प्रधानमंत्री संरा महासभा के एक उच्चस्तरीय सत्र को संबोधित करने के लिए अगले महीने जाएंगे अमेरिका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने अमेरिका जाएंगे. 26 सितंबर को वह संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक उच्चस्तरीय सत्र को संबोधित करने वाले हैं. इसी दौरान वहां वह अप्रवासी भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करेंगे. इसके लिए वहां एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. कार्यक्रम का नाम मोदी एंड यूएस प्रोग्रेस टूगेदर रखा गया है. कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 24 हजार भारतीयों ने अपनी सहमति दी है. हालांकि जिस जगह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, वहां सिर्फ 15 हजार लोगों के बैठने की क्षमता है. इंडो-अमेरिकन कम्युनिटी ऑफ यूएसए ने जानकारी दी है कि प्रधानमंत्री को सुनने के लिए 24 हजार लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं. अमेरिका के 42 राज्यों में रह रहे भारतीय इस कार्यक्रम में शामिल होंगे. कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए आयोजकों ने तैयारी शुरु कर दी है. मोदी एड यूएस कार्यक्रम का उद्देश्य दोनों देशों के बीच की विविधता को जश्न के रुप में मनाना है. कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन के अलावा सांस्कृति कार्यक्रम भी होंगे. इसके साथ ही उद्योग, विज्ञान, मनोरंजन और कला क्षेत्र से जुड़े भारतीय और अमेरिकी कार्यक्रम में शामिल होंगे. उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए विदेशों में इस तरह के कार्यक्रम पहले भी आयोजित होते रहे हैं.

वरुणावत पर्वत से 21 साल बाद फिर भूस्खलन

एजेंसी। उत्तरकाशी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में भारी बारिश के बाद वरूणावत पर्वत से हुए जबरदस्त भूस्खलन से गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग एवं गोफियारा कॉलोनी में सड़कों पर खड़े कई वाहन मलबे में दब गए. अधिकारियों ने यहां बताया कि जिला मुख्यालय व आसपास के क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा के बाद मंगलवार देर रात करीब पौने दो बजे वरुणावत की तलहटी में स्थित गोफियारा जल संस्थान कॉलोनी के निकट पहाड़ी से भूस्खलन हुआ. इस दौरान पत्थरों के साथ काफी मात्रा में मलबा गिरा जिससे इलाके में हड़कंप मच गया. उन्होंने बताया कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन भूस्खलन के मलबे में गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग व गोफियारा कॉलोनी में सड़कों पर खड़े कई वाहन दब गए. वरूणावत पर्वत से हुए भूस्खलन ने 21 साल बाद एक बार फिर लोगों को डरा दिया और वर्ष 2003 में लगातार हुए भूस्खलन की कड़वी यादों को ताजा कर दिया. उस दौरान लंबे समय तक वरूणावत से भूस्खलन होता रहा था. वरुणावत पर्वत की तलहटी में उत्तरकाशी शहर बसा हुआ है और इस पर्वत के 'ट्रीटमेंट' के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने करीब 250 करोड़ रुपये से अधिक का पैकेज दिया था. मंगलवार रात काफी देर तक भूस्खलन होने तथा पत्थर गिरने की घटना से लोग सहम गए.

वडोदरा के कई हिस्से दूसरे दिन भी जलमग्न

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा शहर के कई हिस्से लगातार दूसरे दिन भी जलमग्न रहे, जिससे स्थिति 'चिंताजनक' हो गई और राहत एवं बचाव कार्य के लिए सेना को बुलाया गया. कुछ इलाकों में 10 से 12 फुट पानी भरा हुआ है. भारी बारिश और अजवा बांध से पानी छोड़े जाने के कारण विश्वामित्री नदी मंगलवार की सुबह 25 फुट के खतरे के निशान को पार कर गई.

राष्ट्रपति चुनाव

इससे पहले 1988 में उपराष्ट्रपति जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश चुनाव जीत कर राष्ट्रपति बने थे

क्या राष्ट्रपति उम्मीदवार कमला हैरिस बना पाएंगी इतिहास

एजेंसी। न्यूयार्क

अमेरिका में इस बात की खूब चर्चा हो रही है कि क्या राष्ट्रपति उम्मीदवार कमला हैरिस इतिहास बना पाएंगी. क्या कमला हैरिस एक पूर्व उपराष्ट्रपति रहते हुए चुनाव जीत कर अमेरिका का राष्ट्रपति बन पाएंगी. इससे पहले 1988 में उस वक्त के उपराष्ट्रपति जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश चुनाव जीत कर राष्ट्रपति बने थे. माना जाता है कि कमला हैरिस व्हाइट हाउस के लिए अपना अभियान शुरू कर रही हैं और वह खुद का नाम इतिहास में दर्ज कराने के लिए भी पूरी कोशिश करेंगी. उपराष्ट्रपति रहते हुए व्हाइट हाउस पहुंचने की कोशिश में असफल रहे लोगों में 1960 में रिचर्ड निक्सन, 1968 में ह्यूबर्ट हम्फ्री और 2000 में अल गोर शामिल रहे हैं. युद्ध और घोटालों से लेकर अपराध और टेलीविजन पर होने वाली बहसों जैसे मुद्दों से प्रभावित चुनावों में तीनों हार गए. लेकिन प्रत्येक उपराष्ट्रपति के लिए दो अन्य कारण भी महत्वपूर्ण साबित हुएः क्या निवर्तमान राष्ट्रपति लोकप्रिय थे और क्या राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के बीच संबंध अच्छे थे?

प्रिंसटन विश्वविद्यालय में इतिहास और सार्वजनिक मामलों के प्रोफेसर जूलियन जेलिजर कहते हैं- ''वास्तव में लोग चाहते हैं कि दोनों मिलकर काम करें. अगर उपराष्ट्रपति जिस व्यक्ति के साथ काम कर रहा है, वह लोकप्रिय है तो लोग उसकी कार्यशैली को पसंद करते हैं. साल 1988 में बुश ने मैसाचुसेट्स के गवर्नर डेमोक्रेट माइकल डुकाकिस को आसानी से हरा दिया था, जिन्हें रिपब्लिकन ने कमजोर और संपर्क से परे करार दिया था. बुश को एक ठोस अर्थव्यवस्था और शीत युद्ध के तनाव में कमी से मदद मिली. राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन की स्वीकृति रेटिंग 1986-87 के ईरान-कॉन्ट्रा घोटाले के मद्देनजर तेजी से गिरने के बाद बढ़ी और रीगन तथा बुश ने चुनाव अभियान के दौरान एक साथ अच्छा काम किया. रीगन ने अपने उपराष्ट्रपति का खुलकर समर्थन किया, जिन्होंने 1980 के प्राइमरी में उनके खिलाफ चुनाव लड़ा था. उन्होंने रिपब्लिकन सम्मेलन में बुश की प्रशंसा एक प्रतिबद्ध और अमूल्य भागीदार के रूप में की थी, कैलिफोर्निया की एक रैली में उनके साथ दिखाई दिए और मिशिगन, न्यू जर्सी और मिसौरी में सभाओं में भाषण दिया था.

इतिहासकार-पत्रकार जोनाथन डारमन के मुताबिक रीगन द्वेष रखने वाले व्यक्ति नहीं थे. और बुश ने उपराष्ट्रपति रहते हुए अपने रिश्ते की जटिलता से बाहर निकलने का काम अच्छी तरह से किया. जब गोर 2000 में चुनाव लड़े, तो उन्हें जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश की तरह ही लाभ मिला. अर्थव्यवस्था मजबूत थी, देश में शांति थी और राष्ट्रपति बिल क्लिंटन को व्हाइट हाउस की इंटर्न मोनिका लेविंस्की के साथ उनके संबंध को लेकर महाभियोग के बावजूद उच्च रेटिंग प्राप्त थी. गोर ने इससे पहले के आठ वर्षों में क्लिंटन के साथ मिलकर काम किया था, लेकिन इस स्कैंडल के कारण उनके बीच तनाव बना रहा. उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रपति की मौजूदगी को कम से कम रखा और डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में अपने 'एक्सेप्टेंस' भाषण में खुद को अपने दम पर चुनाव में उतरा नेता बताया. जानकार लोग मानते हैं कि क्लिंटन से उनकी दूरी ही उन्हें चुनाव में झटका देने वाली साबित हुई. गोर की तरह, निक्सन भी तत्कालीन राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहावर की लोकप्रियता का फायदा नहीं उठा सके या नहीं उठाना चाहते थे.

हरियाणा चुनाव : भीम आर्मी का जेजेपी से हो सकता है गठबंधन

लगातार न्यूज नेटवर्क

- जेजेपी से गठबंधन के सवाल पर चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि उन्हें कोई दिक्कत नहीं है. अगर इस तरह का गठबंधन होता है तो राज्य में हम मजबूत विकल्प बन कर सामने आयेंगे

हरियाणा विधानसभा चुनाव में जेजेपी और भीम आर्मी की पार्टी आजाद समाज पार्टी-कांशीराम का गठबंधन हो सकता है. पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने कहा है कि पिछले सात-आठ सालों में भीम आर्मी के कार्यकर्ता हरियाणा में काम कर रहे हैं. पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने हरियाणा के 20 सीटों पर अच्छा काम किया है.

जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत किया है और पार्टी के नेता लोकप्रिय हैं. जेजेपी से गठबंधन के सवाल पर चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि उन्हें कोई दिक्कत नहीं है. अगर इस तरह का गठबंधन होता है तो हम मजबूत विकल्प बन कर सामने आयेंगे. आजाद समाज पार्टी और जेजेपी में गठबंधन होने पर हम पूरे हरियाणा में अच्छी तरह से चुनाव लड़ सकते हैं. उल्लेखनीय है कि भीम आर्मी यूपी के अलावा बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान में चुनाव लड़ चुकी है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)